सुविचार
घाव पर बार-बार चोट लगती है, अन्न की कमी होने पर भूख बढ़ जाती है, विपत्ति में बैर बढ़ जाते हैं- विपत्तियों में अनर्थ बहुलता होती है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म कर्ण में...

Ranchi ● Wednesday, 06 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 315 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	69,296.14
निफ्टी	:	20,855.10

SARAFA

सोना	:	5,945
चांदी	:	81.04

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक टली

NEW DELHI : विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए (इंडिया) के घटक दलों की छह दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित बड़ी बैठक स्थगित कर दी गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह बैठक आहूत की थी। अब इसी तिथि पर एक छोटी बैठक कर आगामी बड़ी बैठक की तारीख तय की जाएगी। इस बैठक के स्थगित होने को लेकर कांग्रेस की ओर से कोई बयान नहीं जारी किया गया है, लेकिन सूत्रों ने बताया कि घटक दलों के कई नेताओं के इस प्रस्तावित बैठक में शामिल नहीं होने की जानकारी मिलने के बाद अब यह बैठक 06 दिसंबर के स्थान पर इस महीने के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी।

इंडिया की बैठक में हेमंत सोरेन नहीं होंगे शामिल

GIRIDIH : गिरिडीह प्रवास के दौरान मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के क्रम में सीएम हेमंत सोरेन ने इंडिया गठबंधन की कल होने वाली बैठक में भाग नहीं लेने का संकेत दिया है। अपनी व्यस्तताओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा है कि इसकी सूचना उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को दे दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि बैठक में उनकी ओर से कोई प्रतिनिधि शामिल हो सकता है।

भाई ने चार दोस्तों के साथ बहन का किया गैंगरेप

BHUBANESWAR : ओडिशा के कंधमाल जिले में एक युवक ने अपने चार दोस्तों के साथ मिलकर अपनी बहन (25) का गैंगरेप किया। फिर कुल्हाड़ी से काटकर उसकी हत्या कर दी। घटना 3 नवंबर की है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि सभी आरोपियों को 2 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, महिला के बड़े भाई और उसकी ननद के बीच अवैध संबंध था। महिला को इसकी भनक लग गई थी। उसने अपने भाई को यह रिश्ता खत्म करने को कहा। ऐसा नहीं करने पर घरवालों को इसकी जानकारी देने की बात कही।

टीवी शो सीआईडी के अभिनेता दिनेश फड़नीस का निधन

MUMBAI : टीवी के लोकप्रिय धारावाहिक 'सीआईडी' में इंस्पेक्टर फ्रेडरिक्स का किरदार निभाने वाले अभिनेता दिनेश फड़नीस का निधन हो गया है। दिनेश कई दिन से अस्पताल में भर्ती थे। यह जानकारी सीआईडी सीरियल में 'दया' का किरदार निभाने वाले अभिनेता दयानंद शेट्टी ने दी है। दरअसल, पहले बताया गया कि अभिनेता दिनेश को दिल का दौरा पड़ा था। उनका 1 दिसंबर से मुंबई के तुंगा अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। अब दयानंद शेट्टी ने बताया कि उनका लीवर डैमेज हो गया है, जिसके बाद उनकी मौत की खबर सामने आई है।

दुकान संचालक से 4.5 लाख के जेवरात की लूट

नामकुम में बाइक सवार अपराधियों ने दिया अंजाम

- सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई पूरी घटना
- धर्मेंद्र कुमार सोनी ने दर्ज कराई प्राथमिकी

CRIME REPORTER RANCHI : नामकुम थाना क्षेत्र के टांगरटोली टंगरा के समीप रविवार को दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने जेवरात दुकान के संचालक से साढ़े चार लाख रुपये का जेवरात लूट लिया। इस मामले में धर्मेंद्र कुमार सोनी ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि उनके बैग में सोना 18.5 ग्राम और चांदी के 6 किलोग्राम के था। रविवार की शाम दुकान बंद कर बाइक से अपने घर चटकपुर जा रहे थे। इसी क्रम में साढ़े पांच बजे सिदरौल चटकपुर रोड के टांगरटोली टंगरा के समीप एक बाइक पर दो युवक और दूसरी बाइक पर दो युवक टंगरा के समीप पहुंचे। अपराधियों ने धक्का मारकर दुकानदार को सड़क पर गिरा दिया। इसके बाद आरोपियों बैग लूटकर फरार हो गए। इस संबंध में पुलिस ने बताया सीसीटीवी कैमरे में दोनों बाइक सवार जाते हुए दिखाई दें रहें हैं। आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा से वापस पृथ्वी की कक्षा में स्थापित

NEW DELHI : चंद्रयान 3 ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। इसरो एक अनूठे प्रयोग के तहत चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगा रहे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) को वापस धरती की कक्षा में ले आया है। इसरो ने मंगलवार को एक्स पर खुशी साझा करते हुए बताया कि एक अन्य अनूठे प्रयोग में चंद्रयान-3 का प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) को चंद्र कक्षा से पृथ्वी की कक्षा में लाया गया है। प्रोपल्शन मॉड्यूल इसके लिए रिटर्न मैनुवर यानी वापसी की प्रक्रिया की गई। इसरो के मुताबिक 10 नवम्बर को प्रोपल्शन मॉड्यूल ने चंद्रमा से वापस धरती की यात्रा शुरू की। 22 नवम्बर को यान धरती के निकटतम बिंदु (पेरिगी) से होकर गुजरा। यह प्रयोग चंद्रमा से नमूने वापस लाने के मिशन (सैंपल रिटर्न मिशन) को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

गैंगस्टर हत्याकांड : हाईकोर्ट ने कहा- जेल में हत्या बड़ा षड्यंत्र, एसआईटी बनाकर जांच हो, मांगा जवाब

जेल आईजी वर्चुअली हुए उपस्थित, बताया- सुरक्षा में चूक की हो रही जांच

SPECIAL REPORTER RANCHI : धनबाद जेल में गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या के बाद लिये गये स्वतः संज्ञान पर झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि यह घटना एक बड़े षड्यंत्र की ओर इशारा कर रही है। जेल में हथियार पहुंचना और हत्या होना बड़ी बात है। एसआईटी बनाकर इस मामले की जांच होनी चाहिए। सरकार इस पूरे मामले पर अपना जवाब दाखिल करे। सुनवाई के दौरान आईजी जेल उमाशंकर सिंह कोर्ट के समक्ष वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए और कोर्ट के सवालों का जवाब दिया। सुनवाई के दौरान उन्होंने कोर्ट को बताया कि एडीएम लॉ एंड ऑर्डर एवं अपर समाहर्ता एवं सिटी एसपी धनबाद द्वारा जेल में सुरक्षा की चूक की जांच की जा रही है। तीन सदस्यीय कमेटी जांच कर रही है। इसके अलावा सीआईडी आईजी भी जांच पड़ताल कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट को जानकारी दी गई कि अब हुई जांच में जेल से दो पिस्टल, छह मोबाइल फोन बरामद किया है। गोली चलाने वाले की पहचान कर ली गई है।

वरीय अधिकारियों की टीम कर रही मामले की जांच

चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंदा सेन की खंडपीठ में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत को बताया कि सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और वरीय अधिकारियों की टीम इस पूरे मामले की जांच कर रही है। साथ ही कोर्ट ने मामले में तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने को कहा है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर निर्धारित की है। मामले की सुनवाई हाइब्रिड मोड में मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने सरकार की ओर से पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि रविवार को धनबाद जेल के अंदर अमन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद कोर्ट ने मामले को सोमवार को संज्ञान लेते हुए आईजी कारागार को तलब किया था।

सरकार आपके द्वार : सीएम हेमंत ने विपक्ष को लिया आड़े हाथ, बोले- सबसे बड़ी पार्टी कहलानेवालों ने 20 साल तक राज्य का खून चूसा

- पूर्ववर्ती सरकारों ने झारखंड के विकास के लिए कुछ नहीं किया
- हमारी सरकार ने राज्य के विकास को लेकर गाढ़ी लकीर खींची
- झारखंड से पिछड़ापन का कलंक मिटाने में हमारी नजर
- कोरोना जैसी महामारी आई, पर किसी की भूख से मौत नहीं हुई

PHOTON NEWS KODERMA : सीएम हेमंत सोरेन ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में शासन करने वाली पूर्ववर्ती सरकारों ने यहां के विकास के लिए कुछ नहीं किया। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी कहलानेवालों ने यहां 20 साल तक शासन कर सिर्फ झारखंड का खून चूसा। राज्य को ताकतवर बनाने का प्रयास नहीं किया। यही कारण है कि झारखंड देश का सबसे पिछड़ा राज्य बन गया। यह वीरों की धरती है। हमारी सरकार ने राज्य के विकास को लेकर गाढ़ी लकीर खींची है और हम झारखंड के माथे पर लगे पिछड़ा राज्य के कलंक को भी मिटाएंगे। वे मंगलवार को कोडरमा के बागीटांड़ स्टेडियम में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार के तीसरे चरण में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम हेमंत सोरेन अपने संबोधन के दौरान बिना किसी का नाम लिए पूरी तरह हमलावर दिखे। उन्होंने कहा कि बड़ी पार्टी ने बीस साल तक बेवकूफ बनाया। मुश्किल से हमारी सरकार बनी है। खनिज संपदा से राज्य भरा हुआ है, पर हमारे लोग दूसरे जगह पलायन के लिए मजबूर हैं। 2025 में झारखंड युवा राज्य होगा। हमारी नजर है कि झारखंड से पिछड़ापन का कलंक मिटाएं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में भूख से मौत हुई। हमारे समय में कोरोना जैसी महामारी आई, पर किसी की भूख से मौत नहीं हुई।

अभ्रक व्यवसाय को पैरों पर खड़ा करूंगा

सीएम ने कोडरमा-गिरिडीह का मुख्य रोजगार का साधन अभ्रक-ढिबरा व्यवसाय को लेकर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि हमने इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए व्यवस्था को ठीक करने का प्रयास किया, लेकिन षडयंत्रकारियों ने चतुराई से इस पर पानी फेर दिया.अभ्रक में यूरेनियम पाया जाता है की नई बात सामने लाकर उलझा दिया है। यूरेनियम है या नहीं अब इसकी रिपोर्ट ही नहीं दे रहे। कुछ लोग इस समस्या का निदान नहीं चाहते, दो नंबर कर अपना जेब भरना चाहते हैं। वैसे मैं इसका भी निदान निकालूंगा। अभ्रक व्यवसाय को पैरों पर खड़ा करूंगा। सीएम ने कहा कि हमारा हजारों करोड़ नहीं दे रहे, पर बकाया नहीं देने पर डीवीसी बिजली काट देती है। कमांड एरिया के सात जिलों कोडरमा, हजारीबाग, गिरिडीह आदि की समस्या का पूरा समाधान हो रहा है। हम अपना ट्रांसमिशन लाइन तैयार कर रहे हैं।

कोडरमा को 444 करोड़ की दी सौगात

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने बौद्धिक, सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक मजबूती के लिए काम नहीं किया। आज महंगाई आसमान पर है और ये हर काम में रोड़ा लगा रहे हैं। चुनाव आने वाले हैं। झूठ बोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द कर दिए थे। हमने बीस लाख अतिरिक्त कार्ड बनाया। सरकार आपके द्वार में पहली बार वर्ष 2021 में आयोजित शिविरों में 35 लाख, 2022 में आयोजित शिविरों में 55 लाख लोगों ने आवेदन दिए। इससे पता चलता है कि हम लोगों के हेडमास्टर सही नहीं होते थे। बोरा भर कर जनप्रतिनिधियों के पास समस्या पहुंचती थी, लेकिन कुछ होता नहीं था। हमारी सरकार में सबकी उम्मीद जगी है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के माध्यम से 433 करोड़ की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास उद्घाटन किया, जबकि करीब 11 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष की हत्या

गोगामेड़ी को हमलावरों ने घर में घुसकर मारी गोली

गोली चलाते अपराधी व इनसेट में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की फाइल फोटो।

- लारेंस विश्नोई गैंग से जुड़े रोहित गोदारा ने ली हत्या की जिम्मेदारी
- सुखदेव के सुरक्षा गार्ड ने जवाबी फायरिंग में एक हमलावर को मार गिराया

AGENCY JAIPUR : राजस्थान की राजधानी जयपुर के श्याम नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर कार सवार तीन बदमाशों ने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में गोली मारकर हत्या कर दी। गंभीर हालत में उन्हें मेट्रो मास हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के दौरान मौजूद गार्ड अजीत सिंह भी इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हालांकि गार्ड की ओर से की गई फायरिंग में एक बदमाश की भी मौत हो गई। फिलहाल, इस हत्या की जिम्मेदारी लारेंस विश्नाई गैंग से जुड़े रोहित गोदारा ने ली है। इधर, वारदात के बाद पुलिस की ओर से जयपुर शहर में कड़ी नाकाबंदी करवाई गई है। पुलिस की टीमें हमलावरों की धर-पकड़ के लिए दौड़ भाग कर रही हैं। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के समर्थकों का कहना है उनको काफी समय से यूपी समेत अन्य इलाकों से धमकियां मिली थीं। साथ ही पाकिस्तान से भी उनको धमकी मिली थी लेकिन पुलिस ने कोई ध्यान नहीं दिया।

बर्लिन डायग्नोस्टिक सेंटर पहुंची ईडी, जमीन भी मापी

CRIME REPORTER RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम मंगलवार को राजधानी के बरियातू रोड स्थित बर्लिन डायग्नोस्टिक सेंटर एंड डे केयर पहुंची। ईडी की टीम यहां पहुंची और फिर यहां पर जमीन की मापी की। गौरतलब है कि बीते महीने ईडी ने इस जमीन का संबंधित ब्योरा मांगा था। बरियातू स्थित इस जमीन पर वर्तमान में बर्लिन डायग्नोस्टिक सेंटर भी चल रहा है। ईडी ने इस सिलसिले में बड़गाईं अंचल के अंचलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी थी। अंचल कार्यालय में हुई जालसाजी के मद्देनजर इस जमीन से संबंधित दस्तावेज और खतियान में दर्ज ब्योरों के अनुसार, मालिकों का पूरा डीटेल भी मांगा था।

जांच में जुटी ईडी की टीम।

साहिबगंज एसपी से आज होगी पूछताछ

RANCHI : साहिबगंज एसपी नौशाद आलम से ईडी आज (बुधवार) को दूसरी बार पूछताछ करेगी। छह दिसंबर को ईडी ने नौशाद आलम को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले 28 नवंबर को ईडी एसपी नौशाद आलम से 12 घंटे तक पूछताछ कर चुकी है। जानकारी के मुताबिक, ईडी टीम ने एसपी नौशाद आलम से पूछताछ के लिए बाकायदा सवालों की एक पूरी लिस्ट तैयार की है। ईडी के गवाह को प्रभावित करने को लेकर एसपी नौशाद आलम से पूछताछ की जा रही है। इससे पूर्व बीते बीते 28 नवंबर को नौशाद आलम से ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ की थी, लेकिन उस दौरान साहिबगंज एसपी के अधिकांश जवाब से एजेंसी के अफसर संतुष्ट नहीं हुए।

लोस में जम्मू-कश्मीर आरक्षण संशोधन बिल पेश

डीएमके नेता बोले- बीजेपी केवल गोमूत्र राज्यों को जीत रही, दक्षिण में घुसने नहीं देंगे

AGENCY NEW DELHI : संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर आरक्षण संशोधन बिल पेश किया। चर्चा के दौरान धर्मपुरी से डीएमके सांसद डॉ. सेंथिल कुमार ने कहा कि भाजपा की ताकत केवल हिंदी बेल्ट के उन राज्यों को जीतने में ही है, जिन्हें हम आमतौर पर गोमूत्र राज्य कहते हैं। सेंथिल ने आगे यह भी कहा कि दक्षिण के राज्यों में बीजेपी को घुसने नहीं दिया गया है। यह खतरा जरूर है कि कश्मीर की ही तरह भाजपा दक्षिण भारत के राज्यों को भी केंद्र शासित प्रदेश न बना दे। क्योंकि ये वहां जीत नहीं सकते तो उसे यूटी बनाकर गवर्नर के जरिए शासन कर सकते हैं। महुआ मोइत्रा पर एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश की जा सकती है। पहले दिन इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ।

अमित शाह बोले- हमने देश में एक प्रधान एक निशान, एक विधान करके दिखाया

लोकसभा में जम्मू-कश्मीर विधेयकों पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, एक देश में दो प्रधानमंत्री, दो संविधान और दो झंडे कैसे हो सकते हैं? जिन लोगों ने ऐसा किया उन्होंने गलत किया। पीएम मोदी ने इसे ठीक किया। हम 1950 से कह रहे हैं कि देश में 'एक प्रधान, एक निशान, एक विधान' होना चाहिए और हमने यह किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि देश में एक ध्वज, एक प्रधानमंत्री, एक संविधान की अवधारणा कोई राजनीतिक नारा नहीं है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस सिद्धांत में दृढ़ता से विश्वास करती है तथा उसने जम्मू कश्मीर में आखिरकार यह कर दिखाया है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- भारत की विदेश नीति में अफ्रीका को हमेशा दी गई उच्च प्राथमिकता

भारत और केन्या के बीच पांच करार पर हस्ताक्षर

AGENCY NEW DELHI : भारत और केन्या के बीच मंगवार को शिक्षा, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों से जुड़े पांच करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए भारत केन्या को 250 मिलियन डॉलर का ऋण देगा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की विदेश नीति में अफ्रीका को हमेशा उच्च प्राथमिकता दी गई है। पिछले लगभग एक दशक में हमने मिशन मोड में अफ्रीका के साथ अपना सहयोग बढ़ाया है। केन्या के राष्ट्रपति डॉ. विलियम समोई रुतो तीन दिवसीय यात्रा पर कल नई दिल्ली पहुंचे थे। भारत की राजकीय यात्रा पर आए समोई रुतो ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और केन्या के बीच आपसी व्यापार और निवेश में लगातार प्रगति हो रही है। उन्हें खुशी है कि केन्या ने ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से जुड़ने का निर्णय लिया है। साथ ही केन्या द्वारा लिये गए इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस से जुड़ने के निर्णय से हम बिग कैट के संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयासों को सशक्त कर सकेंगे। भारत और केन्या एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे गंभीर चुनौती है। इस संबंध में हमने आतंकवाद विरोधी अभियानों में आपसी सहयोग को बढ़ाने का निर्णय लिया है।

केन्या के राष्ट्रपति डॉ. विलियम बातचीत करते पीएम नरेंद्र मोदी।

रक्षा क्षेत्र में हमारे आपसी विश्वास हितों का प्रतीक

प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में हमारा बढ़ता सहयोग हमारे आपसी विश्वास और साझा हितों का प्रतीक है। आज की चर्चा में हमने सैन्य अभ्यास क्षमता निर्माण के अलावा दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को जोड़ने पर भी जोर दिया। हमने जन कल्याण के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर भी चर्चा की। दो कृषि प्रधान अर्थव्यवस्थाओं के रूप में हम अपने अनुभव साझा करने पर सहमत हुए। केन्या के कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए हम 250 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट देने पर सहमत हुए हैं। हम डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में केन्या के साथ भारत की उपलब्धियों को साझा करने के लिए तैयार हैं। केन्या के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने सोमालिया और सूडान के हालात पर प्रधानमंत्री मोदी से चर्चा की है। केन्या में 70 प्रतिशत स्वास्थ्य वस्तुओं का मूल भारत में है।

साइक्लोन मिचौंग आंध्र तट से टकराकर उत्तर दिशा में बढ़ा

CHENNAI : बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग मंगलवार दोपहर आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दोपहर ठीक 1 बजे तूफान बापटला में नेल्लोर-मछलीपट्टनम के बीच लैंडफॉल कर गया। आईएमडी के मुताबिक, लैंडफॉल के दौरान 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। साथ ही तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। तूफान कमजोर होकर आगे बढ़ गया है। तूफान का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में हुआ। दोनों राज्यों में 100 से ज्यादा ट्रेनें और 50 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। आंध्र प्रदेश के कोस्टल एरिया से एनडीआरएफ की 29 और एसडीआरएफ की टीम ने 9500 लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया।

झारखंड में भी चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर

कई इलाकों में रुक-रुक कर होती रही बूंदाबांदी बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के कई जिलों में चक्रवात मिचौंग का असर दिखने लगा है। मंगलवार सुबह से ही बूंदाबांदी हो रही हैं। रुक-रुक कर बारिश होने से जनजीवन पर भी असर दिख रहा है। मंगलवार सुबह दस बजे तक राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश रिकॉर्ड किया गय। खूंटी के तोरपा प्रखंड में सबसे अधिक 9.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया। खूंटी जिला की बात करें तो यहां ओवरऑल नौ मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया। सिमडेगा में 9.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया जबकि कोलेबिरा में 14.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

सात तक हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा

रांची मौसम केंद्र के प्रभारी निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि छह और सात दिसंबर को राज्य के करीब-करीब सभी हिस्से में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। आठ दिसंबर तक बादल रहेंगे। इससे न्यूनतम तापमान चढ़ा रहेगा जबकि बादल की वजह से अधिकतम तापमान गिर सकता है। राज्य के दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य इलाके में बारिश हल्के से मध्यम दर्जे की होगी। इन हिस्सों में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, सिमडेगा, रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग जिला शामिल है। इस दौरान राज्य के अन्य हिस्सों में बादल छाये रहेंगे।

BRIEF NEWS

भदुमा रेलवे फाटक के पास युवक का शव बरामद

PALAMU : पलामू जिले के उंटारी रोड और सतबहिनी रेलवे स्टेशन के बीच में स्थित भदुमा रेलवे फाटक के पास से एक युवक का शव बरामद हुआ है। युवक का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ था। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। ऐसा माना जा रहा है कि युवक चलती ट्रेन से असंतुलित होकर गिर पड़ा है, या यह भी आशंका जताई जा रही है कि हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया गया हो। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

स्टार फुटबॉलर आबाद अंसारी का निधन, श्रद्धांजलि देने वालों का लगा रहा तांता

RANCHI : राजधानी रांची के ग्राम चुट्टू निवासी व जाने-माने फुटबॉल खिलाड़ी आबाद अंसारी (43) का मंगलवार को निधन हो गया। वह अचानक किसी लंबी बीमारी का शिकार हो गए,और मंगलवार को दिन के लगभग 12:05 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका उपचार मेदांता अस्पताल इरबा में चल रहा था। निधन की खबर सुनते ही समूचे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अनेकों लोग मेदांता अस्पताल पहुंचे,जहां से उनके पार्थीव शरीर को उनके निवास स्थान चुट्टू लाया गया। जहां अंतिम दर्शन के लिए क्षेत्रवासियों व खेलप्रेमियों का ताता लगा रहा। आबाद अपने पीछे भरापूरा खानदान छोड़ गए हैं, पत्नी के अलावा उनकी दो बेटीयां हैं। कांके प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा ने बताया कि झारखंड ज्योति क्लब चुट्टू से खेलने वाले भाई आबाद अंसारी बेहद गरीब परिवार से थे। लेकिन इस गरीबी को किक मारते हुए भाई ने रांची ही नहीं संपूर्ण झारखंड प्रदेश के फुटबॉल जगत में अपनी जरूरतों के आभाव के बावजुद भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि इस जाने-माने फुटबॉल खिलाड़ी ने फुटबॉल के क्षेत्र में झारखंड ज्योति क्लब चुट्टू को विशिष्ट पहचान दिलाई है।

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के अध्यक्ष डॉ नाग को दी गई विदाई

KHUNTI : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग बिरसा कॉलेज, खूंटी में सोमवार को समारोह का आयोजन कर विभागाध्यक्ष डॉ जयसिंह नाग को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच विदाई दी गई। जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में कॉलेज की प्राचार्या और अन्य प्राध्यापकों ने प्रार्थना के बीच बाद सम्मान स्वरूप विभाग की ओर से डॉ नाग को पारंपरिक पगड़ी पहनायी गई और अंगवस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया और ज्ञान की ज्योति की प्रतीक मोमबत्ती जलाकर उनकें उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कॉलेज की प्राचार्या जेम् किड़ो कुल्लू ने जय सिंह नाग के साथ भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में डॉ सीके भगत, राजकुमार गुप्ता, प्रो पूनम माइ तियु ने डॉ नाग के कॉलेज के प्रति योगदान को याद किया। प्राचार्या ने अपनी शुभकामना संदेश में छात्रों के प्रति जिम्मेदारी और शोध कार्य को प्रमुखता देते हुए डॉ नाग के योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ सिजरेन सुरीन, छात्रा सुचिता औरं अन्य छात्रों ने सामूहिक रूप से किया।

धनबाद के बलियापुर में दो चचेरे भाइयों की सड़क दुर्घटना में मौत

DHANBAD : धनबाद के बलियापुर थाना क्षेत्र के शीतलपुर के पास सड़क दुर्घटना में दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मृतक आम्बोना के कोईरी गांव के धीरज गोप (20 वर्ष), दूसरा सूरज गोप (19 वर्ष) बलियापुर के बीबीएम कॉलेज में रीएडमिशन के लिए गया था। घर लौटने के दौरान बाइक पेड़ से टकरा गयी। जिससे वे दोनों घटनास्थल पर गंभीर रूप से घायल हो गये। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने बलियापुर थाने की पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आदिवासी अधिकार बाइक रैली में हिस्सा लिया

हेमंत सोरेन के रहते राज्य की जनता सुरक्षित नहीं : बाबूलाल

PHOTON NEWS DUMKA : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को दुमका से लिट्टीपाड़ा तक पार्टी की आदिवासी अधिकार बाइक रैली में हिस्सा लिया। सैकड़ों की संख्या में आदिवासी युवक रैली में शामिल हुए। अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर मरांडी का स्वागत हुआ।

बाइक रैली में बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

रैली को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड की विधि व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री रहते राज्य में कोई भी सुरक्षित नहीं है। राज्य में जल, जंगल, जमीन की लूट मची है। राज्य में आकंठ भ्रष्टाचार है। पुलिस वसूली में लगी है। दलाल, बिचौलिए, अपराधी बेखौफ हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में अलग राज्य दिया। राज्य का विकास भी भाजपा ने किया और आगे भी करेगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आदिवासी समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार ने अलग आदिवासी मंत्रालय बनाए। आज मोदी मंत्रिमंडल में आठ केंद्रीय मंत्री जनजाति समाज से हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति के पद पर आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा संथाल परगना की सभी लोकसभा और विधानसभा सीट को जीतेगी। भाजपा का संथाल की जनता में मजबूत जनाधार है। आज भी तीन में से दो लोकसभा सीट भाजपा के पास है जबकि एक राजमहल सीट पर भाजपा ने कई बार जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि रैली में आदिवासी समाज का उत्साह यह साबित करता है कि जनता हेमंत सरकार से ऊब चुकी है।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 5,196 आवेदनों का निस्तारण

PHOTON NEWS LOHARDAGA : लोहरदगा जिला में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 24 नवंबर से 04 दिसंबर तक कुल 27240 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें अब तक 5196 आवेदन निष्पादित किए जा चुके हैं। साथ ही अन्य आवेदन निष्पादन के लिए अग्रसारित किए गए हैं और 31 आवेदन विभिन्न कारणों से रिजेक्ट हुए हैं।

जिले के प्रखण्डों में सदर प्रखण्ड लोहरदगा में कुल 5638 आवेदन, सेन्हा प्रखण्ड में 4859 आवेदन, कुडू प्रखण्ड में 4738 आवेदन, किस्को प्रखण्ड में 3965 आवेदन, भण्डरा प्रखण्ड में 3903 आवेदन, कैरो प्रखण्ड में 2880 आवेदन, पेशरार प्रखण्ड में 992 आवेदन और नगर परिषद में 337 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

किन योजनाओं में कितने आवेदन

अबुआ आवास योजना में कुल 14,401 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मनरेगा योजना अंतर्गत 3674 आवेदन प्राप्त हुए हैं। 1145 लाभुकों के बीच कंबल का वितरण किया जा चुका है। गुरुजी स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना अंतर्गत 946 आवेदन प्राप्त हुए हैं। बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के लिए कुल 288 लोगों ने आवेदन दिया है, जिसमें 82 लोगों को इसका लाभ मिल चुका है।

इसी प्रकार 15वें वित्त अंतर्गत 04, आयुष्मान कार्ड के लिए 373, जन्म प्रमाण-पत्र के लिए 213, जाति प्रमाण-पत्र के लिए 301, सामुदायिक वन पट्टा के लिए 01, आधार कार्ड में संशोधन के लिए 210, जन्म प्रमाण-पत्र में संशोधन के लिए 03, भू-अभिलेखों में ऑनलाईन सुधार के लिए 104, राशन कार्ड में संशोधन के लिए 202, राजस्व अभिलेखों में संशोधन/परिमार्जन के लिए 02, मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए 30, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के लिए 01, धोती/लुंगी व साड़ी योजना के लिए 620, आय प्रमाण-पत्र के लिए 204, बिजली संबंधी समस्याएं से संबंधित 15, किसान क्रेडिट कार्ड के लिए 681, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत 562, भूमि मापी/संपत्ति के लिए 04, भूमि म्युटेशन/संपत्ति के लिए 41, लगान रसीन के लिए 139, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से संबंधित 114, श्रमाधान पोर्टल नया पंजीकरण से संबंधित 226, जनजातीय कल्याण से संबंधित 08 और अन्य संबंधित 949 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

नाबालिक से दुष्कर्म मामले में चार दिन बाद आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU : नाबालिक लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई में आरोपित को चार दिनों के बाद गिरफ्तार किया गया। यह मामला पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र का है। इस सिलसिले में ओरिया गांव निवासी आरोपित विष्णु कुमार (22) को गिरफ्तार किया गया है। घटना एक दिसंबर की है। इस संबंध में लेस्लीगंज थाने में सोमवार को लिखित आवेदन दिया गया था। लड़की के पिता ने मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस की ओर से कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपी विष्णु कुमार।

बताया जाता है कि गत 1 दिसम्बर को लड़की के माता-पिता खेत में काम करने गए थे। इसी का फायदा उठाकर आरोपी लड़की के घर में जबरन घुस गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की द्वारा जब शोर मचाया गया तो उसने उसका मुंह दबाकर बंद कर दिया और कहा कि इस घटना के बारे में किसी को भी बताओगी तो तुम्हें और तुम्हारे पूरे परिवार को गोली मार देंगे। घटना के बाद लड़की डरी सहमी रही, लेकिन बाद में उसने मामले की जानकारी दी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 15 हजार से अधिक मामलों के निष्पादन का लक्ष्य : पीडीजे

PHOTON NEWS PALAMU : राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय परिसर में नौ दिसंबर को किया जाएगा। उदघाटन लाभुक द्वारा किया जाएगा। उक्त बातें पलामू के प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मामले के निस्तारण के लिए 13 पीठों का गठन किया गया है। इसमें सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि पिछली बार की तुलना में इस बार डिस्पोजल का दर ज्यादा होगा। पिछले राष्ट्रीय लोक अदालत में 14 हजार 231 मामले का निस्तारण किया गया था। यह आंकड़ा इस बार 15 हजार के पार होगा। इसमें चेक बाउंस से सम्बंधित वाद, सुलहनीय परवरीति के फौजदारी मामले, सभी प्रकार के दीवानी मामले, विद्युत अधिनियम, विवाहोत्तर प्रताड़ना, राजस्व न्यायालय में लंबित मामले, अंतिम प्रपत्र से सम्बंधित, श्रम, रेलवे न्यायालय में लंबित मामले, छोटे आपराधिक वाद, बैंक ऋण के मामले, बीएसएनएल, बिजली से सम्बंधित वाद, भूमि अधिग्रहण के मामले, एमएसीटी, पारिवारिक विवाद, सर्विस से सम्बंधित आदि के मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पक्षकारों को मामले का निस्तारण के लिए आगे आना चाहिए। बताया कि लोक अदालत में मामले निस्तारण से श्रम, शक्ति व पैसों की बचत होती है। साथ ही लोगों में वैमनष्यता सर्वदा के लिए समाप्त हो जाता है। लोक अदालत सुलभ न्याय पाने का सबसे बेहतर मंच है।

उन्होंने बताया कि लोक अदालत की तैयारी पूरी कर ली गई है। कोई भी वादकारी को मामले निस्तारण में कठिनाई नहीं हो इसके लिए अतिरिक्त व्यवहार न्यायालय कर्मी को भी लगाया गया है।

इचापीड़ी पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का हुआ वितरण

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को कांके प्रखंड के इचापीड़ी पंचायत में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अंचल अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी जय कुमार राम, जीप सदस्य हिना परवीन, पंचायत समिति सदस्य ऐनुल हक अंसारी, मुखिया लाखो उरांव, कांग्रेस नेता सुरेश बैठा, जमील अख्तर, उप मुखिया गुफरान अंसारी, पूर्व पसस सबीबुल रहमान, संजर खान, मुश्ताक आलम ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम में ग्रामीण को चेक देते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

मौके पर अंचल अधिकारी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार आपके दरवाजे पर आपकी योजना ले कर खुद आपके पास आई है। आप इसका लाभ ले। सभी विभाग के स्टॉल लगे है आप आवेदन दे, जो त्वरित निष्पादन करने लायक है उसे ऑन द सपोर्ट निष्पादन किया जाएगा। इस दौरान अथिति के हाथों लाभुकों के बीच योजना की परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया।

मौके पर अबुवा आवास, बृद्धा पेंशन, केसीसी, मुर्गी पालन, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, जमीन से संबंधित कार्य, राशन एवं आधार कार्ड में संशोधन, बिरसा सिंचाई कूप योजना, जाती प्रमाण पत्र, मनरेगा,मुख्यमंत्री रोजगार सृजन इत्यादि योजनाओं के स्टॉल पर ग्रामीणों का भीड़ देखा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से सीआई बासुकीनाथ टुडू, बीएओ नंदेश्वर दास, राजस्व कर्मचारी विजय उरांव, सफीउल्लाह अंसारी, इम्तियाज अंसारी, आसिफ अली का योगदान रहा।

कमाई में धनबाद रेल मंडल नंबर वन, लोडिंग में भी नहीं कोई जवाब

DHANBAD : लोडिंग के लिए देशभर में पहचाने जाने वाले धनबाद रेल मंडल ने न सिर्फ सबसे ज्यादा ढुलाई में, बल्कि सबसे ज्यादा कमाई करने में भी पूरे देश में लगातार पिछले आठ महीने से नंबर वन के पायदान पर बना है। धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने मंगलवार को बताया कि देश को बिजली के लिए कोयला उपलब्ध कराने में धनबाद का अहम योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि अप्रैल से नवंबर तक में हुई लोडिंग में धनबाद ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बिलासपुर, खुर्दा रोड और चक्रधरपुर को लगातार मात देते हुए नंबर वन के स्थान पर काबिज रहने में सफल रहा है। आठ महीने में धनबाद ने 122 मिलियन टन लोडिंग कर 16366 करोड़ रुपये की कमाई की है जो भारतीय रेल में सर्वाधिक है।

जन नेताओं ने लिया नेशनल पीपुल्स पार्टी की सदस्यता

विकल्प एवं युवा नेतृत्व के साथ काम करने का लिया संकल्प

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के जन नेता सरफराज नवाज मंसू राम लोहारा ने नेशनल पीपुल्स पार्टी के सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि जनहित को लेकर जन आधार बढ़ाएंगे साथ ही युवा नेतृत्व के साथ काम करने का संकल्प लियाँ रांची शहर में रांची नगर निगम के अधिकारियों से आम जनता परेशान है। टैक्स में अधिक वृद्धि से आम लोग का बजट गड़बड़ा गया है। सफाई नाम मात्र की होती है। सफाई कर्मियों का वेतन में किसी तरह का वृद्धि नहीं किया गया।

रांची नगर निगम के अधिकारी एवं ठेकेदार मिलकर जनता से अधिक पैसे की उगाही करते हैं। होल्डिंग के नाम पर मनमर्जी रेट तय करते हैं। शहर में बिना परमिट के ऑटो चल रहे हैं। घंटे भर जाम रहती है, स्कूली बस आधा घंटा तक जाम में फंसे रहते हैं। अभिभावक में परेशानी का सबक बना रहता है। कांटा टोली फ्लावर के निर्माण में भी काफी धीमी गति है। शहर में वायु प्रदूषण हर चौक चौराहा में काफी पड़ा हुआ है। अधिकारी भी निरीक्षण नहीं करते हैं। खादगढ़ा बस स्टैंड में लगातार जाम की स्थिति बना हुआ रहता है। सरकार द्वारा कांके में नए निर्माण बस स्टैंड का भी काम पूरा नहीं हो पाया है।

सदस्यता ग्रहण करने के बाद सरफराज, राम लोहरा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

लोकसभा में खाद कारखाना स्थापित करने का उठा मामला

PHOTON NEWS PALAMU : सांसद विष्णु दयाल राम ने मंगलवार को लोकसभा में शून्य काल के दौरान खाद कारखाना स्थापित करने करने का मामला लोकसभा में उठाया। सांसद ने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र में आने वाले पलामू एवं गढ़वा जिले आकांक्षी जिलों की सूची में आते हैं। यहां की 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। किसी भी कल कारखाना को स्थापित करने के लिए सभी सुविधाएं जमीन, श्रम, बिजली, पानी एवं खनिज पदार्थ उपलब्ध है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की यह इच्छा है कि जो भी आकांक्षी जिले हैं, उनको उन्नत जिलों की श्रेणी में लाकर खड़ा किया जाये।

उपरोक्त उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि वहां के निवासियों को रोजगार उपलब्ध कराया जाये, क्योंकि कृषि पर संपूर्ण रूप से निर्भरता के फलस्वरूप अतिवृष्टि-अनावृष्टि की स्थिति में लोग पलायन को मजबूर हो जाते हैं।

खूंटी : आपकी योजना आपकी सरकार में दिया गया सरकारी योजनाओं का लाभ

PHOTON NEWS KHUNTI : राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में जिला प्रशासन की ओर से खूंटी जिले के सभी प्रखंड और नगर पंचायत क्षेत्र में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में आयोजित कैम्प में बड़ी संख्या में ग्रामीण इलाकों के लोगों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टाल में आवेदन जमा किया और सरकार की योजनाओं की जानकारी ली।

कर्रा प्रखंड में आयोजित कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त नीतीश कुमार सिंह ने ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। गोविंदपुर पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में में आठ लाभुकों को बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। साथ ही 119 लाभुको को सोना सोबरन धोती साड़ी योजना का लाभ, 25 वृद्धजनों को कंबल वितरण, छात्र-छात्राओं को साइकल खरीदने के लिए खाते में राशि भेजी गई।

सड़क हादसे में युवक की मौत

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह के गांडेय थाना क्षेत्र के फूलजोरी के समीप डाकबंगला मेन रोड में मंगलवार की शाम बाईक सवार युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान गांडेय थाना क्षेत्र के कुसैया गांव निवासी 18 वर्षीय वसीम अकरम के रूप में की गयी है। घटना के बाद काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी। इस दौरान जानकारी मिलने के बाद गांडेय थाना पुलिस भी घटनास्थल पहुंच कर जांच में जुट गयी। हालांकि वक्त पर पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार वसीम अकरम घटना के वक्त अपने घर कुसैया गांव से बाईक से दवा खरीदने बाजार जा रहा था। इसी दौरान फूलजोरी के समीप डाकबंगला मेन रोड में युवक की बाईक एक दीवार से टकरा गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वसीम संतुलन खोकर दीवार से टकराया और मौके पर उसकी मौत हो गयी।

खूंटी और आसपास के इलाकों में सोमवार की देर रात से हो रही लगातार बारिश

आम जन जीवन अस्त-व्यस्त, फसलों को नुकसान

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी और आसपास के इलाकों में सोमवार की देर रात से हो रही लगातार बारिश के कारण आम जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हुई। मंगलवार को भी सुबह से पूरे इलाके में झमाझम बारिश से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों और रोज कमान-खाने वालों को हो रही है। बहुत जरूरी काम वाले लोग ही घरों से निकल रहे हैं। सड़कों पर इक्का-दुक्का वाहन ही नजर आ रहे हैं। अधिकतर अभिभावकों ने बच्चों को स्कूल नहीं भेजा। इसके कारण विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही।

धान-मडुवा की फसल को भारी नुकसान

दिसंबर महीने में हो रही बेमौसम बरसात से धान और मडुवा की फसल को भारी नुकसान हुआ है। धान और मडुवा की फसल अभी खेत-खलिहान में ही पड़ी हुई है। किसानों ने अपनी फसल को काटकर खलिहान में रख दिया है। बारिश के कारण धान और मडुवा फसल के खराब होने की आशंका किसान जता रह हैं। कृषि विभाग केंद्र तोरपा के कृषि मौसम विज्ञानी डॉ राजन चौधरी ने कहा कि दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इसका असर खूंटी के अलावा पूरे झारखंड में देखने का मिल रह है। डॉ चौधरी ने बताया कि पांच दिसंबर को खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, खरसावां सहित अन्य जिलों में भी हल्के और मध्यम दर्जे की बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि छह और सात दिसंबर को भी कई इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है।

आदिवासियों की अनदेखी कर कोई संगठन सशक्त नहीं हो सकता : कालीचरण मुंडा

PHOTON NEWS KHUNTI : आदिवासी कांग्रेस की खूंटी जिला कमेटी की परिचय बैठक मंगलवार को पूर्व विधायक और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष कालीचरण मुंडा के आवासीय कार्यालय में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने मौके। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कालीचरण मुंडा ने कहा कि खूंटी लोकसभा क्षेत्र में आदिवासियों की अनदेखी कर कोई भी संगठन सशक्त नहीं हो सकता।

जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि आदिवासी कांग्रेस को अधिक से अधिक मजबूत बनाना आदिवासी कोग्रेस का सबसे बड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव के लिए अभी से कमर कस लें। उन्होंने पूर्व विधायक ने कहा कि कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करें। बैठक में कांग्रेस पार्टी के नीति एवं सिद्धांतों से प्रभावित होकर कई संगठनों के लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जिनका स्वागत पूर्व विधायक और जिलाध्यक्ष ने अंग वस्त्र देकर किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

42 बोतल कफ सिरप के साथ एक गिरफ्तार

RANCHI : कोतवाली थाना की पुलिस ने 42 बोतल कफ सिरप के साथ आरोपी विक्की को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि उन्हें सूचना मिली थी कि नूर नगर में कुछ युवक एकजुट हुए हैं और उनके पास हथियार और नशीला पदार्थ है। पुलिस की टीम मौक पर पहुंची और छापेमारी हुई तो एक आरोपी विक्की पकड़ा गया और अन्य युवक फरार हो गए। विक्की के पास से 42 बोतल कफ सिरप बरामद हुआ। आरोपी ने बताया कि वह प्रत्येक बोलत ढाई सौ रुपये में लोगों को बेचता था। आरोपी ने अपने एक साथी का नाम कनटिप्पा बताया है। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

संजय सेठ ने संसद में स्वर्णरेखा को बचाने की लगाई गुहार

RANCHI : रांची के सांसद संजय सेठ ने संसद में झारखंड की प्रमुख नदी स्वर्णरेखा को बचाने की गुहार लगाई है। लोकसभा में शुन्यकाल के दौरान संजय सेठ ने कहा कि मेरे लोकसभा क्षेत्र के नगड़ी नाम के स्थान से नदी स्वर्णरेखा निकलती है। यह रांची शहर से जमशेदपुर होते हुए सीधे बंगाल की खाड़ी में गिरती है। 474 किमी लंबी इस नदी को झारखंड की लाइफलाइन भी कहा जाता है। झारखंड की प्राचीन संस्कृति में इस नदी का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, लेकिन अब इस नदी के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। सांसद ने कहा कि गैर योजना से तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने इसकी सहायक नदी हरमू को एक नाले में बदल कर रख दिया। नदियों के किनारे अतिक्रमण और शहरों के सीवरेज सिस्टम का गंदा पानी अब स्वर्णरेखा में गिर रहा है। जिससे यह नदी तेजी से प्रदूषित हो रही है। सांसद ने कहा कि अगर समय रहते इस नदी को प्रदूषण से नहीं बचाया गया, तो जल्द ही यह नाला बन कर रह जाएगी। इसलिए केंद्र सरकार इस सांस्कृतिक धरोहर को बचाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करे।

सरकार आपके द्वार में 67 आवेदनों का ऑन स्पाट हुआ निबटारा

RANCHI : आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को रांची नगर निगम ने वार्ड नंबर 17 व 18 में शिविर का अयोजन किया गया। शिविर मे निगम के प्रदत्त सेवाओं के लिए आवेदन लिया गया तथा शिकायतों का ऑन स्पाट निबटारा किया गया। निगम स्तर से दोनो शिविर में कुल मिलाकर 67 आवेदनों का निबटारा आन स्पाट किया गया। इसके अलावा दोनो वार्ड में जरूरतमंदों के बीच कुल 206 कंबल का वितरण भी किया गया। बता दे कि बुधवार को वार्ड नंबर 19 (सामुदायिक भवन, वर्धमान कंपाउंड) तथा वार्ड नंबर 20 (निगम धर्मशाला वार्ड कार्यालय) में शिविर का अयोजन किया जाएगा।

झाप्रसे के दो अधिकारियों को मिली निंदन की सजा

RANCHI : राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रसे) के दो पदाधिकारियों को अलग-अलग मामले में निंदन की सजा दी है। तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, बरवाडीह, लातेहार राकेश सहाय को चेतावनी देते हुए को निंदन की सजा दी है। उनके खिलाफ मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही, अनियमितता सहित कई आरोप लगे थे। उपायुक्त ने फरवरी में उनके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की थी। रिजेक्टेड ट्रांजेक्शन, डीले पेमेंट सहित अन्य आरोप लगे थे।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

रिम्स से फरार स्नैचर देवा पत्नी के साथ धराया

नाम बदलकर किराया में लिया था घर, अस्पताल से भगाने वाले आरोपी दोस्त की तलाश में जुटी पुलिस

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस ने पुंदाग इलाके में स्थित एक घर में छापेमारी कर रिम्स से फरार हुआ चेन स्नैचर शाकिब उर्फ देवा और उसकी पत्नी जोया को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों से अरगोड़ा थाना में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में पुलिस को आरोपी शाकिब के एक दोस्त की तलाश है। दोस्त ने शाकिब की पत्नी के साथ मिलकर शाकिब को भगाया था। रिम्स से फरार होने के बाद आरोपी अपनी पत्नी को लेकर पुंदाग इलाके में पहुंचा और नाम बदल कर किराया का मकान लिया। आरोपी ने मकान मालिक को बताया कि वह अपना इलाज कराने के लिए रांची आया है। सड़क दुर्घटना में वह जख्मी हो गया है। लेकिन पुलिस की लगातार छापेमारी की वजह से आरोपी जल्द ही शहर छोड़कर जाने वाला था लेकिन इससे पहले पुलिस को सूचना मिल गई। पुलिस का कहना है कि इस मामले में शाकिब और उसकी पत्नी को जेल भेजा जाएगा। जोया पर बंदी को भगाने का आरोप लगाया गया है।

पुंदाग इलाके स्थित घर में छापेमारी करने पहुंची पुलिस व इनसेट में शाकिब उर्फ देवा की फाइल फोटो।

कमरे में कंबल ढककर आराम से सोया था शाकिब आरोपी को देखते ही थानेदार ने बंद कर दिया दरवाजा

पुंदाग थानेदार विवेक कुमार को सूचना मिली कि शाकिब एक घर में रह रहा है। थानेदार मौके पर पहंचे और उस घर के अंदर गए तो देखा कि शाकिब कंबल ढक कर सोया हुआ है। थानेदार ने कंबल हटाया तो देखा कि शाकिब के उसके शरीर पर एक भी कपड़ा नहीं था। थानेदार तुरंत कमरे से बाहर निकल गया और दरवाजा को बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद खिड़की से थानेदार ने शाकिब से पूछताछ की और अरगोड़ा थानेदार को पकड़े जाने की सूचना दी। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पत्नी शाकिब को रिम्स से निकालने के बाद घर ले जाना चाहती थी। आरोपी का घर बड़ा तालाब के समीप है। लेकिन शाकिब ने पत्नी से कहा घर पहुंचे तो पुलिस तुरंत गिरफ्तार कर लेगी। इस वजह से दोनों पुंदाग चले गए। आरोपी के पैर पर कच्चा प्लास्टर लगा हुआ है। रिम्स में पक्का प्लास्टर होने वाला था लेकिन इससे पहले आरोपी भाग निकला। आरोपी कच्चा प्लास्टर काटकर शहर से निकलने वाला था लेकिन वह पुलिस की गिरफ्तार में आ गया।

डोरंडा के दो घरों से लाखों रुपये का जेवरात उड़ाने वाले तीन आरोपी यूपी से गिरफ्तार

रिमांड में लेगी रांची पुलिस, 43 लाख रुपये के जेवरात बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : डोरंडा इलाके में दो घरों से बड़ी चोरी की घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपी नदीम, जावेद और ताहिर की गिरफ्तारी यूपी के मुरादाबाद से हुई है। डोरंडा थाना की पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के पास से 43 लाख रुपये का जेवरात बरामद हुआ है। डोरंडा पुलिस जल्द ही तीनों आरोपी को रिमांड पर लेकर रांची आएगी। पिछले सप्ताह डोरंडा इलाके दो घरों का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये का जेवरात और अन्य सामान चोरों ने उड़ा लिया था। पुलिस ने सीसीटीवी का फुटेज खंगाला तो तीनों आरोपियों का फोटो पुलिस को मिल गया। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि बड़ी चोरी की घटना में शामिल तीन आरोपी गाजियाबाद में पकड़े गए हैं। रांची पुलिस ने गाजियाबाद पुलिस से संपर्क किया तो पता चला कि वहीं आरोपित हैं जिन्होंने डोरंडा इलाक में घटना को अंजाम दिया था। डोरंडा पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रांची लौट रही है। पुलिस ने तीनों को रिमांड पर लेने का प्रयास किया लेकिन अभी रिमांड नहीं मिल पाया। पुलिस की टीम फिर से मुरादाबाद जाएगी और आरोपियों को रिमांड पर लेकर रांची लाएगी। इसके बाद इस मामले में पुलिस को और जानकारी मिलेगी।

आरोपी नदीम, जावेद और ताहिर

संतोष उरांव को झारखंड हाइकोर्ट से मिली जमानत

SPECIAL REPORTER RANCHI : वर्ष 2016 में नोटबंदी के दौरान नक्सलियों का 15 लाख रुपये सहारा इंडिया सहित अन्य नन बैंकिंग कंपनियों में जमा करने में सहयोग करने के आरोपी संतोष उरांव को झारखंड हाइकोर्ट से मंगलवार को जमानत मिल गयी। मामले में हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति एस चंद्रशेखर की अध्यक्षतावाली खंडपीठ ने जेल में संतोष उरांव के 5 साल रहने की अवधि को देखते हुए उसे जमानत प्रदान कर दी। मामले को लेकर संतोष उरांव सहित पांच लोगों के खिलाफ बालूमाथ थाना में कांड संख्या 161/ 2016 दर्ज किया गया था। बाद में वर्ष 2018 में इस मामले को एनआइए ने अपने हाथों में लेते हुए कांड संख्या 1/ 2018 दर्ज किया था। इस मामले की सुनवाई रांची में एनआइए की विशेष अदालत में चल रही है। बताया जाता है कि संतोष उरांव सहारा इंडिया में एजेंट का काम करता था। आरोप है कि उसने नक्सलियों के टेरर फंडिंग के पैसे को सहारा इंडिया, बालूमाथ एवं मेसर्स पेट्रोन मिनिरल्स एंड मेटल लिमिटेड आदि नन बैंकिंग कंपनियों में निवेश किया। पुलिस ने 21 मार्च 2018 को उसे गिरफ्तार किया था, तब से वह जेल में था। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता एके रसीदी, औलिया बेगम और मोहम्मद आजम ने पक्ष रखा।

- नक्सलियों का टेरर फंडिंग का पैसा सहारा इंडिया सहित अन्य नन बैंकिंग कंपनियों में जमा करने का था आरोप

हाईकोर्ट की टिप्पणी, साइबर क्राइम मामले में दर्ज हो एफआईआर पीड़ित लोगों को तात्कालिक राहत के लिए राज्य सरकार बनाए फंड

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों के पैसे की वापसी मामले में कोर्ट के स्वत संज्ञान पर मंगलवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मौखिक कहा कि झारखंड में साइबर फ्रॉड के मामले में शिकायत दर्ज होने तुरंत बाद एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। वहीं सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने बताया कि साइबर क्राइम के 5000 से ज्यादा छोटे झ बड़े मामले आते हैं। ऐसे में एफआईआर दर्ज करना संभव नहीं होगा। इस पर खंडपीठ ने कहा कि साइबर क्राइम के प्रभावितों को उनके पैसे वापस दिलाने के लिए एफआईआर होना जरूरी है। खंडपीठ ने यह भी कहा की ऐसा भी एक प्रावधान होना चाहिए जिससे पैसा बैंक से क्रेडिट होने के बाद लोगों को मोबाइल पर मैसेज आए कि उनके पैसे किसके खाते में गए हैं, इससे साइबर क्राइम के आरोपियों के अकाउंट को तुरंत सीज करने में सहायता मिलेगी। इससे पहले महाधिवक्ता ने कोर्ट के समक्ष साइबर क्राइम रोकने के लिए सरकार द्वारा किए गए किया जा रहे हैं प्रयास को चार्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया। कोर्ट ने सरकार को सुझाव दिया कि साइबर ठगी के शिकार लोगों को तात्कालिक राहत के लिए उनके पैसे वापसी के लिए कॉरपस फंड बनाया जाना चाहिए। साइबर फ्रॉड के बाद इस क्राइम को करने वालों के बैंक अकाउंट सीज करने के लिए एक मेकैनिज्म तैयार किया जाना चाहिए। साइबर फ्रॉड करने वालों के बैंक अकाउंट सीज करने के लिए मैन्युअल व्यवस्था के तहत बैंकों में कुछ कर्मचारियों को लगाया जाना चाहिए। खंडपीठ ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि गुजरात में साइबर क्राइम के शिकार लोगों के पैसे वापस करने को लेकर एक मॉडल तैयार किया है, उससे बेहतर मॉडल झारखंड में तैयार होना चाहिए। कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 18 दिसंबर निर्धारित की है।

पीएलएफआई के जोनल कमांडर जेठा को जमानत देने से हाईकोर्ट का इन्कार

RANCHI : पीएलएफआई के जोनल कमांडर जेठा कच्छप को जमानत देने से झारखंड हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। जेठा कच्छप ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में गुहार लगाई थी। उसकी याचिका पर चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई हुई। बचाव पक्ष और सरकार का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने उसे जमानत देने से इनकार करते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ता भोला नाथ ओझा ने दलील दी कि जेठा कच्छप के खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, और यह प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई का प्रमुख सदस्य है। इसलिए इसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए। उनकी दलील सुनने के बाद अदालत ने जेठा कच्छप की याचिका खारिज कर दी। जेठा ने जिस मामले में जमानत याचिका दाखिल की थी वह खूंटी के कर्रा थाना से जुड़ा हुआ है, जिसमें जेठा को हत्या का अभियुक्त बनाया गया है।

अमन सिंह हत्याकांड के बाद झारखंड के जेलों में सुरक्षा कड़ी, चाबी तक ले जाने की मनाही

CRIME REPORTER RANCHI : धनबाद जेल में अपराधी अमन सिंह की हत्या के बाद राज्य के सभी जेलों की सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। जेलकर्मी अपनी बाइक की चाबी तक लेकर अंदर नहीं जा सकता हैं। इसके अलावा जेल प्रशासन ने यह निर्देश जारी किया है कि जेल का सीसीटीवी कैमरा किसी भी हाल में बंद नहीं होना चाहिए। जेल प्रशासन की तरफ से सभी जिलों की पुलिस को यह भी लिखा गया है कि वह किसी भी समय किसी भी जेल में औचक निरीक्षण जरूर करें। झारखंड के चार जेल बेहद सेंसेटिव माने जाते हैं। रांची, पलामू, हजारीबाग और जमशेदपुर जेल में कई बड़े गैंगस्टर और बड़े नक्सली नेता बंद हैं। जमशेदपुर में पूर्व में जेलर तक की हत्या की जा चुकी है। ऐसे में इन चार जेलों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

तैनात कर्मी कोई भी सामान अंदर नहीं ले जा सकते

केंद्रीय कारा और उप कारा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जेल में तैनात कर्मियों को भी किसी तरह का सामान अंदर ले जाने पर रोक लगा दी गई है। जेल कर्मियों को भी अपने लंच के अलावा कोई भी सामान अंदर लेकर जाने पर ब्रेक लगा दिया गया है। जेल कर्मियों को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपनी बाइक और दूसरे वाहनों की चाबी तक गेट पर जमा करें। मोबाइल अगर किसी भी कर्मी का अंदर पाया गया तो उस पर कार्रवाई होगी। आदेश के बाद जेल गेट में प्रवेश करते ही सभी कर्मियों की तलाशी ली जा रही है। घर की चाबी से लेकर किसी तरह का सामान तलाशी के दौरान मिलता है तो उसे प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। सामान को गाड़ी या फिर अन्य जगह पर रखवाने के बाद ही कर्मियों को जेल के भीतर जाने की इजाजत दी जा रही है।

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर 13 जनवरी से रांची में

RANCHI : झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के बाद रांची में अब दूसरी अंतर्राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 की तैयारी जोरों पर है। इस प्रतियोगिता में भारत सहित कुल आठ देशों इटली, चीली, जापान, चेक रिपब्लिक, जर्मनी और यूनाइटेड स्टेट्स अमेरिका की टीम भाग लेंगी। यह प्रतियोगिता 13 से 19 जनवरी 2024 तक मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में आयोजित होगी। इसका पोस्टर वैगरह भी बनकर तैयार है। इस प्रतियोगिता से कुल तीन देशों की टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता की स्पांसर झारखंड सरकार है। झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की सफल मेजबानी के बाद रांची में दूसरा अन्तरराष्ट्रीय हॉकी मुकाबला होने जा रहा है।

गठबंधन सरकार में अपराधी बेखौफ, जेल में बंद कैदी भी सुरक्षित नहीं : प्रदीप सिन्हा

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा ने राज्य की जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया है। झामुमो की अगवाई वाली गठबंधन सरकार पर सवाल करते हुए कहा कि पूरे राज्य में असुरक्षा का माहौल है। सरकार का ढीला रवैया अपराधियों पर लगाम लगाने में असफल रहा है। रांची और धनबाद जेल की घटना यह बताने के लिए काफी है कि जेल के अधिकारियों की मिलीभगत से रसूखदार बंदियों को गैरवाजिब सुविधा भी मुहैया करायी जाती है। घातक हथियार भी जेल परिसर के भीतर पहुंचा दिये जाते हैं। जेल के भीतर बंद रहते हुए भी अपराधी बेखौफ होकर मोबाइल फोन का उपयोग कर व्यापारियों एवं आम जनों को धमका कर पैसे वसूलते हैं। इस बात की पुख्ता जानकारी होने के बाद भी राज्य के जिलों में जैमर लगाने में सरकार की उदासीनता का खामियाजा आम जनों एवं व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है। रोज-रोज की धमकी पैसा उगाही से परेशान होकर धनबाद के लोगों ने सड़क पर उतार कर प्रशासन एवं सरकार के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया परंतु सरकार अपराधियों के सामने लाचार एवं बेबस दिखाई दे रही है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पूरा राज्य अपराध पर अंकुश लगाने में सरकार की नाकामी का भुक्तभोगी है। उग्रवादी आये दिन ठेकेदारों को लेवी देने के लिए मजबूर कर रहे हैं। ऐसे माहौल से राज्य के विकास की गति को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा।

छात्रों से वार्ता के बाद जागा आरयू प्रशासन, कहा - पीएचडी नोटिफिकेशन की त्रुटियों में होगा सुधार

आजसू छात्र संघ ने आरयू के प्रशासनिक भवन में जड़ा ताला

PHOTON NEWS RANCHI : रांची युनिवर्सिटी में पिछले कुछ दिनों से छात्र और प्रशासन के बीच उठापटक का दौर लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को अखिल झारखंड छात्र संघ के सदस्यों ने आरयू के प्रशासनिक भवन में तालाबंदी कर दी। डेढ़ घंटे तक युनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन में तालाबंदी के कारण सारा कामकाज ठप रहा। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आरयू प्रशासन के विरोध में जमकर नारेबाजी भी की। आरयू के छात्र आजसू अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने कहा कि वार्ता के लिए हमें बुलाया गया था। कुलपति डा. अजीत कुमार सिन्हा से कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन वह नहीं पहुंचे। मौसम खराब होने के कारण छात्र छात्राएं वर्षा में भीग रहे थे। कुछ देर बाद गुस्साए छात्र आजसू के सदस्यों ने प्रशासनिक भवन में तालाबंदी कर नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों के प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही कुलपति मौके पर पहुंचे और छात्र आजसू के सदस्यों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि युनिवर्सिटी के कुछ जरूरी कार्य के कारण उन्हें आने में देरी हुई। इसके बाद उन्होंने छात्र आजसू के सदस्यों को वार्ता के लिए आरयू के कांफ्रेंस हाल में बुलाया। वार्ता के दौरान युनिवर्सिटी प्रशासन के द्वारा जारी पीएचडी प्रवेश परीक्षा के नोटिफिकेशन में जितनी भी त्रुटियां हैं उन पर चर्चा की गई। चर्चा के बाद युनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, डीएसडब्ल्यू ने छात्र आजसू के सभी सदस्य को कहा कि जारी नोटिफिकेशन में जितनी भी त्रुटियां हैं उन्हें सुधार कर नया नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। जिसके बाद छात्र आजसू के सदस्यों ने अपनी प्रसन्नता प्रकट की। इस तालाबंदी में छात्र आजसू के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज वर्मा, प्रदेश सचिव ओम वर्मा, बिपिन यादव, अमित तिर्की, विपिन कुमार यादव, आदर्श कुमार, दीपक कुमार, विशाल कुमार, मदन महतो, राज गुप्ता, मदन साहू, अरविंद कुमार के अलावे कई अन्य सदस्य भी शामिल रहे।

आरयू प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते छात्र।

प्रोन्नति की मांग को लेकर बीएयू के शिक्षकों ने शुरू की हड़ताल

14 दिसंबर तक हड़ताल स्थगित करने का निर्णय

PHOTON NEWS RANCHI : बिरसा एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी रांची के शिक्षकों ने करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत लंबित अपनी प्रोन्नति की मांग को ले मंगलवार से अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। संघ की अध्यक्ष डॉ. मणिगोपा चक्रवर्ती और सचिव डॉ. नैयर अली के नेतृत्व में जुटे बीएयू के तीनों संकायों के सहायक प्राध्यापकों ने निदेशक प्रशासन डॉ. सुशील प्रसाद से मुलाकात का प्रयास किया लेकिन उनसे भेंट नहीं हो सकी। संघ के अध्यक्ष और सचिव ने आरोप लगाया कि बीएयू के पदाधिकारी उनकी मांगों के प्रति गंभीर नहीं हैं। जबकि स्वयं कृषि सचिव सह प्रभारी वीसी अबू बकर सिद्दिकी ने इसको लेकर शनिवार को संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर इसका समाधान निकालने को लेकर मंथन और विचार विमर्श किया था। उन्होंने भरोसा दिया था कि वे इसके लिए कुलाधिपति के प्रधान सचिव से भी बातचीत कर मार्गदर्शन लेंगे। संघ ने कहा कि बीएयू को ही प्रोन्नति का करने का अधिकार है। केवल नियुक्तियों का अधिकार ही जेपीएससी को दिया गया है। लेकिन प्रशासन के पदाधिकारी इसको लेकर सभी को भ्रमित कर रहे हैं। बता दें कि संघ ने 14 दिसंबर तक के लिए अपनी हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया है। हालांकि मांगें पूरी नहीं होने के बाद दोबारा हड़ताल करने की घोषणा की गई है।

BRIEF NEWS

कबड्डी को बढ़ावा देने के लिए कबड्डी कोर्ट का निर्माण जारी

ROURKELA : ओडिशा सरकार सरकारी कॉलेजों में खेल के बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दे रही है। इस पहल के तहत, कबड्डी के खेल को बढ़ावा देने के लिए म्यूनिसिपल कॉलेज के परिसर में एक कबड्डी कोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। इससे जमीनी स्तर की कई कबड्डी प्रतिभाओं को निखारा जाएगा।

सुंदरगढ़ बनाई में चल रहा मुर्गा लड़ाई व हब्बा-डब्बा।

ROURKELA : राउरकेला के बनई अनुमंडल के सात कूटा गांव के साप्ताहिक बाजार में मुर्गा लड़ाई की आड़ में हब्बा डब्बा जुआ का अड्डा का बेखौफ चलाया जा रहा है। यहां नियमित रूप से मुर्गा लड़ाई व हब्बा-डब्बा जुआ में लोगो भीड़ जुट रहा है, जिसमें हर बार जुआ अड्डे पर लोग लाखों रुपये लगा के गवां रहे हैं। यहां भोले-भाले ग्रामीणों की मेहनत की कमाई को हब्बा डब्बा जुआ में लूट रहे हैं। शिकायत के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं होने पर भी कुछ करवाई नहीं होने से प्रशासन पर सवाल उठने लगे थे।

माता-पिता की हत्या के दोषी पुत्र को आजीवन कारावास

CHAIBASA : न्यायालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने मंगलवार को अभियुक्त मदिराय अहिर उर्फ सुक्का नाग को आजीवन कारावास तथा दस हजार रुपये जुमार्ना की सजा दी है। बताया जाता है कि टेबो थाना में 20 अक्टूबर 2021 को धारा-302 भादवि के अन्तर्गत अभियुक्त मदिराय अहिर उर्फ सुक्का नाग गांव हलमद टोला उलिलोर, थाना-टेबो, जिला चाईबासा के विरुद्ध अपने माता-पिता के हत्या करने के आरोप में दर्ज किया गया था। 19 अक्टूबर 2021 अभियुक्त मदिराय अहिर उर्फ सुक्का नाग अपने पिता बादु नाग एवं माता चरिया नाग से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ।

मिचौंग का असर छाए रहे बादल, बारिश के आसार

JAMSHEDPUR : बंगाल की खाड़ी में उठे मिचौंग चक्रवात के चलते शहर में मंगलवार सुबह से ही बादल छाए रहे। हल्की बूंदाबांदी होने के कारण कनकनी का अहसास किया गया। दिनभर बारिश की भी संभावना है। 7 दिसंबर तक बारिश हो सकती है। 6 और 7 दिसंबर को वज्रपात को लेकर भी मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक डॉ अभिषेक आनंद ने बताया कि आज दोपहर मिचौंग चक्रवात आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के तट से टकराएगा। इस चक्रवात का असर पूरे राज्य में दिखेगा। पूरे कोल्हान में बादल छाए रहेंगे। हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी। कहीं भी भारी बारिश की संभावना नहीं है। न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी होगी। दिन के तापमान में गिरावट आएगी। मौसम विभाग के अनुसार 8 दिसंबर के बाद पूरे झारखंड का मौसम साफ हो जाएगा। इसके बाद नौ दिसंबर सुबह से ही न्यूनतम तापमान का पारा नीचे गिरेगा और ठंड बढ़ेगी। न्यूनतम तापमान 3 से 4 डिग्री सेल्सियस गिरेगा।

टोंटो के जोड़ापोखर पंचायत में योजना आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना ही सरकार का मुख्य उद्देश्य : दीपक बिरुवा

- विधायक दीपक बिरुवा ने विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया वितरण
- ग्रामीणों से अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ उठाने की अपील

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा में टोंटो के सेरेंगसिया व झींकपानी प्रखंड के जोड़ापोखर पंचायत में मंगलवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दीपक बिरुवा उपस्थित हुए। जिनके हाथों से विधिवत दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक दीपक बिरुवा एवं अन्य अतिथियों के हाथों विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। वही विधायक जी ने कार्यक्रम में लगे विभिन्न स्टॉलों का भी निरीक्षण किया।

कार्यक्रम में छात्रा को चेक प्रदान करते विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मौके पर टोंटो प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित भगत एवं झींकपानी प्रखंड विकास पदाधिकारी सीमा आइंद ने ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। वहीं विधायक दीपक बिरुवा ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना ही सरकार के द्वारा लगवाए जा रहे शिविर का मुख्य उद्देश्य है. यही कारण कि हेमंत सोरेन की सरकार पंचायत स्तर पर गांव में ही सरकारी अधिकारी पहुंच कर आपकी समस्या सुन रहे हैं और ऑन स्पॉट आपकी समस्याओं का निराकरण करने का कार्य कर रहे हैं. ग्रामीण शिविर में पहुंचकर विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठायें. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मिले जिससे उसका और क्षेत्र का हो समग्र विकास हो सके. विधायक जी ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को संवेदनशील होकर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इसकी प्रचार प्रसार को तेज करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित कराएं और योग्य लोगों को लाभ दिलाए। अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट योजना, सावित्री बाई फुले बालिका समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, मनरेगा, ई श्रम विभाग समेत कई विभागों से जुड़े स्टॉल लगाए गए हैं। यहां आकर जानकारी प्राप्त करें और इसका लाभ उठाएं। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, टोंटो जिला परिषद सदस्य राज नारायण तुबिद, प्रखंड 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य मुन्ना सुंडी, प्रखंड प्रमुख अनीता बारी एवं झींकपानी के जोड़ापोखर में प्रखंड 20 सूत्री सदस्य सोगा बुड़ीउली, प्रमुख प्रदीप तामसोय, मुखिया गुरु चरण मुंडा समेत अन्य मौजूद थे।

केंद्र सरकार ने की ई-कॉमर्स के लिये डार्क पैटर्न अधिसूचना

ROURKELA : केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर डार्क पैटर्न के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना का कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने स्वागत किया है और कहा है कि इससे ई कॉमर्स कंपनियों द्वारा ग्राहकों को बरगलाने की प्रवृति पर रोक लगेगी। ई कॉमर्स कंपनियों के मनमाने रवैये के खिलाफ कैट द्वारा गत चार वर्षों से लगातार किए जा रहे संघर्ष में इसको सरकार का एक बड़ा कदम माना जा रहा है। कैट इस संबंध में केंद्रीय सरकार के वाणिज्य मंत्रालय एवं उपभोक्ता मंत्रालय से लगातार इस बात का आग्रह कर रहा था कि ई कॉमर्स कंपनियाँ अपने भ्रामक बिजनेस मॉडल के जरिए न केवल व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहा था बल्कि ग्राहकों के हितों को भी बड़ी हानि पहुँचा रहा था जिस पर रोक के लिए जरूरी कदम उठाए जाने बेहद आवश्यक हैं। कैट के राष्ट्रीय एक्जयुटीव चैयरमैन ब्रिज मोहन अग्रवाल एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को इस कदम के लिए धन्यवाद करते हुए आग्रह किया कि अब ई कॉमर्स पालिसी एवं नियमों को भी तुरंत लागू किया जाये जिससे भारत में ई कॉमर्स का व्यापार एक बेहद व्यवस्थित तरीके से चल सके और ई कॉमर्स पोर्टल की ज़िम्मेदारी तय हो ।

श्रम मंत्री ने 1.64 करोड़ के विभिन्न योजनाओं का किया शिलान्यास

कार्यों को त्रुटिहीन एवं स्थानीय निवासियों के सहयोग से पूरा करने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला मेट्रोपॉलिटन कारपोरेशन ने नई सड़कों, नहरों, सामुदायिक केंद्रों, सड़कों के सौंदर्यीकरण, नालियों के कवर स्लाब के लिए मुख्यमंत्री कार्य योजना (मुक्ता) योजना के तहत कोयलनगर, शक्ति नगर एवं जगदा क्षेत्र में कुल 1.64 करोड़ के विभिन्न सार्वजनिक कार्यों का शिलान्यास श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक द्वारा किया गया। मंत्री ने उपस्थित नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्यों को त्रुटिहीन एवं स्थानीय निवासियों के सहयोग से पूरा करने को कहा। नगर निगम के कनिष्ठ अभियंता सुकांत बेहरा और प्रजन परिमत सा भी उपस्थित थे, जबकि शहर अध्यक्ष गगन पांडा, प्रोफेसर समर मुदुली, वरिष्ठ वकील कैलाश प्रधान और रमेश मोहंती, सुरेंद्र राउत, अनुप सामल, जयश्री पाणिग्रही, अग्नि दास, सोमेश सिंह, केएम महापात्र, लिटू पुहान, शिशिर मुदुली, गोपाल दास, रंजीत प्रधान, सुबाष पांडा, विवेक जेना, सरोजिनी नायक, माया पान सहित कई स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री शारदा प्रसाद व अन्य। ● फोटोन न्यूज

युवक ने ब्लेड से काटी हाथ की नस, एमजीएम में भर्ती

JAMSHEDPUR : कपाली ओपी के डेमडूबी अंसारनगर निवासी अनवर हुसैन ने मंगलवार सुबह नशे की लत के कारण ब्लेड से अपने हाथ की नस काट ली। परिजनों ने उसे तत्काल एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका उपचार चल रहा है। अनवर के भाई मो गुलाम ने बताया कि उसका भाई नशे का आदि है। नशे के लिए पैसे नहीं मिलने पर वह बार-बार हाथ की नस काट लेता है। कुछ दिनों पूर्व भी उसने आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसके बाद उसे अस्पताल लाया गया था। हालांकि उस समय उसे ज्यादा चोट नहीं आई थी। डॉक्टरों ने उसे नशा मुक्ति केंद्र ले जाने की सलाह दी थी। दो महीने तक उसका नशा मुक्ति केंद्र में इलाज भी चला। वापस आने के बाद नशे के लिए पैसे नहीं मिलने पर हाथ की नस काट ली।

सुंदरगढ़ में संयुक्त जन शिकायत सुनवाई का आयोजन, 73 शिकायतों का त्वरित निराकरण

PHOTON NEWS SUNDARGARH : जिला प्रशासन द्वारा सुंदरगढ़ सदर महकुमा में एक संयुक्त सार्वजनिक शिकायत सुनवाई आयोजित हुई। इसमें जिलाधिकारी डॉ. पराग गभली ने भाग लिया और जनता की शिकायतें सुनीं।

कुल 140 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें 116 व्यक्तिगत शिकायतें दर्ज की गईं जबकि 24 समूह या सामूहिक शिकायतें थीं। इन शिकायतों में से 73 शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री सहायता कोष से 34 तथा रेडक्रास से आर्थिक सहायता हेतु एक आवेदन शामिल है। प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से सड़क मरम्मत, जल निकासी की समस्या, राशन कार्ड, आवास, भत्ता, बिजली की समस्या, भूमि बंधक की समस्या आदि से संबंधित हैं। जिलाधिकारी डॉ.गभली ने इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। आज की शिकायत सुनवाई में जिला परिषद के मुख्य विकास अधिकारी मनोज महाजन, सुंदरगढ़ वन अधिकारी प्रदीप मिरासे, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रवि नारायण साहू, सदर उपजिला कलेक्टर दशरथी सराबू और सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित जिलाधिकारी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

आश्वासन के बाद बागबेड़ा महानगर विकास समिति का आंदोलन स्थगित

फिल्टर प्लांट पहुंचे समिति के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता सुमित कुमार से आश्वासन मिलने के बाद बागबेड़ा महानगर विकास समिति ने अपना आंदोलन कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। मंगलवार को समिति के सदस्यों ने बिष्टुपुर स्थित फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान मैकेनिकल एसडीओ जितेंद्र कुमार भी मौजूद थे। हालांकि ठेकेदार द्वारा मंगलवार को मजदूर नहीं दिए जाने के कारण मोटर बदलने का कार्य नहीं हो सका। इससे पूर्व कार्यपालक अभियंता सुमित कुमार से मिलकर बागबेड़ा महानगर विकास समिति ने एक मांगपत्र सौंपा और बंद पड़े नए फिल्टर प्लांट के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराने की मांग की। कार्यपालक अभियंता ने आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द ही फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा और समय सीमा पर उक्त कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। फिलहाल पुराने फिल्टर प्लांट में नए मोटर लगाने की प्रक्रिया चल रही है। इसलिए विभाग की पहली प्राथमिकता है कि मोटर लगाकर शुद्ध पेयजल लोगों को उपलब्ध कराया जाए। मोटर के लिए बेसमेंट बनाने में एक सप्ताह का समय लगेगा फिर मोटर से पानी की आपूर्ति बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के 1140 घरों में शुरू हो जाएगी।

चाईबासा के बंदगांव में हथियार के साथ पीएलएफआई उग्रवादी गिरफ्तार

एक देशी पिस्तौल, एक दो नाली बंदूक, सहित अन्य सामान बरामद

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा के बदंगांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पीएलएफआई उग्रवादी एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से एक देशी पिस्तौल, एक दो नाली बंदूक, दो जिंदा गोली, दो मोटरसाइकिल और पीएलएफआई नक्सली चंदा रशीद बरामद किया हैं। इस संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बंदगांव थाना प्रभारी को राहुल कुमार मुर्मू सोमवार को गुप्त सूचना मिली कि बंदगांव थाना क्षेत्र के ग्राम ईटीश्रीजन में पीएलएफआई के एरिया कमांडर राडूंग बोदरा उर्फ लम्बु अपने दस्ता सदस्यों के साथ भ्रमणशील है और किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में है।

जानकारी देती पुलिस व गिरफ्तार अपराधी। ● फोटोन न्यूज

इस सूचना पर गांव ईटीश्रीजन में छापेमारी कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जबकि उसके अन्य साथी मौके से भागने में कामयाब रहे। बाद में उससे हुई पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर बंदगांव थाना क्षेत्र के जिकिलता स्थित लोआबेड़ा जंगल से झाड़ियों में छिपा कर रखे गए एक मोटरसाईकिल, एक दोनाली बंदुक एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने इस संबंध में जोटो साण्डी पुर्ती को गिरफ्तार कर बंदगाँव थाना में प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में मंगलवार को भेजा गया है।

जुगसलाई में श्री मंगसीर नवमी पर निकाली गयी भव्य कलश यात्रा

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के जुगसलाई गर्ल्स स्कूल रोड स्थित श्रीश्री रानी सती मंदिर में इस बार 24वें मंगसीर नवमी महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस तीन दिवसीय महोत्सव के तहत मंगलवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गयी, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए पूरे जुगसलाई का भ्रमण कर पुनः मंदिर पहुंच कर संपन्न हुई। कलश यात्रा में शामिल दादी की मनोहारी झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। इसमें शामिल सैकड़ों महिलाएं कलश लिये तो कई दादी के भजनों पर थिरकतीं चल रही थीं।

यह आयोजन प्रत्येक वर्ष श्री रानी सती सत्संग समिति की ओर से धूमधाम के साथ किया जाता है। इसके तहत कलश यात्रा (के साथ ही दादी कथा एवं दादी भजन का आयोजन किया जाता है। महोत्सव के पहले दिन पिछले सोमवार को महिलाओं ने दादी को मेहंदी रचाई, जबकि आज भव्य कलश यात्रा निकली गयी। महोत्सव के तीसरे दिन बुधवार भजन और दादी के मंगलपाठ के साथ इस महोत्सव का समापन होगा। इसके लिए अन्य शहरों से जानेमाने कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इस आयोजन में समिति के सभी पदधारी एवं सदस्य सराहनीय भूमिका निभा रहे हैं।

पद्मावती जैन सरस्वती शिशु मंदिर में समर्थ शिशु श्री रामकथा कलश शोभा यात्रा से प्रारंभ

स्त्री-पुरुष या पति-पत्नी एक दूसरे के प्रतिद्वंदी नहीं बल्कि एक दूसरे के पूरक : पंडित श्याम जी मानवत

- दांपत्य जीवन चारों आश्रमों का आधार
- रास्ते भर जय श्रीराम के जय घोष से चाईबासा राममय हो गया

PHOTON NEWS CHAIBASA : पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रांगण से समर्थ शिशु श्री रामकथा की कलश शोभा यात्रा निकाली गई। यह विद्यालय परिसर से शुरू होकर नगरपालिका, जैन-चौक, सदर थाना, डे डाक्टर मोड़ से करणी मंदिर पहुंची जहां रोरो नदी के तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश पूजन किया गया। इसके उपरांत कलश यात्रा रोरो नदी से पुनः डे डाक्टर मोड़ होते हुए सदर बाजार, राजा बाड़ी रोड, काली मंदिर एवं बाबा मंदिर के रास्ते विद्यालय परिसर पहुंची जहां भक्त जनों के बीच खिचड़ी भोग का वितरण किया गया। कलश शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालु जय श्रीराम का जयकारा लगा रहे थे।

। ● फोटोन न्यूज

इस शोभा यात्रा में सबसे आगे घोष दल, बंशी दल, झांकी, पारंपरिक क्षेत्रीय नृत्य करती विद्यालय की बहनें एवं उनके पीछे माताओं एवं बहनें सनातनी वेश में पथ संचलन कर रहे थे। रास्ते भर जय श्रीराम के जय घोष से चाईबासा नगर राममय हो गया। इसके दूसरे चरण में उज्जैन से पधारे पंडित श्याम स्वरूप मनावत की कथा प्रारंभ हुई। जिसका विषय था पति-पत्नी एक दूसरे के प्रतियोगी नहीं पूरक हैं। दांपत्य जीवन चारों आश्रमों का आधार है। उन्होंने कहा कि इस कथा का मूल उद्देश्य समाज में श्रेष्ठ संतान उत्पत्ति है। कैसे आदर्श दांपत्य जीवन से ईश्वर तुल्य संतान प्राप्त की जा सकती है। इसी का उद्देश्य रामकथा में दिया जा रहा है।

पद्मावती जैन सरस्वती शिशु मंदिर, चाईबासा में कथा के पहले दिन महाकाल की नगरी उज्जैन से पधारे पंडित श्याम जी मानवत ने कहा कि स्त्री व पुरुष न एक दूसरे के प्रतिद्वंदी हैं न ही प्रतियोगी बल्कि स्त्री-पुरुष या पति-पत्नी तो एक दूसरे के पूरक हैं। वे दोनों मिलकर ही आदर्श दांपत्य जीवन जी सकते हैं। प्रभु राम और सीता माना जंगल में भी अपनी गृहस्थी निभा लेते हैं। शिव और पार्वती जी हिमालय पर भी कार्तिकेय और गणेश जी जैसी संतानें समाज को दे सकते हैं। परिवार के लिए पैसे से भी ज्यादा जरूरी प्रेम है। घर परिवार से नहीं बनता बल्कि उसमें रहने वालों के आचार से बनता है। वानप्रस्थ, ब्रह्मचर्य और संन्यास आश्रम की देखरेख तो गृहस्थाश्रम ही करता है। इसलिए गृहस्थाश्रम धन्य है।

मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर बैठक

क्षेत्र में छूटे हुए नागरिकों का निबंधन के लिए करें आवश्यक पहल : आयुक्त

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार की अध्यक्षता में मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर बैठक हुई। बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त ने उपस्थित राजनीतिक दल के सदस्यों संग 18 वर्ष या से ऊपर आयु के सभी नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

इस दौरान बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 अंतर्गत स्वच्छ, समावेशी एवं त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार करने के लिए बीएलओ के द्वारा डोर टू डोर कैंपेन चलाकर नए मतदाताओं का निबंधन तथा मतदाता सूची में दर्ज जानकारी में सुधार आदि से संबंधित आवश्यक प्रपत्र प्राप्त किया जा रहा है।

बैठक में शामिल प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार व अन्य। ● फोटोन न्यूज

आयुक्त ने कहा कि इस निमित्त सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों से अपील है कि वे सभी अपने स्तर से भी क्षेत्र में छूटे हुए योग्य नागरिकों का निबंधन करवाने हेतु आवश्यक पहल करें। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में कैंपेन चलाकर 18 वर्ष आयु पूरा करने वाले सभी छात्र-छात्राओं का निबंधन कार्य भी प्रगति पर है। बैठक में आयुक्त के सचिव प्रेम कुमार तिवारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी बंधन लॉन्ग व विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थित थे।

पुलिस ने की छापेमारी

नकली किताबों की हो रही थी बंद कमरे में छपाई

पटना: पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर रोड नंबर 10 में छापेमारी हुई है। गुप्त सूचना के आधार पर दिल्ली से आई भारती भवन की टीम के साथ कदमकुआं थाने के सहयोग से छापेमारी की गई है। इस छापेमारी में लाखों की किताबें जब्त हुई हैं।जिस जगह से किताब जब्त की गई है। वहां छपाई में लगे प्रिंटिंग प्रेस का ना लाइसेंस है और ना आगे से कोई पहचान। बस बंद कमरे किताबों की अवैध छपाई की जा रही थी। रूम रेंट पर लेकर अवैध तरीके से किताबों की छपाई हो रही थी। पूरे बिहार में यहीं से सप्लाई किया जा रहा था। प्रिंटिंग प्रेस में काम करने वाले पंकज कुमार ने बताया कि वो कर्मी है। प्रेस में काम करता था। प्रिंटिंग प्रेस के मालिक दीपक सर हैं, जो खेमनीचक के रहने वाले थे। जिस वक्त पुलिस छापेमारी करने पहुंची उस वक्त लगभग प्रिंटिंग प्रेस में तीन कर्मी मौजूद थे। लेकिन दो पिछले दरवाजे से भागने में सफल रहे। केवल पंकज पकड़ा गया। बहरहाल किताबों को जब्त किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 4-5 वर्षों से यहां छपाई हो रही थी। लेकिन कुछ दिन पहले भारती भवन की टीम पटना पहुंची थी और जहां छपाई हो रही थी। वहां टीम गुप्त मुआयना की थी। फिर आज पूरे दल बल के साथ रोड नंबर 10 में भारती भवन के कर्मी और पुलिस पहुंच गई और रेंग हाथ दबोच लिया गया। छापेमारी स्थल पर मौजूद भारती भवन टैक्स्ट बुक के कर्मी फरमान ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि भारती भवन के मोस्टली टाइटल पूरे बिहार में और आउट साइड में ये लोग सप्लाई करते हैं। यहां पे इनका प्रिंटिंग हाउस है और बैंडिंग हाउस है। लाइसेंस इनके पास नहीं है। भारती भवन जो हमारी कंपनी है, इसका डुप्लीकेट माल मिला है। काउंटिंग के बाद वैल्यू का पता चलेगा।

संक्षिप्त डायरी

विधवा की जमीन कब्जा कर पेट्रोल पंप निर्माण

समस्तीपुर : विधवा की जमीन पर जबरन पेट्रोल पंप खोले जाने के मामले में डीएम योगेंद्र सिंह ने करा रुख अख्तियार किया है। डीएम ने पेट्रोल पंप निर्माण पर रोक लगाने का आदेश जारी करते हुए हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनी के डिप्टी जनरल मैनेजर को भी पत्र लिखा है। इसके साथ ही डीएम ने रोसरा के एसडीओ और सीईओ को भी पत्र लिखते हुए तत्काल पेट्रोल पंप के निर्माण पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। हालांकि पीड़ित पक्ष का कहना है कि डीएम के आदेश के बावजूद स्थानीय प्रशासनिक पदाधिकारी को मेल में लेकर पंप का निर्माण कराया जा रहा है। जिले के रोसरा थाना क्षेत्र के रहुआ गांव निवासी स्वर्गीय शिवनारायण मंडल की पत्नी सुशीला देवी ने कहा कि करीब 10 वर्ष पूर्व गांव के ही मोहम्मद कोरेंग ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम का पेट्रोल पंप खोलने के लिए 30 वर्षों के लिए उसकी जमीन लीज पर ली थी लेकिन पेट्रोल पंप किसी कारण से अलॉट नहीं होने के कारण लीज कैंसल हो गई। हालांकि इसी दौरान मोहम्मद कोरेंग ने पेट्रोल पंप रद्द किए जाने के मामले को हाई कोर्ट में चुनौती दी बाद में कोर्ट के आदेश पर पेट्रोल पंप कंपनी ने अलॉट किया। इसके बाद लीज खत्म होने के बावजूद मोहम्मद कोरेंग ने अपने भाइयों और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से उक्त जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। जिसके बाद मामले की जानकारी होने पर महिला ने डीएम की यहां आवेदन दिया था डीएम ने मामले को देखते हुए इसमें तत्काल रोसरा के सीईओ और एसडीओ को निर्माण पर रोक लगाने का आदेश जारी किया। रोसरा के अनुमंडल पदाधिकारी मो. मुस्तकीम ने कहा कि डीएम का आदेश मिला है सीओ और स्थानीय थाने को तत्काल निर्माण कार्य पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है। अगर आदेश की अवहेलना की जाएगी तो संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक में टक्कर मारने के बाद स्कॉर्पियो खाई में गिरी

भागलपुर: के लोदीपुर थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के समीप देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। घटना में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल है। तेज रफ्तार से आ रहे स्कार्पियो ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक और स्कॉर्पियो के हुई आमने-सामने की टक्कर को लोगों ने फिल्मी स्टंट बताया।

हालांकि, घटना में स्कॉर्पियो और बाइक दोनों पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी 112 पुलिस टीम को दिया। लोदीपुर पुलिस भी मौके पर पहुंची। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से स्थानीय रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के बाद एनएच- 80 पर घंटों तक आवाजाही बाधित रहा। पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराकर जाम को हटवाया। बाइक सवार की पहचान नहीं हो पाई थी। टोल प्लाजा के कर्मी ने बताया कि तेज रफ्तार से आ रहे स्कार्पियो ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। इसके बाद खाई में जा गिरी। स्कॉर्पियो में सवार लोग मौके से फरार हो गए। लोगों ने डॉयल 112 की टीम को जानकारी दी । पुलिस टीम ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। लोदीपुर पुलिस टीम ने बताया कि स्कॉर्पियो और बाइक के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल है। इलाज के लिए तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक और स्कॉर्पियो को जब्त कर ली गई है।

चौथे दिन काला बिल्ला लगा डीलरों ने किया राशन वितरण

भागलपुर : के सुल्तानगंज में जन वितरण प्रणाली के दुकानदार फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन और प्रदेश संघ आह्वान पर रविवार से ही अनिश्चितकालीन काला बिल्ला लगाकर राशन वितरण कर रहे हैं, चौथे दिन मंगलवार को भी राशन डीलरों ने लाभुकों को काला बिल्ला लगाकर राशन वितरण किया। फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी नोमान अंसारी ने कहा कि बिहार सरकार और केंद्र सरकार से 8 सूत्री मांग लंबित है। रविवार से ही डीलर काला बिल्ला लगाकर लाभुकों को राशन वितरण कर रहे। उन्होंने का कि अगर सरकार हमारी मांगें पूरी नहीं करती है तो एक जनवरी से अनिश्चित कालीन हड़ताल होगी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार से कई दफा मानदेय फिक्स करने को लेकर हम लोगों ने मांग की, लेकिन हम लोगों की मांग पूरी नहीं हुई। जबकि अन्य राज्यों में डीलरों को मानदेय फिक्स किया गया है। बिहार सरकार हम लोगों की मांग को नहीं सुन रही है। अगर अगले एक जनवरी तक मांग पूरी नहीं हुई तो हम लोग हड़ताल पर जाएंगे, कोरोना काल में हम लोगों ने लाभुकों को राशन वितरण किया। आठ सूत्री अगर मांग पूरी नहीं होती है। तो उच्चस्तरीय आंदोलन करेंगे। सुल्तानगंज प्रखंड के विभिन्न पंचायत में रविवार से ही सरकार के विरोध में काला बिल्ला लगाकर डीलर राशन वितरण कर रहे। सरकार के खिलाफ डीलारों में काफी आक्रोश है। 8 सूत्री मांग को लेकर डीलर एसोसिएशन ने सरकार को ज्ञापन तक सौंपा, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। जबकि अन्य राज्यों में डीलरों को कई सुविधा दी गई है।

ईंट भट्ठा पर नक्सलियों ने जेसीबी में लगाई आग

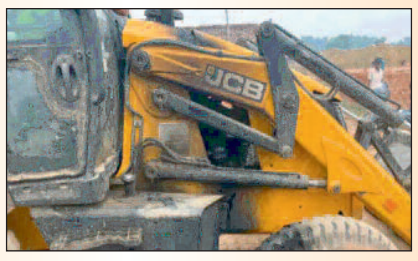

गया: में नक्सलियों ने ईंट भट्ठा पर जेसीबी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। उसे आग के हवाले कर दिया। जेसीबी पूरी तरह से नहीं जला पर क्षति पहुंची है। इसके अलावा ईंट भट्ठा समेत पुल के पास नक्सलियों ने पर्चे भी चस्पाए हैं। दो पर्चे नक्सलियों ने लिखा है। पहले पर्चे में ठेकेदार और मुंशी को धमकाया है। मामला अति नक्सल प्रभावित डुमरिया प्रखंड मैगरा थाना क्षेत्र रामदौहर गांव जाने के रास्ते का है। प्रतिबंधित संगठन भाकपा माओवादी नक्सली संगठन ने पर्चे में ठेकेदार मुंशी को धमकी देते हुए सूचित किया है कि जो भी पुल-रोड निर्माण हो रहा है वह बंद कर दें। बंद नहीं करने पर जो भी नुकसान होगा उसका जिम्मेदार संगठन नहीं होगा। उसकी जिम्मेदारी स्वयं खुद की होगी। पार्टी के आदेश के बिना कार्य करने वाले मुंशी ठेकेदार बिचौलियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पार्टी की कमेटी का पैसा रखने वाला ठेकेदार, चमचा, बिचौलिया को मार गिराया जाएगा। दूसरे पर्चा में नक्सलियों ने लिखा है है जमींदार से जब्त की गई जमीन की खरीद बिक्री करने वाले दलाल और चमचा को सजा मिलेगी। जमीन का पैसा दिलाने वाले बिचौलिया को बख्शा नहीं जाएगा। पार्टी बेची हुई जमीन दोबारा जब्त करेगी। जब्त जमीन को निजी नहीं बनाएं। क्रांतिकारी जनता पर पुलिस दमन चला कर फर्जी मुकदमा में नहीं फंसाए।

महाजन के दबाव की वजह से किया सुसाइड

बेगूसराय : में महाजन के दबाव की वजह से एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पत्तापुर बहियार की है। मृतक व्यक्ति की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रतनपुर वार्ड 20 निवासी ब्रह्मचंद्र शर्मा के रूप में की गई है। ब्रह्मचंद्र शर्मा का पुत्र महाजन से एक बड़ी रकम कर्ज के रूप में लिया था। जिसे वह धीरे-धीरे लौटा भी चुका था। लेकिन महाजन के द्वारा लगातार सूद का सूद जोड़ते हुए ब्रह्मचंद्र शर्मा को महाजन के द्वारा लगातार पैसे देने का दबाव बनाते रहता था एवं उनसे ओनेपौने भाव में जमीन रजिस्ट्री करने के लिए भी दबाव बनाया जा रहा था। इसी से तंग आकर ब्रह्मचंद शर्मा ने एक सुसाइड नोट लिखकर और पत्तापुर वार्ड 17 स्थित अपने डेरा पर पेड़ से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वहीं, मृतक ब्रह्मचंद्र शर्मा के द्वारा एक सुसाइड नोट में लिखा गया है कि जबरन जमीन लिखना और घर पर लगातार गाली गलौज करना सहित पैसा नहीं देने पर जान से मारने की भी धमकी की बात कही जा रही थी। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सुसाइड नोट के आधार पर पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा की पूरा माजरा क्या है। बताते चले कि मृतक ब्रह्मचंद्र शर्मा

खगड़ा मेला ग्राउंड को नप ने बना दिया कचरा डंपिंग यार्ड

किशनगंज (बिहार):नगर परिषद शहर में स्वच्छता अभियान को पलीता लगाने के साथ-साथ शहर की आवो हवा में जहर घोल लोगों में गंभीर व असाध्य रोग परोस रही है। यह खगड़ा मेला ग्राउंड में नप की ओर से फेंकी जा रही कचरे की तस्वीर बता रही है।

नगर परिषद शहर के कचरे को ग्राउंड में डंप कर जगह को बर्बाद करने में तुली है। हाल ही में एक सप्ताह पूर्व इसी कचरे के ढेर में किसी ने आग लगा दी। आग लगने के बाद कचरे से उठने वाली धुंआ हवा में घुलकर शहर की आवो हवा को जहरीली बन सकते हैं। यह धुंआ मानव स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक है।

खगड़ा मेला को वर्ष 2022 में ही राजकीय मेले का दर्जा मिल चुका है। सोनपुर के बाद एशिया का दूसरा प्रसिद्ध मेला खगड़ा पहले से ही अतिक्रमण के कारण सिकुड़ती जा रही है। अब नप के फैलाई गंदगी से इस मेले का अस्तित्व ही खतरे में है। खगड़ा मेला लगने का समय नजदीक है। दिसंबर या जनवरी में ही इसके लिए निविदा होना है।

मेले से राज्य सरकार के कोष में एक करोड़ की राशि जाती है। लेकिन नगर परिषद ने इसे कचड़ा डंपिंग जोन में तब्दील करने लगी है। बगल के ही रहने वाले युवा लक्ष्मी शर्मा ने कहा कि अगर यही हालात रहे तो स्थानीय लोग सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाएंगे।

सेनेटरी इंस्पेक्टर संजीव साहा ने कहा कि नप जल्द महेशबथना स्थित अपनी जमीन पर कचरा डंप कर प्रोसेसिंग कार्य शुरू करेगी।

एक्सपर्ट व्यू: एक चिकित्सक ने कहा कि प्लास्टिक युक्त कचरे को जलाने से डाइऑक्सिन, फ़्यूरान, मरकरी और पोलिक्लोराईनेटेड बाइफिनाईल जैसी जहरीली रसायन निकलती है।

जो हवा में घुलकर अस्थमा, कैंसर सहित चर्म रोग जैसी गंभीर बीमारी को पनपने में काफी मददगार साबित हो सकती है।

रंगदारी और धमकी मामले में दो अपराधी गिरफ्तार

जमुई : में डेढ़ लाख की रंगदारी, और हत्या की धमकी मामले में पुलिस ने दो सगे भाई को गिरफ्तार किया है। अपराधी की पहचान लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के नवकाडीह गांव निवासी प्रिंस मिश्रा और मनीष मिश्रा के रूप में हुई है। जो गांव के युवक रंजीत तांती को फोन कर रंगदारी मांग रहे थे। रंगदारी पूरा नहीं देने पर जान से मारने ले धमकी देते हैं। पीड़ित ने आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। गिरफ्तार किए गए दोनों अपराधी पर हत्या लूट,अपहरण जैसे अपराधिक कांड दर्ज हैं, जो हाल ही में जेल से छूट कर बाहर निकले हैं। पीड़ित ने बताया कि बता वह बंगलुरु में रहता है। उसने बताया कि उसके खेत की देख-रेख उसका बड़ा भाई करता है। खेत में धान पक गया है। जिसे उसका भाई धान कटनी करा रहा था, तभी गांव के मनीष मिश्रा ने उसके भाई और भतीजे बिट्टू कुमार को धमकी दिया, कि रंजीत के हिस्से की जमीन में लगा धान को नहीं काटना है, नहीं तो भई की हत्या कर देगें, जैसे शोभित मंडल की हत्या किया था, उसी तरह तुम्हारा भी हत्या करेगें। मनीष मिश्रा और प्रिंस मिश्रा मोबाईल पर धमकी दे रहे, जिसका रिकॉडिंग भी है। मोबाइल पर बोले कि हम लोग बाइक से घूम रहे हैं, अकेले तुम्हारे भाई को खेत की तरफ देखा था, मन हुआ कि उसकी हत्या कर दें। लेकिन छोड़ दिये हैं। हम जेल से निकले हैं। रंगदारी दो नही तो तुम्हारे घर के किसी भी सदस्य की हत्या कर देंगे। हत्या के डर से मनीष मिश्रा के फोन पे पर 12 नंवबर को

1 हजार फिर 17 नंवबर को 50,000 रुपए भेज दिया। फिर भी धमकी दे रहा है कि 51 हजार से कुछ नहीं होगा और डेढ़ लाख दो, तब धान काटना, नहीं तो हत्या कर देगें। लक्ष्मीपुर थाना अध्यक्ष राजवर्धन कुमार ने बताया कि 4 महीना पहले ही यह जेल से छूटा था। कुछ दिनों से सक्रिय हो रहा था। इसके विरुद्ध कोई भी डर से शिकायत नहीं कर रहा था। एक व्यक्ति के द्वारा रंगदारी मांगने को लेकर लिखित शिकायत किया गया था। जिसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक को दिया। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ सतीश सुमन के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गठित कर छापेमारी कर दोनों अपराधी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

नेपाली शराब के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार

मोतिहारी :रक्सौल मके हरैया ओपी पुलिस ने दो महिलाओं के भारतीय कस्टम के समीप नेपाली शराब के साथ गिरफ्तार किया है। हरैया ओपी प्रभारी अनुज कुमार ने बताया कि बीती रात गस्ती के दौरान नेपाल से आ रही दो महिलाओं का बैग जांच किया गया। बैग से 27 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब बरामद किया गया। दोनों महिलाओं की पहचान नाजरा खातून पति लड्डु आलम व मुन्नी खातून पति स्वर्गीय इकलाख अंसारी के रूप में हुई है। दोनों नगरपरिषद क्षेत्र के नेपाली स्टेशन के निवासी हैं। दोनों ने झोले में नेपाली शराब छिपा रखी थी। थानाध्यक्ष अनुज कुमार ने बताया कि कागजी करवाई कर दोनों आरोपियों को जेल भेजा जा रहा है। वहीं इन दिनों खुला बॉर्डर होने के चलते शराब की तस्करी जोरों पर है। पहले इस तस्करी में सिर्फ पुरूष की शामिल होते थे लेकिन इन दिनों महिलाएं भी शराब तस्करी से जुड़ गई हैं।

लापता युवक का शव बरामद

बेगूसराय : बेगूसराय 3 दिन से लापता युवक का शव पुलिस ने पानी भरे गड्ढे से बरामद किया है। वहीं युवक का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हरदिया गांव की है। मृतक युवक की पहचान हरदिया गांव के रहने वाले मोहम्मद मेराज के बेटे मोहम्मद सरफराज के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि पिछले तीन दिन से मोहम्मद सरफराज घर से लापता हो गया था। परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन किया गया था, लेकिन मोहम्मद सरफराज का कोई अता-पता नहीं चल सका था। फिर बाद में गुमशुदगी का मामला थाने में दर्ज कराया था। आज जब लोग शौच करने के लिए पानी भरे गड्ढे के तरफ गया तो मोहम्मद सरफराज का शव उपलाता हुआ दिखा। तभी इसकी सूचना परिजनों को दिया गया। आनन फानन में परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर अपने बेटे को मरा हुआ देखकर पूरे परिवार का होश उड़ गया।फिलहाल इस घटना की सूचना परिजनों के द्वारा मुफस्सिल थाने के पुलिस को दी। मौके पर मुफस्सिल थाने के पुलिस पहुंचकर शव कोअपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही खुलासा हो पाएगा कि मोहम्मद सरफराज की मौत कैसे हुई है। वही इस घटना के संबंध में मुफस्सिल थाना अध्यक्ष सुदीन राम ने बताया है कि 3 दिन से लापता युवक का शव आज दोपहर में पानी भरे गड्ढे से बरामद किया गया है। फिलहाल पुलिस सारे बिंदुओं पर जांच पड़ताल कर रही है।

साधु-संतो के साथ श्रद्धालुओं ने अंजनी सरोवर की परिक्रमा की

बक्सर: का मशहूर पंचकोशी परिक्रमा का चौथा पड़ाव मंगलवार को नुआंव गांव पहुंच चुका है। जहां श्रद्धालुओं ने मुली-सत्तू को प्रसाद के रूप में ग्रहण कर विधि विधान से पूजा अर्चना की। अंजनी सरोवर की परिक्रमा करना प्रारंभ कर दिया गया है। ऐसी मान्यता है कि नुआंव में उद्दालक ऋषि का आश्रम हुआ करता था। जहां माता अंजनी के साथ बचपन में हनुमान जी रहा करते थे। यहां भगवान राम पंचकोशी परिक्रमा के दौरान अगहन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को पहुंचे थे। जिन्हें उद्दालक ऋषि अपने यहां मूली सत्तू भोजन के रूप में दिया था। जो आज इस जगह के लिए प्रसाद और लोगों के लिए तीर्थस्थल की तरह हो गया है।

पंचकोशी परिक्रमा समिति के तत्वावधान में बसांव पीठाधीश्वर श्री अच्युत्प्रापन्नाचार्य जी महाराज के नेतृत्व में सन्त समाज की यात्रा निकाली हुई है। जो श्रद्धालुओ के लिए प्रसाद के साथ भजन कृतन की व्यवस्था किया गया है।अच्युत्प्रापन्नाचार्य जी महाराज ने कहा की ऐसा बताया जाता है। उद्दालक मुनी का आश्रम यहां हुआ करता था।

उनके आश्रम में ही माता अंजनी रहती थी।आश्रम के पास स्थित सरोवर की पहचान अंजनी सरोवर से है। गांव वालों ने यहां माता अंजनी का मंदिर भी बनवाया है। जहां श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। सरोवर के आस-पास मेला भी लगाया गया है। जहां बच्चों ने खूब मजे किए। वहीं श्रद्धालु जमकर खरीदारी भी कर रहे हैं। वहां पंचकोशी परिक्रमा समिति के संतो ने अंजनी सरोवर की परिक्रमा की। इसके अगले दिन मेले का पड़ाव चरित्रवन पहुंचा। जहां अगहन माह की नवमी तिथि को महर्षी विश्वामित्र का आश्रम हुआ करता था। वहां लिट्टी चोखा का प्रसाद भगवान ने ग्रहण किया था। वहीं परंपरा त्रेता युग से चली आ रही है। बक्सर के चरित्रवन के कोने-कोने में जहां लिट्टी चोखा का प्रसाद बना श्रद्धालु भोग लगाएंगे। तो वहीं पूरे शाहबाद के घर में यह व्यंजन बनाता है जो अपने आप में अनोखा है। जिसके कारण इस पंचकोशी यात्रा को विश्व प्रसिद्ध कहा जाता है।

हिन्दी पट्टी में भाजपा की जीत के मायने

निश्चित रूप से विधानसभा चुनाव के नतीजों से अगर सबसे ज्यादा किसी में उत्साह होगा तो वह है भाजपा। उसमें भी मध्य प्रदेश के नतीजों ने तो जैसे भाजपा के उत्साह में सुनामी ला दी। बहरहाल यह मोदी मैजिक ही है जिसने हिन्दी पट्टी वाले राज्यों में विपक्ष या कहें कि नवगठित इंडिया गठबंधन के सपने धराशायी कर दिए। माना कि मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना योजना ने कमल के लिए कमाल का काम किया, लेकिन छत्तीसगढ़ में आखिर ऐसा क्या हुआ जो गाय, गोबर, गोठान, महतारी योजना, आत्मानन्द स्कूलों के बाद भी नतीजे एकदम उम्मीद से इतर आए? जबकि राजस्थान में जादूगर अशोक गहलोत का चलते दिख रहे जादू पर भाजपा का जादू भारी पड़ गया। तेलंगाना में जरूर कांग्रेस को झोली में उम्मीद से ज्यादा हासिल मिला। शायद भारत की यही विविधता है। विश्लेषण के लिहाज से इन नतीजों के मायने काफी गहरे हैं। इन्हें 2024 के आम चुनाव से जोड़ा जाएगा। चारों नतीजों में सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश की ही चर्चा होगी जिसे संघ की प्रयोगशाला भी कहा जाता है। जहां बढ़े मतदान के बाद तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे। चुनावी घोषणा और चुनावों के दौरान जिस तरह से एन्टी इनकम्बेंसी की बात फैली उसको लेकर उत्साही कांग्रेसियों के बाग-बाग चेहरे देखकर ऐसे नतीजों की उम्मीद तो हरगिज नहीं थी। लेकिन एक सच्चाई है जिसे स्वीकारना होगा कि मध्य प्रदेश में जिस शिवराज सिंह को लेकर शुरूआत में एक तरह से ऊहापोह की स्थिति बनी और कई तरह के संदेश फैलाए गए, उसे शिवराज ने अपने जादू से ऐसा धोया कि आज वो एक बार फिर अजेय बनकर भाजपा के सबसे अहम चेहरा बन गए। समूचे मध्य प्रदेश में अपराधियों खासकर महिलाओं, आदिवासियों और दलितों के उत्पीड़न करने वालों को तुरंत सजा देने का बुलडोजर वाला तरीका भी लोगों को खूब भाया। प्रदेश में मामा बनकर उन्होंने आम और खास सभी से जो कनेक्ट किया उसका नतीजा आज सामने है। बेशक लाड़ली बहना योजना ने मध्य प्रदेश में एक अंडर करंट पैदा किया जिसे समूचा विपक्ष भी नहीं समझ पाया। अस्तित्व में आने के बाद से प्रदेश के अब तक के सारे के सारे मुख्यमंत्रियों से अलग उनकी मेहनतकश छवि और हर दौरे ने उन्हें मजबूत किया जिसे कोई भांप नहीं पाया। यह भी सही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता मध्य प्रदेश में भाजपा के लिए बड़ा टॉनिक साबित हुई। लेकिन इस बात को स्वीकारना ही पड़ेगा यदि मोदी मध्य प्रदेश के इस चुनाव में भाजपा के लिए खरा सोना रहे तो शिवराज सुहागा से कम नहीं रहे। निश्चित रूप से भाजपा छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की आपसी कलह और संगठन में बिखराव व दुराव का भरपूर फायदा ले गई और नतीजे अप्रत्याशित आए। इसके साथ ही सांसदों और केन्द्रीय मंत्रियों को उतारने से भाजपा ने एक तीर से कई निशाने भी साधे। मध्य प्रदेश के नतीजों के बाद शिवराज सिंह का वह बयान बार-बार याद आता है जिसमें उन्होंने कहा था कि टाइगर अभी जिंदा है। लेकिन सच तो ये है कि टाइगर बहुत फुतीर्ला है। कहने की जरूरत नहीं कि मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह फिर मुख्यमंत्री के प्रबल दावेदार हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ में सम्मानजनक स्थिति के बाद फैसला केन्द्रीय नेतृत्व के हाथों होगा। कमोबेश यही स्थिति राजस्थान में होगी। वहां वसुन्धरा या कोई और का सवाल अभी कई दिनों तक रहेगा। एक अकेले तेलंगाना में कांग्रेस को मुख्यमंत्री तय करने में कैसी चुनौती आएगी नहीं पता लेकिन इतना तो है कि गिरे मनोबल से वहां इस बार पुरानी चूक नहीं दोहराई जाएगी। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस ने भी सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने के लिए कोशिश नहीं कीं। परन्तु सच्चाई यही है कि कांग्रेस संगठनात्मक तौर पर भाजपा के मुकाबले 19 नहीं बल्कि 8-10 ही रह गई है। बरसों पुराने कार्यकर्ता, नई टीम का अभाव, लोगों से जुड़ाव पर ध्यान नहीं देना, हर गांव, शहर के छोटे से छोटे कार्यकर्ता का भोपाल कनेक्ट दिखाना और प्रदेश के कई नेताओं के अनजान कस्बों में लगे होर्डिंग से कांग्रेस वैसा कनेक्ट नहीं कर पाई जो स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता नगर, वार्ड, बूथ और पन्ना प्रमुख कर सके। बस यही वह तमाम कारण थे जिस कारण कांग्रेस जनता से कनेक्ट नहीं कर पाई। उल्टा सरकार विरोधी लहर के जुमले के सहारे मनगढ़ंत और झूठे सपने देख बड़े-बड़े ख्वाब देखना तथा प्रदेश चुनाव संचालन को दिल्ली की टीम के हवाले करना भी कांग्रेस को इतना महंगा पड़ गया कि 2018 के आंकड़ों से भी पिछड़ गई और भाजपा 2003 जैसे सम्मानजनक स्थिति में पहुंच गई। लेकिन एक बात तो है कि हिन्दी पट्टी वाले राज्य जहां भाजपा पर भरोसा जताते हैं तो दक्षिण कांग्रेस व अन्य पर। ऐसे में देश में उत्तर-दक्षिण की नई बात जरूर होगी। फिलहाल इंडिया गठबंधन की 6 दिसंबर की बैठक पर निगाहें हैं। बहरहाल अभी इस गठबंधन का बिखराव का नतीजा सामने है। आगे बहुत कुछ और दिखेगा। किन-किन राज्यों में सपा, बसपा और आम आदमी पार्टी ने किस-किस को कितना नुकसान पहुंचाया और किसकी जीत-हार का अंतर कम किया। किसको जीतने से रोका तथा किसने अनजाने या जानबूझकर भाजपा-कांग्रेस को जीत या हार दिलाई जैसी चचाएं और डिबेट आगे बहुत दिखेंगे। बहरहाल अभी तो भाजपा ही सिवाय तेलंगाना के अजेय दिखती है और हिन्दी पट्टी में ऐसी जीत के बहुत बड़े मायने हैं।

तीन राज्यों में जीती प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी

ANALYSIS

सियाराम पांडेय'शांत'

भाजपा ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ जहां कांग्रेस के हाथ से छीन कर अपनी मुट्ठी में कर लिया है, वहीं मध्य प्रदेश की सत्ता पर काबिज होने की कांग्रेस की हर संभव कोशिशों को पलीता लगा दिया है। तेलंगाना की जीत पर खुश होने का कांग्रेस के पास एक अवसर है और वह यह कह सकती है कि उसने तेलंगाना में भाजपा को पटखनी दी है लेकिन सच तो यह है कि भाजपा तो अभी दक्षिण के इस राज्य में अपना जनाधार ही बढ़ा रही है। उसकी सीटों में कई आठ गुना वृद्धि यह बताने के लिए काफी है कि भाजपा ने तेलंगाना में कुछ खोया नहीं, वरन पाया ही है। तेलंगाना में बीआरएस की हार के पीछे केसीआर और उसके परिवार पर भाजपा के शीर्ष नेताओं के तल्ख हमले भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। तेलंगाना की सत्ता उसके स्वतंत्र राज्य के गठन के वर्ष 2014 से ही के.चंद्रशेखर राव के हाथ में रही है। ऐसे में उसके हाथ से सत्ता का यूं फिसल जाना अकारण नहीं है। तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के परिवारवाद और भ्रष्टाचार से तो जनता में नाराजगी थी ही, सत्ता विरोधी लहर भी उसके खिलाफ थी।

जीत भले ही किसी राजनीतिक दल की हो लेकिन उस जीत का आधार जनता का उस पर अटूट विश्वास ही होता है। जब किसी नेता की गारंटी राजनीतिक मुद्दों और प्रलोभनों पर भारी पड़ जाए तो समझना चाहिए कि भारत में लोकतंत्र बिल्कुल सही दिशा में जा रहा है। चार राज्यों के चुनाव परिणाम बेहद विस्मयकारी रहे हैं। भाजपा ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ जहां कांग्रेस के हाथ से छीन कर अपनी मुट्ठी में कर लिया है, वहीं मध्य प्रदेश की सत्ता पर काबिज होने की कांग्रेस की हर संभव कोशिशों को पलीता लगा दिया है। तेलंगाना की जीत पर खुश होने का कांग्रेस के पास एक अवसर है और वह यह कह सकती है कि उसने तेलंगाना में भाजपा को पटखनी दी है लेकिन सच तो यह है कि भाजपा तो अभी दक्षिण के इस राज्य में अपना जनाधार ही बढ़ा रही है। उसकी सीटों में कई आठ गुना वृद्धि यह बताने के लिए काफी है कि भाजपा ने तेलंगाना में कुछ खोया नहीं, वरन पाया ही है। तेलंगाना में बीआरएस की हार के पीछे केसीआर और उसके परिवार पर भाजपा के शीर्ष नेताओं के तल्ख हमले भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। तेलंगाना की सत्ता उसके स्वतंत्र राज्य के गठन के वर्ष 2014 से ही के.चंद्रशेखर राव के हाथ में रही है। ऐसे में उसके हाथ से सत्ता का यूं फिसल जाना अकारण नहीं है। तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के परिवारवाद और भ्रष्टाचार से तो जनता में नाराजगी थी ही, सत्ता विरोधी लहर भी उसके खिलाफ थी। कांग्रेस को तो बस अवसर मिल गया। भाजपा के शीर्ष नेताओं के चुनावी भाषणों ने भी राज्य में केसीआर की हालत पतली कर दी। 19 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले इस राज्य में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन की कुछ खास नहीं कर पाई जबकि यहां की 44 सीटों पर मुस्लिम मतदाता अच्छा-खासा असर डालते रहे हैं। अक्टूबर में तेलंगाना में लक्ष्मी बैराज क्या ढहा, केसीआर की मुसीबतें बढ़ती चली गईं। उनकी बेटी का नाम दिल्ली के शराब घोटाले से भी जुड़ा, इन स्थितियों ने टीआरएस का नाम बदलकर बीआरएस करने और क्षेत्रीय राजनीति की बजाय राष्ट्रीय राजनीति में कदम बढ़ाने का खामियाजा भी केसीआर को इस चुनाव में शिकस्त के रूप में झेलना पड़ा है। यह और बात है कि कांग्रेस ने तेलंगाना में जातिगत जनगणना कराने और दलितों, पिछड़ों की आरक्षण सीमा बढ़ाने जैसी छह गारंटियां भी दीं, जिसमें मुफ्त महिला बस पास, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों और बटाईदारों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ देने जैसे वादे भी शामिल थे। जनादेश इस बात का प्रमाण है कि मतदाताओं ने कांग्रेस पर भरोसा जताया और उसकी सरकार बनने में सहायक बने लेकिन राजस्थान,मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उसकी मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली रणनीति काम नहीं आई। इन तीनों ही राज्यों में मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया और यह समझने में जरा सी भी गलती नहीं कि जब केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होती है,तभी विकास का पहिया सरपट दौड़ पाता है। केंद्र और राज्य की सत्ता पर आरूढ़ दो राजनीतिक दलों की खींचतान में विकास का जनाजा अकसर उठता ही रहता है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव कांग्रेस से अपनी पार्टी के लिए कुछ सीटें चाहते थे लेकिन कमलनाथ ने अखिलेश-वखिलेश जैसी टिप्पणी कर न केवल अखिलेश यादव के क्रोध का पारा बढ़ा दिया बल्कि अखिलेश यादव को मध्य प्रदेश की 74 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने को भी विवश किया। यह स्थिति भी कांग्रेस की उम्मीदों की राह का बड़ा रोड़ा बनी। 'इंडिया' गठबंधन में अपनी विशेषता बताने-जताने के राहुल गांधी के सपनों पर भी पानी फिर गया है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का अपना कोई आधार नहीं है और यहां लोकसभा की चुनावी वैतरणी पार करने के लिए उसे समाजवादी पार्टी की नौका पर ही सवार होना पड़ेगा और दूध का जला मट्ठा भी फूंक कर पीता है। अखिलेश यादव भले ही मध्य प्रदेश की सियासी जंग हार गए हों लेकिन वैचारिक रूप से वे कांग्रेस को शिकस्त देने में सफल हो गए हैं। अखिलेश मजबूरी में भी कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में उतनी सीटें तो देने से रहे जो राहुल के प्रधानमंत्री बनने की जरूरत पूरी कर सके। ममता बनर्जी का भी कांग्रेस के साथ पश्चिम बंगाल में कुछ ऐसा ही रवैया रहने वाला है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की अंदरूनी कलह से भी बड़ा नुकसान हुआ है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति दोनों नेताओं के स्तर पर बोले गए अपशब्दों ने भी मध्य प्रदेश में खासकर चंबल परिक्षेत्र में कांग्रेस का बेड़ा गर्क करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपशब्दों का प्रयोग भी कदाचित मतदाताओं को रास नहीं आया। राजस्थान में भी सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच की राजनीतिक जंग कांग्रेस का पत्ता साफ करने में मील का पत्थर साबित हुई। सचिन पायलट की नाराजगी और बगावत को तो कुछ वर्ष पहले कांग्रेस ने थाम जरूर लिया लेकिन दोनों नेताओं और उनके समर्थकों के मनोमालिन्य को दूर करने की दिशा में कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कुछ खास नहीं कर सका। इसका नुकसान यह हुआ कि कांग्रेस का राज बदल गया लेकिन राजस्थान की हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज यथावत कायम रही। भाजपा को पता था कि राजस्थान में मुख्यमंत्री को चेहरा घोषित करना उसके लिए भारी पड़ सकता है। इसलिए उसने कमल को ही सीएम चेहरा माना और यह उसके लिए बेहद फायदेमंद रहा। राजस्थान लाल डायरी के झमेले में जो एक बार कांग्रेस उलझी तो उससे उबर नहीं पाई। कई मौके आए जब भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सचिन पायलट और उनके समर्थक समय-समय पर गहलोत सरकार को घेरते रहे। यह भी उनकी पराजय का एक बड़ा कारण रहा। पेपर लीक मामले में वैसे पहले से ही गहलोत सरकार आलोचना के घेरे में थी। रही बात जीत-हार की तो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी तो पहले ही कह चुके थे कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार जा रही है। हालांकि यह जीभ के फिसल जाने का मामला था लेकिन कभी-कभी जिह्वा पर सरस्वती का निवास होता है। मौजूदा चुनाव नतीजे तो इसी ओर इशारा करते हैं। इन नतीजों से कांग्रेस के लोग ही विचलित होंगे, ऐसा नहीं है। लालू प्रसाद यादव के कुनबे और नीतीश कुमार की त्योरियों पर भी बल पड़ना स्वाभाविक है। जातिगत जनगणना कराकर राजनीतिक लीड लेने वाले नीतीश और लालू को लगा होगा कि वे पिछड़ों के बेताज बादशाह हो जाएंगे। कांग्रेस और सपा का शीर्ष नेतृत्व भी उनकी बिछाई पिच पर खेलने लगा था। जिसकी जितनी आबादी, उतनी उसकी भागीदारी का राग देश के हर उस राज्य में आलापा जाने लगा था जहां गैर भाजपा सरकारें हैं लेकिन इसकी काट में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब-किसान-महिला और युवा को ही सबसे बड़ी जाति माना और उनके समग्र उत्थान की दिशा में बढ़ते रहे, तीन राज्यों में भाजपा के पक्ष में आए चुनाव नतीजे उसी सोच की परिणिति है। इन चुनावों में जातीय जनगणना का मुद्दा भी कुछ खास असर डालने में विफल साबित हुआ है, ऐसे में नीतीश-लालू और उन जैसी सोच के दूसरे नेताओं को वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ और तरकीब निकालनी होगी। वैसे भी हिंदी बहुल राज्यों में राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान नहीं चल पाई। लोगों ने विकास को तरजीह दी। पीएम मोदी की गारंटी पर यकीन किया। जातिगत आरक्षण के सहारे सामाजिक ताने-बाने को छेड़ने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया। काठ की हांड़ी अग्नि का ताप एक बार झेल ले, इतना ही काफी है। विपक्ष बार-बार एक ही प्रयोग दोहराने की जो भूल कर रहा है, मौजूदा चुनाव परिणाम उसका सटीक जवाब हैं। यह भी उतना ही सच है कि वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में आदिवासी वर्ग भाजपा से छिटक गया था। मध्य प्रदेश में भाजपा अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित 35 सीटों में से 18 पर तो जीत गई थी, लेकिन अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित 47 सीटों में से महज 16 पर जीत हासिल कर सकी थी। छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित 10 सीटों में केवल 2 और अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से महज 3 पर ही जीत हासिल कर पाई थी। वर्ष 2018 का चुनाव गवाह है कि राजस्थान में भी भाजपा एससी के लिए सुरक्षित 34 सीटों में से 22 सीटें हार गई थी जबकि एसटी के लिए सुरक्षित 25 सीटों में 14 पर उसे पराजय का सामना करना पड़ा था। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा के सत्ता से बाहर होने की यह भी प्रमुख वजह रही, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने प्रतिद्वंद्वियों की तमाम कोशिशों को न केवल पलीता लगाया बल्कि दलित, आदिवासी मतों के भरोसे मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जीत भी हासिल की। इसके लिए उसने पहले दलित वर्ग के रामनाथ कोविंद को जहां राष्ट्रपति बनाया, वहीं आदिवासी समाज से आने वाली द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया।

एग्जिट पोल, बड़ा झोल

तेलंगाना विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया के समापन के साथ ही पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम सर्वे एजेंसियों ने अपने-अपने एग्जिट पोल का प्रसारण किया था। मिजोरम में 7 नवंबर, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर, मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 25 नवंबर और तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान हुआ था। अधिकांश एग्जिट पोल में राजस्थान और मध्य प्रदेश में सत्ता के लिए कांटे की टक्कर होने का अनुमान लगाया था लेकिन कुछ एग्जिट पोल ऐसे भी थे, जिनमें किसी में कांग्रेस की एकतरफा जीत का अनुमान व्यक्त किया गया था तो किसी में भाजपा की। राजस्थान में आज तक-एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल में कांग्रेस के 86-106 जबकि भाजपा के 80-100 सीटें जीतने का अनुमान लगाया था, वहीं जन की बात के एग्जिट पोल के अनुसार कांग्रेस को केवल 62-85 सीटें और भाजपा को 100-122 सीटें मिलने का अनुमान था। इंडिया टीवी-सीएनएक्स के एग्जिट पोल में कांग्रेस को 94-104 सीटें मिलने का अनुमान था जबकि भाजपा के 80-90 सीटों पर ही सिमटने की भविष्यवाणी भी थी जबकि दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल के मुताबिक भाजपा को 95-115 और कांग्रेस को 105-120 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई थी। जन की बात के एग्जिट पोल में भाजपा को 100-123 और कांग्रेस को 102-125 सीटें मिलने का अनुमान था। टीवी-9 पोलस्ट्रैट के एग्जिट पोल में कहा गया था कि भाजपा को 106 और कांग्रेस को 111-121 सीटें मिल सकती हैं। छत्तीसगढ़ में तो लगभग सभी एग्जिट पोल कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने की बात कही गई थी। राजस्थान में न्यूज 24-टुडेज चाणक्य ने भाजपा को 77-101, कांग्रेस को 89-113 और अन्य को 2-16 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया था। इसी प्रकार भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया ने क्रमशः 80-100, 86-106 तथा 9-18, टीवी9-पोलस्टार ने 100-110, 90-100 तथा 5-15, दैनिक भास्कर ने 95-115, 105-120 तथा 0-15 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की थी। एबीपी-सी वोटर ने भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को क्रमशः 94-114, 71-91 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। चुनावी नतीजे देखें तो राजस्थान में भाजपा को 115, कांग्रेस को 69 तथा अन्य को 15 सीटें मिली हैं जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा को 164, कांग्रेस को 65 और अन्य को 1 सीट मिली हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में भी भाजपा तमाम एग्जिट पोल के अनुमानों से परे 54 सीटें हासिल कर पूर्ण बहुमत हासिल करने में सफल रही है। देखने वाली बात यह है कि इनमें से कई एग्जिट पोल के आंकड़ों में बड़ा अंतर था और साथ ही इनमें प्लस-माइनस का भी बड़ा खेल शामिल रहता है। यही कारण है कि एग्जिट पोल में किए जाने वाले दावों पर अब आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जाता क्योंकि ये केवल चुनाव परिणामों का पूवार्नुमान ही होते हैं और अभी तक कई बार ऐसा हो चुका है, जब विभिन्न एग्जिट पोल में किए गए पूवार्नुमान से चुनाव परिणाम बिल्कुल उलट रहे। वैसे चुनावी सर्वे कराए जाने का इतिहास बहुत पुराना है और दुनिया के कई देशों में ऐसे सर्वे कराए जाते हैं। चुनावी प्रक्रिया के दौरान जब तक अंतिम वोट नहीं पड़ जाता, तब तक किसी भी रूप में एग्जिट पोल का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि एग्जिट पोल मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही दिखाए जाते हैं। मतदान खत्म होने के कम से कम आधे घंटे बाद तक एग्जिट पोल का प्रसारण नहीं किया जा सकता। इनका प्रसारण तभी हो सकता है, जब चुनावों की अंतिम दौर की वोटिंग खत्म हो चुकी हो। यह नियम तोड़ने पर दो वर्ष की सजा या जुमार्ना अथवा दोनों हो सकते हैं। यदि कोई चुनाव कई चरणों में भी सम्पन्न होता है तो एग्जिट पोल का प्रसारण अंतिम चरण के मतदान के बाद ही किया जा सकता है लेकिन उससे पहले प्रत्येक चरण के मतदान के दिन डेटा एकत्रित किया जाता है। एग्जिट पोल से पहले चुनावी सर्वे किए जाते हैं और सर्वे में बहुत से मतदान क्षेत्रों में मतदान करके निकले मतदाताओं से बातचीत कर विभिन्न राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों की हार-जीत का आकलन किया जाता है। अधिकांश मीडिया संस्थान कुछ प्रोफेशनल एजेंसियों के साथ मिलकर एग्जिट पोल करते हैं। ये एजेंसियां मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं से यह जानने का प्रयास करती हैं कि उन्होंने अपने मत का प्रयोग किसके लिए किया। उन्हीं आंकड़ों के गुणा-भाग के आधार पर हार-जीत का अनुमान लगाया जाता है। इस आधार पर किए गए सर्वेक्षण से जो व्यापक नतीजे निकाले जाते हैं, उसे ही ह्यएग्जिट पोलह्ण कहा जाता है। चूंकि इस प्रकार के सर्वे मतदाताओं की एक निश्चित संख्या तक ही सीमित रहते हैं, इसलिए एग्जिट पोल के अनुमान हमेशा सही साबित नहीं होते। एग्जिट पोल वास्तव में कुछ और नहीं बल्कि वोटर का केवल रुझान होता है, जिसके जरिये अनुमान लगाया जाता है कि नतीजों का झुकाव किस ओर हो सकता है। एग्जिट पोल के दावों का ज्यादा वैज्ञानिक आधार इसलिए भी नहीं माना जाता क्योंकि ये कुछ हजार लोगों से बातचीत करके उसी के आधार पर तैयार किए जाते हैं। वास्तव में ये सिर्फ अनुमानित आंकड़े होते हैं और कोई जरूरी नहीं कि मतदाता ने सर्वेकताओं को अपने मन की सही बात ही बताई हो। यही कारण है कि एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को लेकर अकसर सवाल उठते रहे हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

आज देश विश्वास और आत्मविश्वास से भरा है। हर सेक्टर में मेड इन इंडिया की धूम है। हमारी सेनाओं की अधिकतर जरूरतें भी मेड इन इंडिया अस्त्र-शस्त्र से ही पूरी की जा रही हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों को लाभ मिल रहा है। यह विपक्ष को पचता नहीं है। सभी माननीय विधायकों को इस अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया गया है। मगर विपक्ष के लोग, आमजन को लाभ मिलने वाले अभियान से दूर रहते हैं। आज यहां भी नहीं आये हैं। विपक्ष के लोग दूर से पत्थर फेंकने का काम करते हैं। बने हुए खाने पर मिट्टी तेल छिड़कने का काम करते हैं। और भ्रष्टाचार का झूठ फैलाते हैं। पूर्व की सरकारों ने 20 साल यहां की जनता को हक-अधिकार से दूर रख उन्हें ठगने का काम किया। जबकि हम लोगों ने हक-अधिकार की इतनी गाढ़ी लंबी लकीर खींची है कि इस लकीर को मिटा पाना इतना आसान नहीं है। मिलकर हम राज्य को आगे ले जाने का काम करेंगे।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

बेतहाशा महंगी होतीं उड़ान सेवाएं

घरेलू एयरलाइनों मनमानी हवाई जहाज के यात्रियों को रुलाने का कारण बन रही है। भारत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता विमानन बाजार है। इसकी आधा दर्जन एयरलाइंस लगभग 700 विमान संचालित करती हैं, जो प्रतिदिन तीन हजार उड़ानों में लगभग पांच लाख यात्रियों को ढोती हैं। लेकिन वे वस्तुतः मवेशी श्रेणी में उड़ते हैं। उन्हें टिकट से लेकर हर चीज के लिए अधिक भुगतान के लिए मजबूर किया जाता है। कथित बजट एयरलाइंस इतनी संवेदनहीन हो गयी हैं कि हैंड बैग का भार सीमा से मामूली अधिक होने पर भी यात्री को उतार देती हैं। हालांकि यात्राओं की गति बढ़ गयी है, पर यात्रियों को घटिया सेवा मिल रही है और शिकायत करने पर जहाज से उतारने की धमकी दी जाती है। हाल ही में, भारत के सबसे सफल हास्य कलाकार कपिल शर्मा जैसे सेलिब्रिटी को भी हवाई अड्डे की बस में इंतजार करना पड़ा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, पहले आपने हमें 50 मिनट बस में इंतजार कराया, और अब आपकी टीम कह रही है कि पायलट ट्रैफिक में फंस गया है। क्या आपको लगता है कि ये 180 यात्री फिर से इंडिगो में उड़ान भरेंगे? कभी नहीं। अगले दिन, स्पाइसजेट से दिल्ली से पटना जाने वाले यात्रियों को सात घंटे तक दिल्ली हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा क्योंकि उनका विमान नहीं आया था। जब से टाटा ने एयर इंडिया का अधिग्रहण किया है, उसकी अन्य कंपनियों- विस्तारा और एयर एशिया ने मार्गों को निर्धारण ऐसे किया है कि यात्रियों के लिए विकल्प कम हो गये हैं। उदाहरण के लिए, एयर इंडिया ने कुछ आकर्षक गंतव्यों के लिए अपनी उड़ानों की संख्या कम कर दी है ताकि विस्तारा अधिक किराया ले सके। भारतीय यात्रियों पर दोहरी मार पड़ी हैः बढ़ता किराया और गिरती गुणवत्ता। भारतीय आसमान एयरलाइनों की मुनाफाखोरी का अड्डा बन गया है, जिस पर सरकार और उसकी नियामक एजेंसियों का कोई नियंत्रण नहीं है। हवाई सफलता को उभरते हुए नये भारत का संकेत माना जा रहा है, लेकिन गुणवत्ता और विश्वसनीयता गिरने से इंजन में दिक्कत आ गयी है। जेट और गो फर्स्ट जैसी कई एयरलाइनें नियामक विफलता और वित्तीय धोखाधड़ी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी हैं। ऐसे में सीट की कमी से हो रहे यात्रियों के दर्द से एयरलाइनों को फायदा हो रहा है। तकनीकी कारणों से 100 से अधिक विमान खड़े हैं। फिर भी प्रति विमान यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। भारत में घरेलू हवाई किराये में दुनिया में सबसे ज्यादा उछाल देखा गया है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल एशिया-पैसिफिक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत में हवाई किराये में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (34 प्रतिशत), सिंगापुर (30 प्रतिशत) और ऑस्ट्रेलिया (23 प्रतिशत) का स्थान है। वर्ष 1994 में एयर कॉर्पोरेशन अधिनियम के निरस्त होने के बाद सरकार ने हवाई किरायों का नियमन बंद कर दिया। तब से, उद्योग में संकट के दौरान भी, शोषणकारी मूल्य निर्धारण से एयरलाइनें फली-फूली हैं। कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) ने 2023-24 की पहली तिमाही के लिए 3,090 करोड़ रुपये का अब तक का अपना सबसे अधिक मुनाफा घोषित किया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 1,064 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। अप्रैल और जून के बीच मुनाफा 236 प्रतिशत तक बढ़ गया। इंडिगो का 320 विमानों का बेड़ा 110 से अधिक गंतव्यों को जोड़ने वाली 1,900 उड़ानों में प्रतिदिन हर दस यात्रियों में से छह को ढोता है। पिछले एक दशक में इसने 60 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। साल 2021-22 में इससे 4.67 करोड़ यात्री उड़े। यह संख्या 2022-23 में बढ़कर 8.52 करोड़ हो गयी। जाहिर तौर पर, लगभग 50 जहाज खड़े होने के बाद भी इसने अपने सिकुड़ते बेड़े का दोहन किया है तथा यात्रियों से अतिरिक्त शुल्क वसूला है।

मिजोरम का फैसला

सारा ध्यान चार राज्यों पर ही था, इसलिए पूर्वोत्तर के छोटे से राज्य मिजोरम की चर्चा हमारे चुनावी-विमर्श में बहुत ज्यादा जगह नहीं पा सकी। यहां मतगणना एक दिन बाद होने से नतीजे व्यापक चर्चा में जगह पा सके हैं। शुरू से ही मिजो लोगों का जो रुख था, वह यही बता रहा था कि इस राज्य में सत्ता-परिवर्तन लगभग तय है। पिछले चुनाव के कुछ पहले ही बनी पार्टी जोराम पीपुल्स मूवमेंट, यानी जेडपीएम को काफी समय से आगे बताया जा रहा था। हालांकि, इसमें शक था कि वह अपने बूते सरकार बना पाने की स्थिति में शायद न रहे और उसे कांग्रेस का समर्थन लेना पड़े, पर ऐसी नौबत नहीं आई। बाकी चारों राज्यों की तरह ही मिजोरम की जनता ने भी स्पष्ट जनादेश दिया और जेडपीएम को बहुमत से कहीं ज्यादा सीटें दे दीं। यह विधानसभा चुनाव उस समय हुआ है, जब पड़ोसी राज्य मणिपुर पिछले लंबे समय से जातीय हिंसा में झुलस रहा है और उसकी आंच मिजोरम के राजनीतिक तेवर में लगातार झलकती रही है। एक तरफ, मणिपुर से जान बचाकर भागे हजारों कुकी लोगों ने मिजोरम में शरण ली हुई है, तो दूसरी तरफ, यह समस्या राज्य के राजनीतिक समीकरणों में भी उलट-पुलट कर रही है। पिछले पांच साल में यहां मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार थी, जो इसके साथ ही केंद्र में एनडीए गठजोड़ का हिस्सा थी, लेकिन मणिपुर समस्या ने फ्रंट को एक तरह से इस गठजोड़ से अलग कर दिया। जब इस मुद्दे पर विपक्षी दल नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ अवश्विास प्रस्ताव लेकर आए, तो फ्रंट के एकमात्र सांसद ने इस पर विपक्ष के साथ वोट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी पार्टी के नेता यही कहते रहे कि उनका भाजपा से कोई नाता नहीं है। वैसे, यह राजनीति भी काम नहीं आई और अपने निर्वाचन क्षेत्र में मुख्यमंत्री जोराम थंगा भी चुनाव हार गए। हालांकि, कारण सिर्फ मणिपुर की समस्या नहीं है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बाइक-टैक्सी स्टार्टअप रैपिडो ने इंट्रा-सिटी मोबिलिटी सॉल्यूशन के साथ कैब बिजनेस में की एंट्री

नई दिल्ली।

बाइक-टैक्सी स्टार्टअप रैपिडो ने मंगलवार को रैपिडो कैब्स के साथ इंट्रा-सिटी, सास-बेस्ड मोबिलिटी सॉल्यूशन लॉन्च करने के साथ कैब बिजनेस में अपनी स्ट्रैटेजिक एंट्री की घोषणा की।रैपिडो ने मंगलवार को रैपिडो कैब्स के साथ इंट्रा-सिटी, सास-आधारित गतिशीलता समाधान लॉन्च करने के साथ कैब व्यवसाय में अपनी रणनीतिक प्रविष्टि की घोषणा की। बाइक टैक्सियों में 60 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ, स्टार्टअप ने रैपिडो कैब्स के साथ अपने पदचिह्न का विस्तार किया है, जिसमें 1 लाख वाहनों का शुरुआती बेड़ा पेश किया गया है। रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने कहा, हमारा इनोवेटिव सास-बेस्ड प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर्स के साथ कमीशन शेयरिंग करने की लगातार चुनौती से निपटते हुए, ड्राइवरों के लिए कमीशन सिस्टम में क्रांतिकारी बदलाव लाता है। यह अग्रणी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि ड्राइवरों को केवल मिनिमल सॉफ़्टवेयर यूजेस फीस देना होगा, जो इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। सास-बेस्ड प्लेटफॉर्म मार्केट पर नियंत्रण स्थापित किए बिना ड्राइवरों और ग्राहकों को जोड़ता है। रैपिडो इकोसिस्टम के भीतर, ड्राइवर रैपिडो के किसी भी हस्तक्षेप से मुक्त होकर ग्राहकों से सीधे पेमेंट लेते हैं। ड्राइवरों को सब्सक्रिप्शन फीस का भुगतान करना आवश्यक है। कंपनी ने कहा कि रैपिडो ऐप से 10,000 रुपये की कमाई तक पहुंचने पर ड्राइवरों को 500 रुपये की मामूली सब्सक्रिप्शन फीस देनी होगी। रैपिडो ने कहा, ÷साथ ही, यात्रियों को कैब सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी किराए से लाभ होता है, क्योंकि सास-आधारित

प्लेटफॉर्म विभिन्न आवागमन समाधानों को एक सिंगल, यूजर-फ्रेंडली ऐप में समेकित करता है। रैपिडो, जिसकी स्थापना 2015 में हुई थी, अब 100 से अधिक शहरों में काम करता है और इसके 25 मिलियन से अधिक ऐप डाउनलोड हैं। ट्रैक्सन पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, रैपिडो ने कुल 324 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। पिछले साल अप्रैल में कंपनी ने ऑनलाइन फूड डिलीवरी सर्विस स्विगी के नेतृत्व में 180 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

एनपीए मुद्दे पर सीतारमण ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा- 'भारत अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था'

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सरकार की गैर-निष्पादित संपत्तियों (एनपीए) से निपटने के तरीके पर सवाल उठाने वाले विपक्षी सांसदों को पहले यह पहचानना चाहिए कि भारत अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।वित्त मंत्री ने कहा कि 1 दिसंबर तक 15,186.64 करोड़ रुपये की संपत्ति ईडी ने जब्त की है। राज्यसभा में चर्चा के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा, 'फ़ोन बैंकिंग' उस समय की बात है जब लोग बैंकों को फ़ोन करके कहते थे कि व्यक्ति आपके बैंक से कर्ज़ (लोन) मांगने आएगा, कृपया दे दो।'

मतलब यह कि उनकी पात्रता आदि देखने की कोई जरूरत नहीं है, और लोन अवश्य दिया जाना चाहिए।वित्त मंत्री ने कहा समस्या की जड़ 2004 से 2014 के बीच यूपीए शासन के 10 वर्षों के दौरान थी, जब ऐसे लोगों को लोन देने के लिए फोन किए गए थे, जो लोन पाने के योग्य नहीं थे। भारतीय बैंकों के सुधारों के साथ व्यवस्थित करने का बोझ हम पर आ गया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मेरे पूर्ववर्ती अरुण जेटली समेत हम सभी के साथ बैठे। हमने यह समझने में काफी समय बिताया कि समस्या कहां है और आरबीआई के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने यह भी कहा कि तो 'फोन बैंकिंग' वह तरीका था, जिसके माध्यम से राजनीतिक हस्तक्षेप ने हमारे सभी बैंकों को बर्बाद कर दिया और उन्हें घाटे की स्थिति में पहुंचा दिया। इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'सबसे पहले यह देखा जाना चाहिए कि एनपीए में किसका योगदान है और भारतीय बैंकों को वास्तव में दोहरी बैलेंस-शीट की समस्या है, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'कमजोर 5' में पहुंचा दिया। आज भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जिसने पिछली तिमाही में 7.6 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर दर्ज की है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, जानबूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों से निपटने के लिए क्या अतिरिक्त और विशेष कदम उठाए जा रहे हैं? रमेश ने यह भी कहा कि 2,623 व्यक्तियों पर बैंकों का 1.96 लाख करोड़ रुपये बकाया है। क्या वह उनका नामकरण करने और उन्हें शर्मिंदा करने पर विचार करेंगी?

इस पर सीतारमण ने जवाब दिया, विलफुल डिफॉल्टर्स पर कार्रवाई की जा रही है।

मौद्रिक नीति : आरबीआई बरकरार रख सकता है रेपो रेट

चेन्नई ।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और बैंक ऑफ बरौदा के अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखने की संभावना है और इस वित्तीय वर्ष में इसमें कोई परिवर्तन नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आरबीआई की एमपीसी अपनी आगामी बैठक में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पूर्वानुमान को संशोधित करेगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी केयर रेटिंग्स के मुताबिक, आरबीआई 6.5 फीसदी पर रेपो रेट के साथ अपनी रोक जारी रखेगा। रेपो रेट वह दर है जिस पर बैंक आरबीआई से उधार लेते हैं। केयर रेटिंग्स ने कहा, पहली छमाही में आर्थिक उत्पादन में मजबूत विस्तार के साथ आर्थिक परिदृश्य में काफी सुधार हुआ है, जिससे दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। आरबीआई वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने पहले के विकास अनुमानों को लगभग 20-30 बीपीएस तक संशोधित कर सकता है।हालांकि कुछ क्षेत्रों में, विशेषकर ग्रामीण मांग में, विशिष्ट चुनौतियां बनी हुई हैं। केयर रेटिंग्स के अनुसार, उम्मीद से कम ख़रीफ़ उत्पादन और रबी की बुआई के कारण कृषि विकास दर धीमी बनी हुई है। मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ है, लेकिन खाद्य कीमत चिंता का कारण बनी हुई है। कृषि उत्पादन में गिरावट से मुद्रास्फीति के आंकड़ों में अतिरिक्त वृद्धि का जोखिम पैदा हो सकता है। मुद्रास्फीति पर सतर्क रहते हुए आरबीआई द्वारा आर्थिक वृद्धि को समर्थन जारी रखने की संभावना है। केयर रेटिंग्स ने कहा, हमारा अनुमान है कि आरबीआई अपनी नीतिगत दरों और रुख को अपरिवर्तित रखेगा। हमें इस वित्तीय वर्ष में आरबीआई द्वारा दरों में कोई और बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। आईसीआरए लिमिटेड की अदिति नायर ने कहा, वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी डेटा एमपीसी के पिछले पूर्वानुमान की तुलना में काफी अधिक है, और खाद्य मुद्रास्फीति के विभिन्न पहलुओं पर जारी चिंताओं के साथ, हम उम्मीद करते हैं कि एमपीसी दिसंबर 2023 की समीक्षा में रोक को जारी रखेगी। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, जीडीपी में दूसरी तिमाही में देखी गई उच्च वृद्धि यह आश्वासन देती है कि अर्थव्यवस्था पटरी पर है।

पिछले कुछ महीनों में कम मुख्य मुद्रास्फीति के आंकड़े इस बात की तसल्ली देंगे कि दरें बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है, जबकि हेडलाइन मुद्रास्फीति के अस्थिर होने की संभावना है।

अगले दो दिनों तक निवेशकों को बाजार में सतर्क रहने की सलाह

नई दिल्ली।

व्यापक रैली के बावजूद, शेयर बाजार में डर बना हुआ है। रुपीज़ी के निदेशक और वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक शीर्शम गुप्ता का कहना है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक तक व्यापारियों को अगले दो दिनों तक सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।उन्होंने कहा, बाजार पहले से ही गर्म है और नीति में बदलाव या प्रतिकूल टिप्पणी से बाजार में तीखी प्रतिक्रिया हो सकती है। निफ्टी मंगलवार को फिर उछला, जो फंड-आधारित खरीद की ताकत को दर्शाता है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिटेल रिसर्च प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, निकट अवधि में बाजार में करेक्शन हो सकता है। हम इस बात पर नजर रखेंगे कि क्या अगले कुछ सत्रों में क्रमिक बढ़ोतरी होती है। बढ़त 20,910 तक जारी रह सकती है। इस स्तर के टूटने से निफ्टी अगले कुछ हफ्तों में 21,558 तक पहुंच सकता है। गिरावट होने पर,

20,508 का अंतर स्तर समर्थन प्रदान कर सकता है। निफ्टी में 7 दिसंबर से हल्की गिरावट शुरू होने की पूरी संभावना है। मंगलवार को निफ्टी लगातार छठे सत्र में ऊंचे स्तर पर बंद हुआ। अंत में निफ्टी 0.81 फीसदी या 168.3 अंक ऊपर 20,855.1 पर था। एफपीआई सहित संस्थानों की बढ़ती गतिविधि के बीच एनएसई पर नकदी की मात्रा 1.2 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई। उन्होंने कहा, व्यापक बाजार सूचकांक निफ्टी की तुलना में कम बढ़े, जबकि अग्रिम गिरावट अनुपात 0.91:1 तक गिर गया।

भारत 2030 तक विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर: एसएंडपी

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के मंगलवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार भारत 2026-27 में अनुमानित 7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के साथ 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है और हमें उम्मीद है कि भारत अगले तीन वर्षों में सबसे तेज विकास करने वाला अर्थव्यवस्था होगा।

एसएंडपी ने कहा कि 2023-24 में भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने की उम्मीद है और 2024-25 में विकास दर 6.4 फीसदी होगी। इसके बाद अगले साल 6.9 फीसदी और 2026-27 में 7 फीसदी की तेजी आने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक मजबूत लॉजिस्टिक्स ढांचा भारत को सेवा-प्रधान अर्थव्यवस्था से विनिर्माण-प्रमुख अर्थव्यवस्था में बदलने में महत्वपूर्ण होगा।

श्रम बाजार की संभावनाओं को अनलॉक करना काफी हद तक श्रमिकों के कौशल को बढ़ाने और कार्यबल में महिला भागीदारी बढ़ाने पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन दोनों क्षेत्रों में सफलता भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का एहसास करने में सक्षम बनाएगी। एसएंडपी को यह भी उम्मीद है कि अगले दशक में भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में विस्तार को बढ़ावा देने के लिए घरेलू डिजिटल बाजार में तेजी आएगी, खासकर वित्तीय और उपभोक्ता प्रौद्योगिकी में। रिपोर्ट भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्र को लेकर भी आशावादी है और उम्मीद करती है कि बुनियादी ढांचे, निवेश और नवाचार के आधार पर देश के ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा।

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने वैश्विक बैंकों के संघ से 1.36 अरब डॉलर जुटाए

मुंबई । अडाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय बैंकों के एक संघ से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। एजीईएल के अनुसार मार्च 2021 में प्रारंभिक परियोजना वित्तपोषण के बाद से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर के

वित्त पोषण से कंपनी का कुल कोष बढ़कर तीन अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। हरित ऋण सुविधा गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के विकास को सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बयान के अनुसार, खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क न केवल 2030 तक 45 गीगावॉट परिचालन नवीकरणीय क्षमता हासिल करने के एजीईएल के दृष्टिकोण को सक्षम करेगा, बल्कि शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में भारत की यात्रा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली ।

देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां आर्डर मिलने और काम पूरा करने की धीमी रफ्तार के कारण नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक नवंबर में एक साल के निचले स्तर 56.9 पर पहुंच गया। यह अक्टूबर में 58.4 था। मासिक आधार पर गिरावट के बावजूद विस्तार की दर इसके दीर्घकालिक औसत से अधिक मजबूत है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों पर आधारित है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा कि भारत के सेवा क्षेत्र ने तीसरी वित्त तिमाही के मध्य में ही वृद्धि की गति खो दी। हालांकि हम सेवाओं की मजबूत मांग देख रहे हैं जिससे नए आर्डर मिलने और काम पूरा करने की गति बढ़ेगी। कीमतों की बात करें तो कच्चे माल और काम पूरा करने की दरें आठ महीने के निचले स्तर पर फिसल गईं। रोजगार के मोर्चे पर सेवा कंपनियों ने कारोबार के मुख्य तौर पर स्थिर स्तर पर रहने से नई भर्तियां रोकी हैं। इस बीच एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट सूचकांक नवंबर में 57.4 रहा, जो अक्टूबर में 58.4 था।

2023 में चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी मात्रा 120 अरब से अधिक पहुंची

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रीय पोस्ट ब्यूरो द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 4 दिसंबर तक वर्ष 2023 में चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी मात्रा 120 अरब से अधिक पहुंची, जो नया रिकार्ड है। वर्ष 2021 के बाद से, चीन में एक्सप्रेस पैकेज की वार्षिक मात्रा लगातार तीन वर्षों तक एक खरब से अधिक रही है। यह पहली बार है कि एक्सप्रेस पैकेज की मात्रा 1 खरब 20 अरब से अधिक पहुंची। यह चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी बाजार की समृद्धि और उपभोक्ता बाजार में निरंतर सुधार को दर्शाता है। इस साल से, चीन की अर्थव्यवस्था में लगातार सुधार हुआ है और उत्पादन व उपभोग की मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है। इस वर्ष के पहले 10 महीनों में, चीन में वस्तुओं की ऑनलाइन खुदरा बिक्री 103 खरब 10 अरब युआन तक पहुंच गई, जो 8.4 प्रतिशत की वृद्धि है और चीन के उपभोक्ता वस्तुओं की कुल खुदरा बिक्री का 26.7 प्रतिशत है। चीन में सेवा उपभोग की तीव्र वृद्धि ने एक्सप्रेस डिलीवरी व्यवसाय की मात्रा को बड़ी छलांग लगाने में सक्षम बनाया है। आंकडों से पता चलता है कि इस साल के मार्च के बाद से, चीन की एक्सप्रेस डिलीवरी मात्रा एक महीने में 10 अरब से अधिक हो गई है, जबकि औसत मासिक व्यापार राजस्व 90 अरब युआन से अधिक हो गया है, जो नया रिकॉर्ड है। इस नवंबर में, पीक सीज़न में प्रवेश करने के बाद से, चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी उद्योग उच्च स्तर पर काम करता रहा। 1 नवंबर से 16 नवंबर तक, पूरे चीन में एक्सप्रेस पैकेज की मात्रा 7.767 अरब पहुंची, जिसमें साल-दर-साल 25.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक्सप्रेस पैकेज की औसत दैनिक मात्रा 43 करोड़ से अधिक पहुंची।

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी सेंसेक्स और निफ्टी अपने शीर्ष स्तर पर हुए बंद

मुंबई ।

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की शानदार जीत से उत्साहित शेयर बाजार लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर बंद हुआ। अमेरिका के मुख्य आर्थिक आंकड़े जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में नरमी के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखी गई।

बता दें कि चुनावी नतीजे आने के बाद से बाजार अपने दो ट्रेडिंग सेशन में 1,815 अंक चढ़ चुका है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 431.02 अंक की छलांग के साथ 69,296.14 अंक पर बंद हुआ। यह सेंसेक्स का आज तक का सबसे हाई लेवल है। सेंसेक्स की 20 कंपनियों के शेयर जहां ग्रीन निशान में बंद हुए, वहीं दस के शेयर गिरावट में बंद हुए। इसतरह, एनएसई का निफ्टी-50 भी 168.30 अंक की बढ़त लेकर 20,855.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ, जो इसका नया रिकॉर्ड लेवल है। सेंसेक्स इंडेक्स में पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 4.46 प्रतिशत का उछाल लेकर बंद हुआ। एनटीपीसी का शेयर 3.89 फीसदी, एसबीआई का शेयर 2.31 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 2.28 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। साथ ही लाभ पाने वाले अन्य शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन और मारुति भी शामिल हैं। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक, इंफोसिस, आईटीसी, विप्रो और बजाज फाइनेंस के शेयर गिरावट लेकर बंद हुए। बीएसई में लिस्टेड

कंपनियों का बाजार पूंजीकरण मंगलवार को 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़कर 350 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया।

वहीं शेयर बाजार में उछाल के तीन प्रमुख कारण रहे

पहला भारतीय जनता पार्टी की तीन राज्यों में बंपर जीत के बाद पावर और यूटिलिटी सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी। दूसरा, पिछले सप्ताह जारी पॉजिटिव मेक्रो इकोनॉमिक डेटा के बाद विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाजार में निवेश। रिजर्व बैंक के अपनी द्विमासिक मौद्रिक बैठक में ब्याज दरों को पिछली बार के अनुरूप बनाए रखने के अनुमान ने भी बाजार में तेजी को समर्थन दिया।

स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने सोमवार को 2,073.21 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

मॉयल का अयस्क उत्पादन अप्रैल-नवंबर में बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 43 प्रतिशत बढ़कर 10.88 लाख टन रहा।मॉयल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि एक साल पहले इसी अवधि में उसने 7.58 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया था।पिछले महीने, उत्पादन 1.62 लाख टन था, जो नवंबर 2022 में 1.20 लाख टन के मुकाबले 35 प्रतिशत अधिक है।संचयी बिक्री 9.45 लाख टन रही, जो पिछले वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के 6.23 लाख टन से 52 प्रतिशत अधिक है।नवंबर 2023 में कंपनी ने 1.01 लाख टन की बिक्री दर्ज की, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह बिक्री 0.86 लाख टन की हुई थी।

ओएनजीसी मई में वाणिज्यिक तेल उत्पादन शुरू करेगी: मंत्री

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एवं नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) अगले साल मई में कृष्णा गोदावरी बेसिन में गहरे सागर में स्थित अपनी प्रमुख परियोजना से कच्चे तेल का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेगी। यह जानकारी राज्यसभा को दी गई। एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने कहा कि ओएनजीसी की केजी बेसिन परियोजना, केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2,चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में आता है। परियोजना कार्यान्वयन में कई चुनौतियों और मुद्दों के कारण देरी हुई है। उन्होंने कहा कि कंपनी अगले साल मई में कृष्णा गोदावरी बेसिन में गहरे सागर में स्थित अपनी प्रमुख परियोजना से कच्चे तेल का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेगी।

पिछले 8 सत्रों में एफआईआई ने की 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध खरीददारी

नई दिल्ली।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका का कहना है कि पिछले आठ कारोबारी सत्रों में एफआईआई ने 17,133 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीददारी की है।निफ्टी ने लगातार छठे दिन बढ़त का सिलसिला जारी रखा और 168 अंक (प्लस 0.8 फीसदी) की बढ़त के साथ 20,855 पर बंद हुआ। उन्होंने कहा कि धातु, बैंकिंग, तेल एवं गैस और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं शीर्ष लाभ में रहे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के बाद अमेरिकी एजेंसी के इस निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद कि अडानी समूह के खिलाफ आरोप सही नहीं थे, इसके शेयरों में तेजी देखी गई। ओपेक प्लस द्वारा अपने उत्पादन में कटौती को कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली तिमाही तक बढ़ाने के बाद ऑयल कंपनियां भी फोकस में थीं। वैश्विक और घरेलू बाजारों ने शानदार वापसी की। निवेशक आश्वस्त रहे कि दर-वृद्धि का चक्र समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि मजबूत संस्थागत प्रवाह और आर्थिक आंकड़ों के चलते सेंटीमेंट्स पॉजिटिव है। बोनान्ज़ा पोर्टफोलियो के रिसर्च एनालिस्ट वैभव विदवानी का कहना है कि निफ्टी एनर्जी और निफ्टी मेटल

क्रमशः 3.24 फीसदी और 3.07 फीसदी की बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर में से थे। नवंबर 2023 के साधारण आर्थिक आंकड़ों के बावजूद आज (मंगलवार) बाजार थोड़ा सकारात्मक रहा। भारत की सेवा पीएमआई 58 की भविष्यवाणी से कम होकर 56.9 पर आ गई। हालांकि, कच्चे तेल की कीमत में गिरावट ने नकारात्मक प्रभावों को कम कर दिया। उन्होंने कहा कि आरबीआई द्वारा इस सप्ताह के अंत में अपनी मौद्रिक नीति की घोषणा करने से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं।

एयर इंडिया ने अपने दो डाटा केंद्र बंद किए

नई दिल्ली । सार्वजनिक विमानन कंपनी एयर इंडिया ने अपने दो डाटा केंद्र बंद कर दिए हैं और अपने कम्प्यूटेशनल कार्यभार को क्लाउड पर स्थानांतरित कर दिया है। यह एक ऐसा कदम जिससे नुकसान में चल रही एयरलाइन को सालाना लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर बचाने में मदद मिलेगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उसने मुंबई और नई दिल्ली में स्थित अपने डाटा केंद्रों को बंद करके सफलतापूर्वक उसे क्लाउड-ओनली आईटी बुनियादी ढांचे पर स्थानांतरित कर दिया है। कंपनी ने कहा कि डाटा केंद्रों के बंद होने से हर साल करीब 10 लाख डॉलर की बचत होगी। क्लाउड पर स्थानांतरित होने की प्रक्रिया को अमेरिका में सिलिकॉन वैली और भारत में गुरुग्राम तथा कोच्चि में एयर इंडिया के कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित किया गया। एयर इंडिया के मुख्य डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी सत्य रामास्वामी ने कहा कि हमने एयर इंडिया की बदलाव यात्रा में सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस, प्लेटफॉर्म-एज-ए-सर्विस और इंफ्रास्ट्रक्चर-एज-सर्विस पद्धतियों का एक रणनीतिक मिश्रण अपनाया है। इससे हमें तेजी से नवाचार की ओर बढ़ने का मौका मिलेगा। एयर इंडिया ने पांच साल की बदलाव योजना शुरू की है। टाटा समूह ने पिछले साल जनवरी में कंपनी का अधिग्रहण कर लिया था।

चेन्नई में फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और हुंदै ने विनिर्माण रोका

नई दिल्ली । आईफोन के विनिर्माण से जुड़ीं फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन के साथ वाहन विनिर्माता हुंदै से हित विभिन्न कंपनियों ने चक्रवाती तूफान से उत्पन्न हुए हालात में तमिलनाडु में अपनी विनिर्माण गतिविधियां रोक दी हैं। चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' ने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई और उसके नजदीकी इलाकों में कहर बरपाया। इससे शहर में पानी भरने के साथ उड़ानों और ट्रेनों का आवागमन भी बुरी तरह बाधित हुआ है। जानकारी के मुताबिक, ऐसे हालात में चेन्नई और उसके आसपास मौजूद कई कारखानों ने अस्थायी रूप से परिचालन निलंबित कर दिया है। संपर्क करने पर हुंदै मोटर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि चेन्नई और आसपास के जिलों में मौजूदा चक्रवाती परिस्थितियों में हुंदै मोटर इंडिया की श्रीपेरुंबदूर इकाई में कारखाना संचालन (सभी शिफ्ट) को सोमवार को निलंबित कर दिया गया था। हालांकि, इस संबंध में फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन से कोई जवाब नहीं मिला है।

डिजास्टर मैनेजमेंट एक बेहतर केरियर

आ इन्सान को गहरी चोट देती हैं। जबरदस्त नुकसान पहुंचाती हैं। मानव जीवन और धन-सम्पत्ति को भी नष्ट करती हैं। आपदाओं की चपेट में आने वाली जिन्दगी पटरी से इस तरह उतरती है, जिसे वापस अपने ट्रेक पर आने में काफी लम्बा समय लग जाता है। लेकिन महत्वपूर्ण बात है कि जिन्दगी पटरी पर तब लौटेगी, जब यह बची रहेगी। आपदाओं के बीच संघर्ष कर लोगों की जिन्दगियां बचाने का काम करते हैं डिजास्टर मैनेजमेंट में पारंगत लोग। आजकल प्राकृतिक और मानवीय कारणों से आने वाली आपदाओं की संख्या बहुत बढ़ गई है। इसीलिए सरकार, एनजीओ और अनेक निजी संस्थान आपदा प्रबंधन को बढ़ावा दे रहे हैं। यही कारण है कि इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है।

वैसे तो आपदाओं की चपेट में पूरी दुनिया ही आ जाती है, लेकिन भारत इस मामले में ज्यादा संवेदनशील है। वजह चाहे प्रबंधन कला की कमजोरी हो या फिर कुछ और परन्तु नुकसान हमेशा यहां ज्यादा ही होता है। एक अनुमानित आंकड़ा बताता है कि पिछले बीस सालों में पूरे विश्व में जमीन खिसकने, भूकंप बाढ़ सुनामि, बर्फ की चट्टान सरकने और चक्रवात जैसी आपदाओं में लगभग तीस लाख से अधिक लोगों की जान चली गई। यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि विश्व भर में आई प्राकृतिक आपदाओं में लगभग 80 प्रतिशत विकासशील देशों के हिस्से पड़ीं। देश की साठ से अधिक फीसदी खेती योग्य जमीन सूखे की आशंका की जद में है। वहीं कुल जमीन का 55 फीसदी हिस्सा भूकम्प के प्रति संवेदनशील है, 16 प्रतिशत बाढ़ और 10 प्रतिशत चक्रवात के लिए।

ह मे शा पदाएं

काम

इनका काम बेहद महत्वपूर्ण होता है। डिजास्टर मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स आपदा के शिकार लोगों की जान बचाने और उन्हें मुख्य धारा में फिर से वापस लाने का काम करते हैं। इसके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारें आवश्यक धन उपलब्ध कराती हैं। इन सबसे मुख्य सरकारी एजेंसी के रूप में गृह मंत्रालय बड़ी भूमिका निभाता है। वह आपदा के समय डिजास्टर मैनेजमेंट का कार्य सम्भालता है। कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय सूखे और अकाल के वक्त अपनी जिम्मेदारियां निभाता है। वहीं अन्य विपदाओं के लिए दूसरे मंत्रालय भी जिम्मेदार होते हैं, जैसे-हवाई दुर्घटनाओं के लिए सिविल एविएशन मिनिस्ट्री, रेल दुर्घटनाओं के लिए रेल मंत्रालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा मंत्रालय आदि भी विभिन्न प्रकार की विपदाओं के समय जिम्मेदारियां निभाते हैं। डिजास्टर मैनेजमेंट में प्रशिक्षित लोग आपदा के वक्त किसी देवदूत की तरह लगते हैं।

भारत सरकार ने इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की है। मानव संसाधन मंत्रालय ने दसवीं पंचवर्षीय परियोजना में डिजास्टर मैनेजमेंट को स्कूल और प्रोफेशनल एजुकेशन में शामिल किया था। वर्ष 2003 में पहली बार के न्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई ने आठवीं कक्षा के सामाजिक विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम में इसे जोड़ा। फिर आगे की

कक्षाओं में और सरकारी व गैर सरकारी उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में भी डिजास्टर मैनेजमेंट की पढ़ाई होने लगी।

इसके अलावा देश के कई प्रबंधन संस्थान डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफि केट से लेकर पीजी डिप्लोमा लेवल के कोर्स संचालित करते हैं। वहीं कई विश्वविद्यालिय डिग्री लेवल कोर्स भी आफर कर रहे हैं। डिजास्टर मैनेजमेंट के कोर्स रेगुलर और डिस्टेंस लर्निंग के माध्यम से भी किया जा सकता है।

योग्यता

इसके सर्टिफिकेट कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 पास है, जबकि मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा के लि योग्यता स्नातक है। इस कोर्स में एडमीशन लेने वालों में हर परिस्थिति में काम करने का जब्जा होना एक आवश्यक गुण है। विषम परिस्थितियों से निबटने की समझ, बड़े हादसों को देखने के बावजूद संयमित होकर सबकुछ मैनेज करने का गुण काफी महत्वपूर्ण होता है। प्रवेश देने से पूर्व कैंडीडेट में उपरोक्त गुणों को परखा जाता है। कुछ संस्थान प्रोफेशनल के लिए भी सर्टिफिकेट कोर्स चलाते हैं।

पाठ्यक्रम

डिजास्टर मैनेजमेंट के तहत रिस्क असेसमेंट एंड प्रिवेंटिव स्ट्रेटजीज, लेजिस्लेटिव स्ट्रक्चर्स फॉर क ंट्रोल ऑफ डिजास्टर मिटिगेशन, एप्लिकेशन आफ जीआईएस इन डिजास्टर मैनेजमेंट, रेस्क्यू आदि विषय आते हैं। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में स्पेशलाइजेशन भी किया जा सकता है, जैसे- माइनिंग, कैमिकल डिजास्टर और टेक्निकल डिजास्टर वगैरह।

अवसर

आमतौर पर इनको सरकारी नौकरियों और आपातकालीन सेवाओं में अवसर मिलता है। साथ ही लॉ इन्फोर्समेंट, लोकल अथॉरिटीज, रिजीज एजेंसीज और गैर सरकारी प्रतिष्ठानों में जॉब की अच्छी सम्भावना होती है। इसके अलावा यूनाइटेड नेशन जैसी अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों में भी नौकरी मिल सकती है।

इसके साथ ही केमिकल, माइनिंग, पेट्रोलियम जैसी रिस्क इंडस्ट्रीज में भी आपको जॉब मिल सकता है। आम तौर पर इन इंडस्ट्रीज में डिजास्टर मैनेजमेंट सेल होता है। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं रेडक्रॉस और यूएन प्रतिष्ठान भी प्रशिक्षित पेशेवर को काम पर रखते हैं। अनुभव हासिल करने के बाद खुद की कम्पनी या फिर एजेंसी भी खोली जा सकती है। यह बेहद जिम्मेदारी से भरा कार्य है। इसमें कैंडीडेट का तेज दिमाग के साथ-साथ शारीरिक रूप से फिट होना भी काफी मायने रखता है। आग, पानी और विभिन्न आपदाओं से निबटने का हौसला होना ही चाहिए। इस क रियर को समाज सेवा का दूसरा रूप माना जाता है।

संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी इग्नू नई दिल्ली,
- नार्थ बंगाल यूनिवर्सिटी, दार्जिलिंग,
- इंटरनेशनल सेंटर ऑफ मद्रास यूनिवर्सिटी, चेन्नई,
- सिक्किम मनिपाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ,
- मेडिकल एंड टेक्नोलॉजिकल साइंसेज, गंगटोक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट, नई दिल्ली,
- नेशनल सेंटर फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली,
- सेंटर फॉर सिविल डिफेंस कॉलेज, नागपुर,
- एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट,हैदराबाद,
- डिजास्टर मिटिगेशन इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद,
- एनवायरमेंट प्रोटेक्शन ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट हैदराबाद,
- सेंटर फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट, पूणे,
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट, नोएडा,
- नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, पटना,
- राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद।

बिजली बिल के नाम पर बैंक खातों से की जा रही है साइबर ठगी

जमुई । लोगों को साइबर ठगी से बचाने के लिए पुलिस जागरूकता अभियान चला रही है। बावजूद इसके पढ़े-लिखे लोग भी साइबर फ्रॉड में फंस कर ठगे जा रहे हैं। जमुई में फिर एक बार साइबर फ्रॉड हुआ है। जहां बिजली विभाग का एसडीओ बनकर साइबर ठग ने एक महिला के बैंक खाते से करीब 7 लाख रुपए गायब कर दिये। ठगी की शिकार महिला व्यवसाई ने जमुई साइबर थाना में आवेदन दे कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। साइबर ठग ने इसके बैंक के खाते से एनी डेस्क ऐप्प से 6 लाख 88 हजार रुपये उड़ा लिये हैं। जमुई जिले के साइबर थाने में आवेदन देने वाली महिला गुलाबी कुमारी ने बताया है कि उसके पति अरुण कुमार तांती के मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आया। कॉल रिसीव करने पर दूसरे तरफ से एक शख्स ने बोला कि हम बिजली विभाग का एसडीओ बोल रहे हैं आपका बिजली बिल अपडेट नहीं है, हम आपकी बिजली काट रहे हैं। फिर वह शख्स बोला कि 10 रुपया का रिचार्ज कर दो तो बिजली बिल अपडेट हो जाएगा। फिर उस शख्स ने सुविधा एप से 10 रुपये का रिचार्ज कराया और एक लिंक भेज कर झांसे में लेते हुए एनीडेस्क ऐप्प का कोड डाउनलोड कर 10 अंकों का कोड उसके पति से ले लिया। उसके बाद महिला के दो बैंक खातों से 6 लाख 88 हजार रुपये की राशि निकाल ली। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से एक और कॉल आया। वह संबंधित व्यक्ति भी फ्रॉड में शामिल था। इस मामले में साइबर थाने के इंस्पेक्टर संजीव कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है। कार्रवाई की जा रही है।

तीन राज्यों में जीते कई सांसदों व मंत्रियों की लोकसभा सदस्यता खत्म होने का खतरा

नई दिल्ली। तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में शानदार जीतने के बाद भले ही भाजपा ने सरकार बनाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं, लेकिन भाजपा के सामने उस मामले में फैसला लेने की चुनौती भी है जिसमें कई सांसद चुनाव जीतकर विधायक बन गए हैं। भाजपा द्वारा 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीतने के लिए दिग्गजों को चुनाव में उतारा गया था। इनमें 21 सांसद और केंद्रीय मंत्री भी हैं। जिनमें 12 सांसद और केंद्रीय मंत्री चुनाव जीत गए हैं। यह मुद्दा भाजपा के गले की फांस बन गया है क्योंकि इन चुने विधायकों को 14 दिन में तय करना है कि उन्हे दोनों में से कौन-सा पद रखना है। वर्ना उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म हो जाएगी। इनमें सबसे ज्यादा 5 सांसद मध्य प्रदेश से जीते हैं, जबकि राजस्थान में यह आंकड़ा 4 और छत्तीसगढ़ में 3 है। आने वाले समय में लोकसभा चुनाव होने हैं। अब इन सांसदों से इस्तीफा लिया जाता है तो उनकी खाली हुई सीटों पर नए चेहरों की तलाश करनी होगी। इस दौर में यदि भाजपा दिग्गजों को केंद्रीय राजनीति में रखने के लिए 3 राज्यों में नए चुने किसी विधायक से इस्तीफा लेगी तो उस सीट पर विधानसभा उपचुनाव करवाना होगा। भाजपा द्वारा जिन सांसदों को विधानसभा चुनाव लडने के लिए मैदान में उतारा गया था उनमें केंद्रीय मंत्रि भी हैं। जिनमें से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रफुल्ल पटेल, रेणुका सिंह को जीत हासिल हुई है जबकि फगन सिंह कुलस्ते हार गए हैं।

अरब सागर में 40 मछुआरों वाली नाव लापता, तलाश शुरू

बेंगलुरु । अरब सागर में 40 मछुआरों को ले जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव लापता हो गई है। यह घटना राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार की है। सूत्रों के अनुसार, नाव पिछले सप्ताह कर्नाटक के अधिकार क्षेत्र में अरब सागर में मौसम की विपरीत स्थिति के बीच लापता हो गई थी। गोवा में पंजीकृत क्रिस्टोरी नाम की नाव के इंजन में तकनीकी समस्याओं का सामना करने और तेज हवाओं के कारण नाव के बह जाने का संदेह है। सूत्रों के मुताबिक, यह गोवा के पणजी से रवाना हुआ था और आखिरी जीपीएस सिग्नल उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में बेलिकेरी के पास रिकॉर्ड किया गया था। चार दिन तक सिग्नल नहीं मिलने के बाद तटीय गार्डों ने लापता नाव का पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया है।

ईवीएम पर सवाल उठाना जनता के जनादेश का अपमान : मेघवाल

नई दिल्ली । 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में आए नतीजों के बाद देश में ईवीएम पर बहस शुरू हो गई है। कांग्रेस ने ईवीएम पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है, वहीं जवाब में भाजपा उन्हें कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना की जीत की याद दिला रही है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भाजपा की जीत पर सवाल उठाकर ईवीएम से वोटिंग पर सवाल उठाया। कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार कर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि विपक्ष को नकारात्मकता छोड़नी चाहिए, लेकिन विपक्ष ऐसा करने को तैयार नहीं है। मेघवाल ने कांग्रेस से सवाल पूछा कि जब वह कर्नाटक में जीते थे, हिमाचल प्रदेश में जीते थे, तब क्या उस समय ईवीएम से वोटिंग नहीं हुई थी क्या ? उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग तमाम तथ्यों की जांच करने के बाद, परीक्षण करने के बाद ईवीएम को लेकर सारे तथ्य सामने रख चुका है। इसके बाद भी शिकायत बार-बार करना सही नहीं है। अगर कांग्रेस को कोई शिकायत है, तब उन्हें चुनाव आयोग के पास जाकर अपनी बात रखनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चुनावी नतीजे पर सवाल उठाना एक तरह से मतदाताओं का अपमान है। संसद भवन परिसर में केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने भी कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार कर कहा कि जब वह हिमाचल और कर्नाटक में जीते तब ईवीएम पर सवाल नहीं उठाया, इस बार भी वे तेलंगाना में चुनाव जीते हैं लेकिन वहां भी ईवीएम पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष कर कहा कि विपक्ष को न तो जनता पर विश्वास है और न ही चुनाव पर विश्वास है और इस तरह से जनादेश को अस्वीकार करना उनकी बहुत ही छोटी सोच है।

कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की याचिका पर 6 दिसंबर को सुनवाई

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने 2017 के चुनाव आयोग रिश?वतखोरी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामले को रद्द करने की मांग करने वाली कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की याचिका पर 6 दिसंबर को सुनवाई होगी। चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) और अभियोजन शिकायत को रद्द करने की मांग कर रहा है। उसने ट्रायल कोर्ट से यह भी अनुरोध किया है कि वह उसके समक्ष लंबित आपराधिक मामले को आगे न बढ़ाए। जैसा कि ईडी ने तर्क दिया कि चंद्रशेखर की एक समान याचिका पहले से ही उच्च न्यायालय में लंबित है, चंद्रशेखर के वकील ने स्पष्ट किया कि पिछली याचिका में उनके खिलाफ आरोप तय करने को चुनौती दी गई थी। याचिका में तर्क दिया गया है कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के स्थापित सिद्धांतों के अनुसार, किसी व्यक्ति को मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी नहीं ठहराया जा सकता, यदि उसे विधेय अपराध में बरी कर दिया गया हो या यदि मामला रद्द कर दिया गया हो। इसमें आरोप लगाया गया है कि ईडी की जांच और मुकदमे की कार्यवाही कानून के स्थापित सिद्धांतों का उल्लंघन है और इसका उद्देश्य परेशान करना और पूर्वाग्रह पैदा करना है। चंद्रशेखर पर तमिलनाडु में उपचुनाव के लिए पार्टी का चुनाव चिह्न दो पत्तियां सुरक्षित करवाने के लिए पूर्व अन्नाद्रमुक नेता टी.टी.वी. दिनाकरन से धन लेने का आरोप है।

50 से ज्यादा कंपनियों के कफ़ सिरप के सैंपल, टेस्ट में फेल

नई दिल्ली । देश में इन दोनों दवा निर्माता कंपनियों द्वारा अमानक दवाइयां बनाकर महंगे दामों पर बेची जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के पास पर्याप्त संख्या में इंस्पेक्टर नहीं है। दुकानों से सैंपल इकट्ठे नहीं किया जा रहे हैं। जिसके कारण दवा निर्माता कंपनियां भारी लूट मचाते हुए आम आदमियों के जीवन से खिलवाड़ कर रही हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा कफ सिरप के 54 कंपनियों से 2104 नमूने परीक्षण के लिए एकत्रित किए गए थे। 54 कंपनियों में से मात्र चार कंपनियों के कफ सिरप मानक पर खतरे खरे उतरे हैं। जबकि 50 कंपनियों के कफ सिरप अमानक पाए गए हैं। गुजरात की औषधि एवं खाद्य प्रयोगशाला के 385 मुंबई की सेंट्रल इन्स टेस्टिंग लैबोरेट्री में 523 चंडीगढ़ प्रयोगशाला में 284 गाजियाबाद के भारतीय फार्माकोपोयिया आयोग ने 502 नमूनो का विश्लेषण किया। इसमें 50 कंपनियों के कफ सिरप पूरी तरीके से अमानक पाए गए हैं। उल्लेखनीय है जीसीआई ने जांच प्राथमिकता के आधार पर करने के आदेश दिए थे। रिपोर्ट भी जल्दी देने के आदेश किए गए थे। उल्लेखनीय है कि गुजरात के खेड़ा जिले में कफ सिरप के पीने से 5 लोगों की मौत हो गई थी। दो लोग बीमार हो गए थे। उसके बाद व्यापक स्तर पर इसकी जांच कराई गई। जिसमें 50 कंपनियों के कफ सिरप पूरी तरीके से अमानक पाए गए। पिछले वर्ष भारतीय कंपनियों के कफ सिरप से उज्बेकिस्तान में 89 बच्चों की मौत हुई थी। तभी मामले ने बड़ा तूल पकड़ा था।

गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश ने बढ़ाई टेंशन, भारत पहुंचा अमेरिका जांच दल

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश मामले में भारत पर लगे आरोपों को लेकर मामला शांत होता नजर नहीं आ रहा है। इस मामले में अमेरिका लगातार सवाल खड़े कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के टॉप नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर या कहें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भारत के साथ कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली आए हैं। पन्नू की अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश मामले में भारत पर लगे आरोपों पर भी बात करने वाले हैं। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी है।

व्हाइट हाउस की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया, प्रिंसिपल डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जॉन फाइनर भारत के डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर विक्रम मिस्री के साथ मुलाकात की। फाइनर ने महत्वाकांक्षी यूएस-इंडिया इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में हुई प्रगति की समीक्षा करने के लिए 4 दिसंबर को

बयान में आगे कहा गया, फाइनर ने अमेरिका में हत्या की साजिश को लेकर भारत के जरिए जांच समिति की स्थापना की जानकारी ली। उन्होंने इस मामले में जिम्मेदार व्यक्ति को जवाबदेह ठहराने के महत्व को स्वीकार भी किया।

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहता है। उसके पास कनाडा और अमेरिका दोनों की नागरिकता है। अमेरिका में भले ही लोग उसे सामाजिक कार्यकर्ता और वकील के तौर पर जानते हैं। मगर वह वहां से बैठे-बैठे ही भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने में जुटा रहता है। पन्नू सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) नाम के खालिस्तानी संगठन का प्रमुख भी है। पन्नू और उसके संगठन दोनों पर भारत सरकार ने बैन लगाया हुआ है।

दरअसल, पिछले हफ्ते अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने 52 वर्षीय भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के ऊपर पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में शामिल होने के आरोपों के तहत मुकदमा चलाया। जस्टिस डिपार्टमें की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया, भारत सरकार के एक सरकारी कर्मचारी ने निखिल गुप्ता के अलावा अन्य लोगों के साथ मिलकर अमेरिका की धरती पर न्यूयॉर्क सिटी में रहने वाले भारतीय मूल एक अटॉर्नी और पॉलिटिकल एक्टिविस्ट की हत्या की कोशिश की।

मोदी सरकार की पहल, केवल लड़कियों के लिए सैनिक स्कूलों की स्थापना मथुरा के संविद गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल का नाम

नई दिल्ली । भारत में जल्दी ही इसतरह के सैनिक स्कूल खुलने जा रहा है, जो केवल लड़कियों के लिए होगा। अभी तक देश में कोई सैनिक स्कूल ऐसा नहीं है, जो केवल लड़कियों के लिए बनाया गया हैं। हालांकि देश में को-एजुकेशन वाले सैनिक स्कूल मौजूद हैं, जिसमें लड़के और लड़कियां दोनों एक साथ पढ़ते हैं। हालांकि अब पीपीपी मॉडल के तहत शुरू किए जा रहे सैनिक स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से स्कूल शुरू किया जा सकता है। रक्षा राज्य मंत्री के मुताबिक, हाल ही में उत्तर प्रदेश में मथुरा में संविद गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल को लड़कियों के लिए सैनिक स्कूल के रूप में मंजूरी दी गई। इस बारे में रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने राज्यसभा में बताया कि पूर्ववर्ती पद्धति के तहत देश में 33 सैनिक स्कूल स्थापित किए गए हैं। इन स्कूलों में उत्तर प्रदेश के अमेठी, झांसी और मैनपुरी में स्थापित किए गए तीन सैनिक स्कूल भी शामिल हैं। भट्ट ने बताया कि ये सभी स्कूल सहशिक्षा वाले हैं। पूर्ववर्ती पद्धति के तहत केवल लड़कियों के लिए ही सैनिक स्कूलों की स्थापना करने के बारे में विचार नहीं किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में गैर सरकारी संगठनों, निजी व राज्य सरकार के स्कूलों के साथ साझेदारी मोड में 100 नए सैनिक स्कूलों की स्थापना करने की पहल के तहत केवल लड़कियों के लिए ही सैनिक स्कूलों की स्थापना करने के बारे में कोई प्रतिबंध नहीं है। रक्षा राज्य मंत्री के मुताबिक, इस संबंध में, मथुरा में संविद गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल को लड़कियों के लिए सैनिक स्कूल के रूप में मंजूरी दी गई है।

मध्य प्रदेश में भाजपा को नहीं मिल रहा शिवराज का विकल्प, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सीएम की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल की है। तीनों ही राज्यों में कई दिग्गज नेता हैं जो वर्षों से मुख्यमंत्री पद की आस लगाए बैठे हैं। ऐसे में भाजपा के शीर्षस्थ नेताओं के लिए मुख्यमंत्री तय करना चुनौती बन गया है। किसे खुश करें और किसे नाराज,बस इसी उलझन को सुलाझाने लिए राज्यों की राजधानियों से लेकर देश की राजधानी तक विचार मंथन शुरु हो गया है। राज्यों के कई नेताओं ने दिल्ली में ढेरा डाल दिया है तो कुछ अपनी बयानबाजी से भाजपा हाईकमान को खुश करने के प्रयास भी करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ में गोमती साय और राजस्थान में किसी बाबा को राज्य की कमान सौंपी जा सकती है।

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को राज्य की कमान सौंपने की संभावना प्रबल बताई जा रही है। वजह ये है कि मुख्यमंत्री चौहान अपनी लोकप्रियता और सभी स्वीकार नेता के रुप में पहचान बना चुके है। उनकी योजनाओं ने आम लोगों को प्रभावित किया है। इसके अलावा चौहान की जमीनी पकड़ भी फिलहाल कम नहीं हुई है। उन्होंने 120 लोगों को टिकट दिलाए थे जिसमें से 89 विधायक जिताकर लाए हैं। इसलिए माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश में सीएम शिवराज सिंह चौहान को बनाया जा सकता है। छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां प्रमुख रुप से गोमती साय का नाम सीएम की रेस में लिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष अरुण कुमार साव, निवर्तमान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक और पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी को भी मुख्यमंत्री पद का संभावित दावेदार माना जा रहा है। सिंह को छोड़कर बाकी तीनों नेता अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। हालांकि, यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि भाजपा नेतृत्व मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के चयन में अपने फैसले से पहले भी कई बार हैरान कर चुका है। इसी तरह राजस्थान में भी मुख्यमंत्री पद की रेस में कई नाम आ रहे हैं। यहां कुछ बाबाओं को सपने में सीएम की कुर्सी दिखाई दे रही है। कोई मीट की दुकाने बंद कराने के निर्देश दे रहा है तो कोई गुंडे बदमाशों बंगाल और कर्नाटक भेजने की सलाह दे रहा है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बनने की होड़ में इन आचार्य बालमुकुंद और बाबा बालकनाथ का नाम चर्चा में है।राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के लिए वसुंधरा राजे का नाम सबसे आगे चल रहा है। जबकि ओम माथुर, ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का भी नाम चर्चा में है।

बता दें कि 17 नवंबर को मध्य प्रदेश के 230 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ, जिसके नतीजे 3 दिसंबर को सामने आए. जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने 160 सीटों पर जीत हासिल की. वहीं कांग्रेस पार्टी महज 65 सीटों पर सिमट कर रह गई। वहीं 25 नवंबर को राजस्थान के 199 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था, जिसका रिजल्ट 3 दिसंबर को घोषित किया गया। इस दौरान बीजेपी ने 115 सीटों पर जीत हासिल की. जबकि कांग्रेस केवल 69 सीटों पर रह गई।

बुलेट ट्रेन के लिए समुद्र के नीचे बनने जा रही है देश की पहली सुरंग

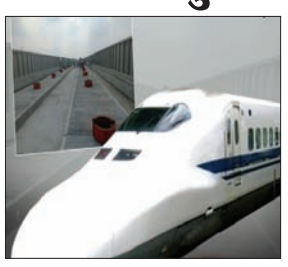

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलेट ट्रेन के लिए देश की पहली समुद्र के नीचे सुरंग बनने वाली है। जिसके निर्माण का काम शुरू करने का समय तय हो गया है। यह सुरंग 21 किमी लंबी होगी। सबसे अहम बात यह है कि सात किमी सुरंग समुद्र के नीचे बनेगी, जिसका निर्माण मुंबई में होगा। पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन का काम अब रफ्तार पकड़ने वाला है। बताया जा रहा है कि मुंबई से अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होगी। यहां पर पूरा स्टेशन और ट्रैक दोनों भूमिगत होंगे। यहां से सुरंग बनेगी जो समुद्र के नीचे से होकर जाएगी। इस सुरंग का निर्माण अपने आप में चैलेंज है, क्योंकि यह सुरंग सात किमी समुद्र के नीचे से गुजरेगी। रेलवे मंत्रालय के अधिकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव से पहले काम चालू हो जाएगा। संभावना है कि मार्च 2024 से सुरंग के लिए खुदाई शुरू हो जाएगा। इसके लिए टेंडर पहले ही दिए जा चुके हैं। गौरतलब है कि देश में पहली बार समुद्र के नीचे सुरंग बनने जा रही है। अभी तक इस तरह की टनल बोरिंग मशीन नहीं है, अब अलग-अलग देशों से टीबीएम के पार्ट्स मंगाए जा रहे हैं और यहीं पर असेंबल किए जाएंगे। इसके बाद खुदाई का काम शुरू हो जाएगा। मंत्रालय के अनुसार दो से तीन माह में टीबीएम असेंबल हो जाएगी।

बता दें कि यह सुरंग बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स भूमिगत स्टेशन और शिलफाटा के बीच होगी। इस समय देश में तमाम शहरों में अंडरग्राउंड मेट्रो चल रहीं हैं, इसके लिए भी सुरंग बनाई गयी थीं, लेकिन कोई सुरंग पानी के नीचे नहीं बनी है। हालांकि कोलकाता में हुबली के नीचे सुरंग है लेकिन वह केवल 520 मीटर लंबी है। समुद्र के नीचे इस तरह का निर्माण नहीं हुआ है। इसलिए यह सुरंग मेट्रो से अलग है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए सुरंग निर्माण में टनल बोरिंग मशीन और न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का इस्तेमाल किया जाएगा। विदेशों में यह तकनीक सफल है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किमी लम्बी भारत की पहली हाई स्पीड रेल लाइन का निर्माण कर रहा है, जिसका 352 किमी मार्ग गुजरात के नौ और महाराष्ट्र के तीन जिलों से होकर गुजरेगा।

अब शुरू हुई लोकसभा चुनाव में 186 सीटों पर भाजपा को टक्कर देने की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के सामने असल चुनौती तो अब शुरू हुई हैं। जानकार बता रहे हैं कि कांग्रेस भले ही विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन के बाद राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन की गतिविधियों को आगे बढ़ाकर भाजपा के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खड़ा कर दे, लेकिन उसके सामने असल चुनौती भाजपा के खिलाफ खुद लड़ने की है। पिछले दो चुनावों के आंकड़ों पर ध्यान दें तो कांग्रेस भाजपा के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों पर हारी है। पिछले चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के मध्य 186 लोकसभा सीटों पर सीधा मुकाबला था और कांग्रेस इसमें से महज 15 सीटें ही जीत पाई थी। जबकि 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों में से 162 सीटें जीती थीं और कांग्रेस को महज 24 सीटें हासिल हुई थी। 2014 के बाद 2019 के चुनाव में भाजपा के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों पर कांग्रेस की जीत का प्रतिशत कम हो गया था और उसने अपनी 9 सीटें गंवा दी थीं।

कांग्रेस 2023 में हिमाचल और कर्नाटका विधानसभा चुनाव में मिली जीत से काफी उत्साहित है। उसने इन विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इसके बावजूद असली चुनौती लोकसभा चुनाव की है, जहां उसे पिछले दो लोकसभा चुनावों में हुई अपनी हार का विश्लेषण करते हुए नए तरीके से रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। कांग्रेस भाजपा के साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल, उत्तराखंड के अलावा कर्नाटका व महाराष्ट्र की कुछ सीटों पर सीधे मुकाबले में होगी और पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इन सारे राज्यों में कांग्रेस का लगभग सफाया कर दिया था। अब कांग्रेस यदि अपनी सीटें न बचा पाई तो लोकसभा में उसकी स्थिति पहले वाली ही रह सकती है।

मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस ने पीएम से पूछा सवाल, शांति बहाली के लिए क्यों नहीं की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कांग्रेस ने मंगलवार को पीएम मोदी से सवाल किया है। कांग्रेस ने पूछा कि अभी तक केन्द्र ने शांति बहाली के लिए कोई कदम क्यों नहीं उठाया। कांग्रेस ने मांग की है कि नरेन्द्र मोदी को अपनी 'चुप्पी तोड़ते हुए बातचीत शुरू करनी चाहिए ताकि पूर्वोत्तर के इस राज्य में एक ऐसा समाधान निकल सके जो सभी पक्षों को स्वीकार्य हो। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह सवाल किया कि केंद्र सरकार ने राज्य में शांति बहाली के लिए अब तक कोई प्रत्यक्ष कदम क्यों नहीं उठाया? गौरतलब है किल मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में सोमवार को उग्रवादियों के दो समूहों के बीच हुई गोलीबारी में कम से कम 13 लोग मारे गए। राज्य में सात महीने पहले शुरू हुए अशांति के दौर में अब तक 180 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

कांग्रेस नेता खरगे ने 'एक्स पर पोस्ट किया, 'मणिपुर में सात महीने तक हिंसा जारी रहना अक्षम्य है। कथित गोलीबारी में 13 और लोगों की मौत हो गई है। पिछले 215 दिनों में 60,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। राहत शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित लोग रह रहे हैं जहां स्थिति अमानवीय और संतुष्टि से दूर है। उन्होंने सवाल किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त होने का जिम्मेदार कौन है?

कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी पूछा कि सीएम एन बीरेन सिंह के पद पर बने रहने के लिए कौन जिम्मेदार है? केंद्र सरकार द्वारा गठित शांति समिति ने मणिपुर में शांति, सामान्य स्थिति और सद्भाव बहाल करने के लिए कोई प्रत्यक्ष कार्य क्यों नहीं किया है?

उन्होंने कहा कि मणिपुर में कई राजनीतिक दलों के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी ने मांग की है और फिर से दोहराया है कि केवल माननीय प्रधानमंत्री के साथ विस्तृत चर्चा से ही संघर्ष का कोई ऐसा समाधान निकल सकता है जो सभी संबंधित पक्षों को स्वीकार्य हो। हमें पूरी उम्मीद है कि वह ऐसा करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स पर लिखा कि अब 7 महीने हो चुके हैं। मणिपुर में हालात सामान्य से काफी दूर हैं। कल ही हिंसा का एक ताजा दौर शुरू होने की खबर आई जिसमें 13 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह का दावा है कि राज्य में शांति लौट आई है लेकिन जमीनी हकीकत इसके हटकर है।

केसीआर के अतिआत्मविश्वास ने तेलंगाना में डूबो दी सरकार

हैदराबाद (एजेंसी)। ऐसा लगाता है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेतृत्व सत्ता विरोधी लहर को समझने में विफल रहा और लगभग सभी मौजूदा विधायकों को दुबारा टिकट दिया गया। इससे पार्टी को भारी कीमत चुकानी पड़ी, क्योंकि लगभग एक दशक तक देश के सबसे युवा राज्य पर शासन करने के बाद बीआरएस को कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवानी पड़ी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कुछ वर्गों में बीआरएस नेतृत्व के अहंकारी होने की सार्वजनिक धारणा और भ्रष्टाचार के आरोप भी पार्टी की बुरी तरह से हार के लिए जिम्मेदार अन्य कारक थे। पार्टी नेतृत्व का चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों और इतना ही नहीं एग्जिट पोल को भी स्वीकार करने से इनकार करना दर्शाता है, कि वह अपनी संभावनाओं को लेकर अति आत्मविश्वास में थी।

चूंकि 119 सदस्यीय विधानसभा में पार्टी के कुल 104 विधायक थे, इसकारण केसीआर को लगाता था कि भले ही पार्टी कथित सत्ता विरोधी लहर के कारण 40 सीटें हार जाए, फिर भी वह सत्ता रहेगी। जैसा कि बाद में पता चला, पार्टी को 65 सीटों का भारी नुकसान हुआ, लगभग उतनी ही सीटें जितनी कांग्रेस ने सत्ता हासिल करने के लिए जीती हैं। टीआरएस (अब बीआरएस) ने 2014 में 63 सीटें जीतकर सत्ता की अपनी यात्रा शुरू की थी। यह एक नया राज्य था और वहां तेलंगाना की प्रबल भावना थी। केसीआर ने लगभग छह दशकों तक संयुक्त आंध्र प्रदेश में हुए भेदभाव के बाद राज्य को पुनर्निर्माण के पथ पर ले जाने का वादा किया था। उन्होंने स्थिति मजबूत करने के लिए कांग्रेस, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और अन्य दलों के विधायकों को लालच दिया। केसीआर ने अपनी सरकार के प्रदर्शन पर नए जनादेश की मांग कर 2018 में समय पूर्व चुनाव कराने का जुआ खेला। वापसी के प्रति आश्वस्त होकर, उन्होंने अधिकांश मौजूदा विधायकों को बरकरार रखा और चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से बहुत पहले उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। केसीआर का दांव काम कर गया और पार्टी ने 88 सीटों के भारी बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखी। चुनाव के बाद, केसीआर ने मुख्य विपक्षी दल का लगभग सफाया करने के लिए कांग्रेस के एक दर्जन विधायकों को लालच दिया। अन्य दलों के चार और विधायक भी बीआरएस में शामिल हो गए, जिससे इसकी संख्या 104 हो गई।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, विधायक खरीदना भी लोगों के गले नहीं उतरा। हालांकि इस बार केसीआर ने समय से पहले चुनाव नहीं कराया, लेकिन उन्होंने नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होने से लगभग ढाई महीने पहले 21 अगस्त को 115 उम्मीदवारों की घोषणा की। सात बदलावों को छोड़कर, उन्होंने सभी मौजूदा विधायकों को टिकट दिया। लंबे अंतराल ने कांग्रेस को असंतुष्ट बीआरएस नेताओं को अपने गुट में लाने का समय भी दे दिया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी.रामा राव ने पार्टी द्वारा किए गए सर्वेक्षणों का हवाला देकर दावा किया था कि पार्टी को 2018 में हासिल की गई सीटों से अधिक सीटें मिलेंगी। अपने ही कर्मचारियों के एक वर्ग की संलिप्तता से तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों के लीक होने, बार-बार परीक्षाओं को स्थगित करने और यहां तक कि रद्द करने के कारण नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को होने वाली समस्याओं और कुछ कथित आत्महत्याओं को लेकर बेरोजगार युवाओं में गुस्सा है। इन कारकों ने बेरोजगार युवाओं के एक बड़े वर्ग को केसीआर सरकार के खिलाफ कर दिया।

राजनीतिक विश्लेषक पलवई राघवेंद्र रेड्डी ने कहा कि कुछ लोग मनाते हैं कि भाजपा और बीआरएस के बीच एक मौन सहमति थी। इस विचार को तब बल मिला जब केंद्र की भाजपा सरकार कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में केसीआर की बेटी के. कविता के प्रति नरम रुख अपनाती दिखी। भगवा पार्टी के नेताओं ने पहले यह प्रचार किया था कि उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। कई आलोचकों ने भाजपा पर केसीआर की चुप्पी पर सवाल उठाए, जबकि कुछ महीने पहले वह भगवा पार्टी पर पूरी तरह हमला बोल रहे थे। वह भाजपा द्वारा बीआरएस विधायकों को तोड़ने के कथित प्रयास पर भी चुप हो गए थे। पिछले साल अक्टूबर में एक भाजपा नेता के तीन कथित एजेंटों को रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद केसीआर ने भाजपा द्वारा उनकी सरकार को गिराने की साजिश का आरोप लगाया था, जब वे बीआरएस के चार विधायकों को भारी धन की पेशकश के साथ लुभाने की कोशिश कर रहे थे।

यूक्रेन पर आक्रामक हुआ रुस, गोलीबारी में दो की मौत और तीन घायल

मॉस्को । यूक्रेन के खेरसन में रूसी हमलों में दो की मौत हुई और तीन लोगों के घायल होने की खबर है। क्षेत्रीय अभियोजकों ने हमले की युद्ध अपराध जांच शुरू की, जो सुबह 9 बजे के आसपास हुआ और एक 48 वर्षीय पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि रूसी सेना द्वारा दक्षिणी यूक्रेन के शहर खेरसॉन पर की गई गोलाबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और तीन घायल हो गए। आतंकवादी, यूक्रेन के राष्ट्रपति प्रशासन के प्रमुख एंड्री यरमक ने फुटपाथ पर पड़े शवों की दो छवियों के साथ टेलीग्राम पर पोस्ट किया। खेरसॉन के मेयर रोमन म्रोचको ने कहा कि एक चिकित्सा सुविधा पर एक अलग तोपखाने के हमले में दो डॉक्टर घायल हो गए। बता दे कि इससे पहले सोशल मीडिया पर एक फुटेज आया है जिसमें दिख रहा है कि खंदक से निकल रहे दो सैनिकों को बहुत नजदीक से गोली मारी जा रही है। इस धुंधले वीडियो में दिख रहा है कि डर के मारे ये सैनिक बाहर आ रहे हैं और वे जमीन पर लेट जा रहे हैं। उनमें एक ने अपने हाथ ऊपर कर रखे हैं। उसी बीच कुछ रूसी सैनिक सामने आते हैं एवं उनपर गोलियां चला देते हैं। इसके अलावा रूस की सेना में सेवारत छह नेपाली नागरिक यूक्रेन के साथ युद्ध में मारे गए हैं। नेपाल सरकार ने सोमवार को यह घोषणा की। इसी के साथ सरकार ने रूस से आग्रह किया है कि वह नेपाल के नागरिकों की भर्ती अपनी सेना में नहीं करे।

गाजा में स्वास्थ्य क्षेत्र पर 200 से ज्यादा हमले हुए : डब्ल्यूएचओ

गाजा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंगलवार को कहा कि गाजा पट्टी में 200 से ज्यादा हमले हुए हैं। यहां पर 07 अक्टूबर से 28 नवंबर तक चिकित्सा सुविधाओं और स्वास्थ्य कर्मियों पर हमलों की संख्या अब तक 203 हो चुकी है। डब्ल्यूएचओ ने एक्स पर लिखा कि 07 अक्टूबर से 28 नवंबर तक, स्वास्थ्य देखभाल पर हमलों की एक अभूतपूर्व संख्या दर्ज की गई, अस्पतालों, एम्बुलेंस, चिकित्सा आपूर्ति पर 203 हमले, और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को हिरासत में रखना। यह अस्वीकार्य है, एकमात्र समाधान सतत युद्धविराम है। गौरतलब है कि 07 अक्टूबर को हमास ने गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन किया। इजरायल ने जवाबी हमला शुरू किया और गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया, जिससे पानी, भोजन और ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई। वहीं 27 अक्टूबर को इजरायल ने हमास के लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ गाजा पट्टी में एक जमीनी घुसपैठ शुरू की। जानकारी के अनुसार 24 नवंबर को कतर ने इजरायल और हमास के बीच एक अस्थायी संघर्ष विराम और कुछ कैदियों और बंधकों के आदान-प्रदान के साथ-साथ गाजा पट्टी में मानवीय सहायता के वितरण पर एक समझौते की मध्यस्थता की। हालांकि संघर्ष विराम को कई बार बढ़ाया गया, जो कि पिछले शुक्रवार को समाप्त हो गया। इसके बाद इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ लड़ाई फिर से शुरू की। इजरायल ने यह भी कहा कि हमास ने मानवीय विराम का उल्लंघन किया है।

यात्री बस पेड़ से टकराई, 14 की मौत, 35 घायल

बैंकॉक। दक्षिण थाईलैंड के प्रचुआप खीरी खान प्रांत में एक यात्री बस पेड़ से टकरा गई। इससे हुई दुर्घटना में 14 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 35 यात्री घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार बस के सड़क से उतरकर एक पेड़ से टकरा जाने से यह भीषण हादसा हुआ है। स्थानीय मीडिया के हवाले से प्राप्त सूचना के अनुसार यह बस राष्ट्रीय राजधानी बैंकॉक से सोंगखला प्रांत के नथावी जिले जा रही थी। मौके पर पहुंचकर दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक जांच की जा रही है।

ब्रिटेन में विदेशी कामगारों के लिए वीजा नियमों में हुई सख्ती

लंदन । ब्रिटेन में विदेशी कामगारों के लिए वीजा नियमों में सख्ती की गई है। मिली जानकारी के अनुसार सरकार ने देश में अप्रवासियों की संख्या को कम करने के लिए सख्त कदमों की घोषणा की जिनमें विदेशी श्रमिकों के लिए कौशल आधारित वीजा प्राप्त करने के लिए उच्च वेतन सीमा निर्धारित करना और परिवार के सदस्यों को अपने आश्रित के रूप में लाने पर रोक शामिल है। ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने ब्रिटिश संसद के निम्न सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में दिए एक बयान में खुलासा किया कि इस कार्रवाई के तहत स्वास्थ्य और देखभाल वीजा पर डॉक्टर अब अपने परिवार के किसी भी सदस्य को अपने साथ नहीं ला सकेंगे। बताया जा रहा है कि इस फैसले का असर भारतीयों पर भी पड़ेगा। कुशल श्रमिक वीजा के माध्यम से ब्रिटेन आने के लिए आवेदन करने वालों के लिए वेतन सीमा वर्तमान 26,200 ब्रिटिश पौंड से बढ़ाकर 38,700 ब्रिटिश पौंड कर दी जाएगी। वहीं पारिवारिक वीजा श्रेणी के तहत आवेदन करने वालों पर भी समान वेतन राशि लागू होगी, जो वर्तमान में 18,600 ब्रिटिश पौंड है। इस संबन्ध में क्लेवरली ने संसद को बताया कि आव्रजन नीति निष्पक्ष, सुसंगत, कानूनी और टिकाऊ होनी चाहिए। उन्होनें बताया कि यह नये नियम 2024 की शुरुआत में प्रभावी होंगे।

पूर्व राजदूत पर क्यूबा की खुफिया एजेंसी के लिए काम करने का आरोप

वॉशिंगटन । बोलीविया में अमेरिका के राजदूत रहे एक पूर्व राजनयिक पर दशकों पहले क्यूबा की खुफिया एजेंसी के गुप्त एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगा है। न्याय विभाग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि नए लिफाफाबंद अदालती दस्तावेजों में आरोप लगाया गया है। जिसमें कहा गया है कि मैनुएल रोचा कम से कम 1981 से क्यूबा के लिए गुप्त गतिविधि में संलिप्त थे, जिसमें क्यूबा के खुफिया एजेंटों के साथ बैठक करना और अमेरिकी सरकार के अधिकारियों को गलत जानकारी प्रदान करना शामिल था। इस तरह से मियामी की संघीय अदालत में दायर अभियोजन शिकायत में रोचा पर दूसरे देश सरकार के अवैध एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाया गया है। यहां गौरतलब है कि रोचा (73) 25 साल तक अमेरिकी राजनयिक के तौर पर काम कर चुके हैं। इस दौरान वह बोलीविया, अर्जेंटीना और हवाना में अमेरिकी हित अनुभाग में शीर्ष पद रह चुके हैं।

लाल सागर में नौवहन की सुरक्षा के लिए नौसेना कार्यबल स्थापित

वॉशिंगटन । अमेरिका ने कहा है कि वह लाल सागर में नौवहन की सुरक्षा के लिए नौसेना कार्यबल की स्थापना पर विचार कर रहा है। दरअसल यमन में ईरान समर्थित हूतियों द्वारा तीन पोत पर मिसाइल हमले किए जाने के एक दिन बाद अमेरिका ने कहा है कि वह लाल सागर में वाणिज्यिक पोतों की सुरक्षा के लिए एक नौसेना कार्यबल की स्थापना करेगा। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए ऐसे कदमों को स्वाभाविक प्रतिक्रिया बताते हुए कहा कि अमेरिका पोतों की सुरक्षा के लिए नौसेना कार्यबल के गठन को लेकर सहयोगी देशों के साथ सक्रियता से वार्ता कर रहा है हालांकि इसे अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिकी सेना ने बताया कि रविवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों से तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया, जबकि एक अमेरिकी युद्धपोत ने आत्मरक्षा में तीन ड्रोन को मार गिराया। जेक सुलिवन ने इस संबन्ध में संवाददाताओं से कहा कि हम एक समुद्री कार्यबल के बारे में अन्य देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जिसमें अमेरिका के साथ-साथ साझेदार देशों के जहाजों को भी सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह के कार्यबल का इस्तेमाल सोमालिया के तट सहित अन्य जगहों पर वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए भी किया जाता है।

चार रिपब्लिकन उम्मीदवार राष्ट्रपति पद की चौथी बहस में शामिल

वाशिंगटन। चार रिपब्लिकन उम्मीदवार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की चौथी बहस में शामिल हो गए हैं। इनमें दो भारतीय-अमेरिकी भी हैं। रिपब्लिकन नेशनल कमेटी (आरएनसी) ने घोषणा की है कि भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली और विवेक रामास्वामी समेत राष्ट्रपति पद के चार रिपब्लिकन उम्मीदवार अलबामा में बुधवार रात को होने वाली चौथी बहस के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं। अन्य दो उम्मीदवार फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पद के चार उम्मीदवार टस्कलोसा में आमने-सामने होंगे, जो इस साल अब तक का सबसे छोटा बहस चरण होगा।

दक्षिण कोरिया के जेजू द्वीप के पास समुद्र के ऊपर एक परीक्षण उड़ान के दौरान एक ठोस ईंधन वाला अंतरिक्ष रॉकेट लॉन्च किया गया।

इंडोनेशिया में फिर हुआ ज्वालामुखी विस्फोट, तलाशी अभियान में आई रुकावट

पडांग । इंडोनेशियाई में ज्वालामुखी विस्फोट के बाद तलाशी अभियान में रुकावट आ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बचावकर्मियों ने माउंट मरापी में सोमवार को फिर से हुए ज्वालामुखी विस्फोट के बाद 12 पर्वतारोहियों की तलाश रोक दी है। अधिकारियों ने बताया कि दोबारा हुए विस्फोट से आसमान में 800 मीटर तक राख की मोटी चादर फैल गई। वेस्ट सुमात्रा की खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख अब्दुल मलिक ने इस संबन्ध में कहा कि दिन में 11 पर्वतारोहियों के शव बरामद किए गए हैं, लेकिन दोबारा हुए विस्फोट के कारण उन्हें ले जाने के प्रयास में भारी परेशानी आई है। उन्होंने कहा कि स्थिति में सुधार होने के बाद तलाशी अभियान फिर से शुरू किया जाएगा। एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में बचावकर्मियों को एक घायल पर्वतारोही को स्ट्रेचर पर पहाड़ से बाहर निकालते हुए और अस्पताल ले जाने के लिए इंतजार कर रही एम्बुलेंस में डालते हुए दिखाया गया है।

इससे पहले माउंट मरापी में रविवार को भी विस्फोट हुआ था, जिससे आसमान में राख की मोटी परत छा गयी और राख के बादल कई किलोमीटर तक फैल गए। ज्वालामुखी विज्ञान और भूवैज्ञानिक आपदा शमन केंद्र के प्रमुख हेंद्रा गुनावां ने कहा कि ज्वालामुखी 2011 के बाद से चार चेतावनी स्तरों में से तीसरे उच्चतम स्तर पर बना हुआ है, यह स्तर सामान्य से ऊपर ज्वालामुखी गतिविधि का संकेत देता है तथा शिखर के तीन किलोमीटर क्षेत्र के भीतर पर्वतारोहियों और ग्रामीणों की आवाजाही को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि चोटी पर कोई चढ़ाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्वतारोहियों को कम खतरनाक क्षेत्रों में जाने की अनुमति थी, लेकिन उनमें से कई ने आगे चढ़ने की अपनी संतुष्टि को पूरा करने के लिए नियमों को तोड़ दिया।

भारत के दुश्मन के पैर कब्र में लटके !

पाकिस्तान की जेल में दिया गया जहर, वेंटीलेटर पर पड़ा है मुंबई हमलों का है मास्टरमाइंड आतंकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की हत्याओं के बारे में रहस्य बरकरार रहने के बीच, 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक, वैश्विक आतंकवादी और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर साजिद मीर की सलामती के बारे में चर्चा और तेज होती दिख रही है। इससे पाकिस्तान के जिहादी हलकों में अनिश्चितता गहरा गई है। पिछले साल जून में आतंकवाद विरोधी अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद से कोट लखपत जेल में बंद मीर को अचानक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

रिपोर्टों से पता चलता है कि उन्हें जहर दिया गया था और तब से वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। यह उन रिपोर्टों के मद्देनजर आया है कि धमकी भरे इनपुट के कारण उन्हें डेरा गाज़ी खान जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। हालाँकि, यहाँ के सूत्र उन रिपोर्टों से सावधान दिखे, जिनमें संदेह जताया गया था कि ये लश्कर कमांडर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के विदेशी आग्रह से बचने के लिए पाकिस्तान के सैन्य-खुफिया तंत्र द्वारा एक चाल हो सकती है। पाकिस्तान पर दबाव असहनीय होने और एफएटीएफ द्वारा और

अधिक दंडित किए जाने का खतरा मंडराने के बाद ही मीर को आतंक के वित्तपोषण के आरोप में आठ साल की सजा सुनाई गई थी और उस पर 4.2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था।

लश्कर कमांडर को पिछले अप्रैल में गुप्त तरीके से हिरासत में लिया गया था, जबकि जून 2022 में एफएटीएफ की बैठक से ठीक पहले जेल की सजा सुनाई गई थी, जो एक अंतर सरकारी संगठन है जो आतंक के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग पर नज़र रखता है। भारतीय खुफिया सूत्रों ने यह भी कहा कि अमेरिका में उसके प्रत्यर्पण को रोकने के लिए उसकी मौत का नाटक करना भी एक धोखा हो सकता है। मीर, जिसके सिर पर एफबीआई द्वारा घोषित पांच मिलियन डॉलर का इनाम है, अमेरिकी सरकार द्वारा वांछित है। एफबीआई के मुताबिक, मीर (45) ने मुंबई हमले के बाद प्लास्टिक सर्जरी के जरिए अपना हुलिया बदल लिया था। वह एक समय में लश्कर-ए-तैयबा का विदेशी भर्तीकर्ता और अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का मुख्य संचालक था।

अमेरिकी न्याय विभाग के एक दस्तावेज़ में उल्लेख किया गया है कि कैसे 26/11 के हमलावर हमले के दौरान मीर और उसके सहयोगियों - अबू काहाफा और मजहर इकबाल - के साथ वास्तविक समय में टेलीफोन पर संपर्क में थे। मीर की सलाह पर, हेडली ने लश्कर की ओर से अपनी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए अपना दिया हुआ नाम 'दाऊद गिलानी' को बदलकर 'डेविड कोलमैन हेडली' कर लिया था, जिससे वह भारत में खुद को एक अमेरिकी के रूप में पेश कर सके जो न तो मुस्लिम था और न ही पाकिस्तानी। मीर ने हेडली को अपनी निगरानी गतिविधियों के लिए मुंबई में एक आव्रजन कार्यालय खोलने की सलाह दी और इसकी स्थापना के लिए उसे 25,000 डॉलर दिए गए।

जापान में शुरू हुआ जेटी-60एसए नाम का सबसे बड़ा परमाणु रिएक्टर

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में जेटी-60एसए नामक दुनिया का सबसे बड़ा न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर शुरू हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार यह विशाल मशीन, टोक्यो के उत्तर में नाका में एक हैंगर में स्थापित की गई है। यह स्वच्छ और असीमित ऊर्जा की खोज में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताई जा रही है।

गौरतलब है कि दुनिया में अभी जितने भी परमाणु संयंत्र हैं, वो सभी फिजन पर चलते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसे इसलिए बनाया गया है ताकि बड़े पैमाने पर, सुरक्षित तरीके से और कार्बन मुक्त ऊर्जा पैदा किया जा सके। बता दें कि जेटी-60एसए, छह मंजिला ऊंचा टोकामक, 200 मिलियन यानी 20 करोड़ डिग्री सेल्सियस तक गर्म किए गए प्लाज्मा को रखने और नियंत्रित करने के लिए डिजाइन किया गया है। जिसे बाद में लोगों या देश की जरूरत के हिसाब से बड़े पैमाने पर स्थापित किया जा सकता है। यूरोपीय संघ और जापान के बीच यह संयुक्त उद्यम वर्तमान में फ्रांस में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर के अग्रदूत के रूप में कार्य करता है। दोनों परियोजनाएं फिजन से शुद्ध ऊर्जा लाभ प्राप्त करने के लिए ही हैं। जो ऊर्जा प्रणालियों में क्रांति ला सकता है।

इस मामले में जेटी-60एसए के डिप्टी प्रोजेक्ट लीडर सैम डेविस ने बताया कि ये मशीन लोगों को फ्यूजन एनर्जी की तरफ लेकर आएगी। इसे बनाने में 500 साइंटिस्ट और इंजीनियर्स लगे हैं। ये यूरोप और जापान की करीब 50 कंपनियों से आए हैं। यह दुनिया का सबसे एडवांस टोकामाक है। फिजन से शुद्ध ऊर्जा लाभ की खोज हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रीय इग्निशन सुविधा में हासिल की गई। जो फ्यूजन एनर्जी के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने जा रही है।

अंडमान सागर में फंसे 400 रोहिंग्या मुसलमानों को बचाने के हो रहे प्रयास

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अंडमान सागर में फंसे 400 रोहिंग्या मुसलमानों के बचाव के प्रयास तेज कर दिए हैं। बांग्लादेश से नाव लेकर ये लोग चले थे, लेकिन ये बीच में ही फंस गए। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने इन शरणार्थियों के लिए चेतावनी जारी की है। बताया जा रहा है कि ये सभी 400 लोग दो बड़ी नावों में सवार होकर बांग्लादेश से निकले थे। इनके पास खाने-पीने का सामान भी अब नहीं बचा है और वे अंडमान सागर में फंस गए हैं। एजेंसी के क्षेत्रीय प्रवक्ता बाबर बलूच ने चिंता जाहिर करते हुए कि अगर इन लोगों को नहीं बचाया गया तो नाव पर सवार सभी लोग मर सकते हैं। उन्होंने मीडिया को बताया कि अगर इन लोगों को बचाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया तो लगभग 400 बच्चे, महिलाएं और पुरुषों की मौत हो सकती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से रवाना हुई नावें लगभग दो सप्ताह से समुद्र में होने की सूचना है। एपी द्वारा संपर्क किए गए एक नाव के कप्तान ने कहा कि उसमें 180 से 190 लोग सवार थे, उनके पास भोजन और पानी नहीं था और इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था। कैप्टन मान नोकिम ने कहा, 'वे चिंतित हैं कि वे सभी मरने वाले हैं।' रविवार को, नोकिम ने कहा कि नाव थाईलैंड के पश्चिमी तट से 320 किलोमीटर दूर थी।

सोमवार को संपर्क करने पर थाई नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें नावों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। यूएनएचसीआर के प्रवक्ता बलूच ने कहा कि यह स्थान इंडोनेशिया के सबसे उत्तरी प्रांत आचे से सुमात्रा द्वीप पर लगभग इतनी ही दूरी पर है, जहां शनिवार को 139 लोगों के साथ एक और नाव उतरी थी। उन्होंने कहा कि उनमें 58 बच्चे, 45 महिलाएं और 36 पुरुष शामिल हैं, जो समुद्री यात्रा करने वालों के विशिष्ट संतुलन को दर्शाता है। पिछले महीने सैकड़ों लोग आचे पहुंचे। बता दें कि ये रोहिंग्या आमतौर पर बांग्लादेश में भीड़भाड़ वाले शरणार्थी शिविरों से आते हैं।

इजरायल-हमास युद्ध के बीच घर में घिरे नेतन्याहू, भ्रष्टाचार के मामले की जांच शुरु

तेलअवीव(एजेंसी)। इजरायल-हमास युद्ध को शुरू हुए दो महीने का वक्त हो चुका है। गाजा पट्टी में इजरायल डिफेंस फोर्स कहर ढहा रही हैं। इसी बीच इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के लिए बुरी खबर आई। नेतन्याहू अपने ही देश में बुरी तरह घिरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार के एक मामले में जांच फिर से शुरू हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बेजेक-वाला रिश्वत मामले में प्रधानमंत्री के खिलाफ यरूशलेम में सुनवाई फिर से शुरू होगी।

युद्ध के कारण अदालत लगभग ढाई महीने के अवकाश पर थी, इस दौरान केवल अत्यावश्यक सुनवाई ही हुई थी। अदालत नेतन्याहू के विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों को अत्यावश्यक नहीं माना था, इसलिए युद्ध के कारण उन्हें रोक दिया गया था। इस मामले को केस 4000 के नाम से जाना जाता है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि नेतन्याहू ने समाचार वेबसाइट पर अनुकूल मीडिया कवरेज के बदले बेजेक टेलीकम्युनिकेशंस को लाभ पहुंचाने के लिए नियामक कदम उठाए। वाल्ला का स्वामित्व पहले बेजेक के पास था।

नेतन्याहू के राजनीतिक दल लिकुड के सदस्यों ने मामले को आगे बढ़ाने के लिए अभियोजकों की आलोचना की। कहा गया कि देश हमास के साथ युद्ध लड़ रहा है। उस वक्त में इन सब चीजों का कोई मतलब नहीं है। न्याय मंत्रालय में मंत्री और लिकुड सदस्य डेविड एम्सलेम ने कहा, 'युद्ध बंधक पलायनकर्ता अर्थव्यवस्था नहीं और नहींज अब जो सबसे महत्वपूर्ण है वह है इजरायल के प्रधानमंत्री को निराधार आरोपों और भ्रामक छोटी-छोटी बातों में उलझाना। हां, हांज्आपने सही पढ़ा। इसमें देरी करने का कोई कारण नहीं है। यह एक अपमान है!

इजरायली मीडिया के अनुसार, लाहव 433 प्रमुख अपराध इकाई के एरन बुचनिक और डोटन मालिची, और सिक्योरिटीज अथॉरिटी के जांचकर्ता , केस 4000 जांच टीम के जांचकर्ता लियोर श्पित्ज को अदालत के सामने गवाही देनी है।

नया प्लान: सुरंगों में पानी भरकर हमास का खात्मा करेगी इजरायली सेना

गाजा (एजेंसी)। हमास और इजरायल के बीच चल रही जंग में नए नए दांव पेंच दिखाई दे रहे हैं। यहां इजरायली सेना जहां हमास के खात्मे के लिए नित नई रणनीति बना रही है वहीं हमास के आतंकी अपनी जान बचाते फिर रहे है। कहा जा रहा है कि हमास के सैकड़ों लड़ाके सुरंगों में छिपे हैं। इसके लिए आईडीएफ ने नई योजना तैयार की है। इन सुरंगों में पानी भरकर एक वबंडर तैयार किया जाएगा ताकि लड़ाके इससे बाहर आ जाएं। एक रिपोर्ट में इस तरह का बड़ा खुलासा किया गया है। इजरायल ने गाजा पट्टी के नीचे हमास की सुरंगों की प्रणाली को भूमध्य सागर से पंप किए गए समुद्री पानी से भरने की योजना तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार इसका उद्देश्य आतंकवादी समूह के मार्गों और पनाहगाहों के भूमिगत नेटवर्क को नष्ट करना और उसके लड़ाकों को जमीन से ऊपर ले जाना है। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इजरायल रक्षा बलों ने पिछले महीने गाजा

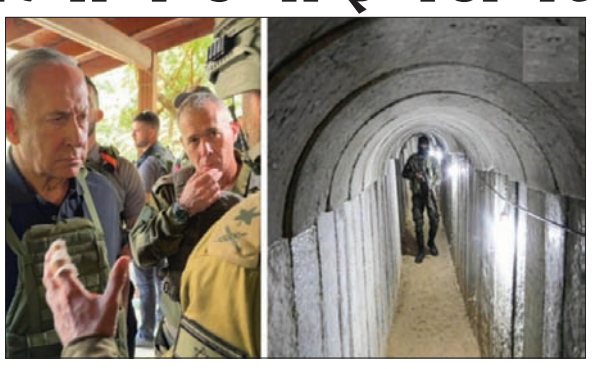

शहर में अल-शती शरणार्थी शिविर के पास पांच बड़े जल पंप स्थापित किए हैं। यह पंप हजारों क्यूबिक मीटर प्रति घंटा पानी पंप करके कुछ ही हफ्तों में सुरंगों में पानी भरने में सक्षम हैं।

अधिकारियों ने कहा कि इजरायल ने पिछले महीने योजना के बारे में अमेरिका को अलर्ट किया था, लेकिन अभी तक यह तय नहीं किया है कि इसे लागू किया जाए या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि दक्षिणी इजरायल में 7 अक्टूबर के हमले के दौरान हमास द्वारा अगवा किए गए सभी बंधकों को मुक्त करने के बाद आईडीएफ सुरंगों में पानी भरने के लिए कदम उठाएगा। क्योंकि यह आशंका जताई जा रही है कि आतंकवादी संगठन इन बंधकों को इसी सुरंग में छुपाकर रखा होगा।रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन प्रशासन में इजरायल के इस प्लान को लेकर राय मिश्रित थी, कुछ अधिकारियों ने इजरायली योजना के बारे में चिंता व्यक्त की। जबकि अन्य ने कहा कि वे सुरंगों को नष्ट करने के इजरायल के प्रयासों का समर्थन करते हैं और जरूरी नहीं कि कोई अमेरिकी विरोध हो। हलांकि वॉल स्ट्रीट जर्नल में इस प्लान को लेकर कई चिंताएं भी उजागर की गई हैं। इसमें कहा गया है कि इससे गाजा की मिट्टी को संभावित नुकसान हो सकता है। साथ ही अगर सुरंगों में समुद्री जल और खतरनाक पदार्थ का मिश्रण होता है तो यह काफी खतरनाक हो सकता है।

नीलकंठ नामक पक्षी से बचकर रहना, भाग जाता है आंख निकाल कर

सैन फ्रांसिस्को । इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें नीलकंठ नामक पक्षी को इंसान की आंख निकालकर भागते हुए दिखाया गया है। इसी तरह हाल ही में सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अपने ऊपर एक पक्षी द्वारा अटैक का वीडियो शेयर किया। इस पक्षी को लोग मैगपाई के नाम से जानते हैं। ये पक्षी लोगों की आंख पर हमला कर उन्हें अंधा बना देते हैं। हाल ही में एक लड़की ने अटैक का लाइव वीडियो शेयर किया। ब्रिटेन में इन दिनों मैगपाई अर्थात नीलकंठ के हमले की घटनाएं काफी बढ़ गई है। ये पक्षी अपने घोंसले में मौजूद बच्चों के बचाव में हमला करते हैं। चूंकि, इंसानों ने जंगल काट दिए हैं, इस वजह से ये मैगपाई इंसानों के बेहद नजदीक रहने लगे हैं। ये इंसानों के इर्दगिर्द ही घोंसले बनाकर रहते हैं। ऐसे में जैसे ही कोई इंसान इनके घोंसले के नजदीक पहुंचते हैं, ये सीधे अटैक कर देते हैं। जानकारों की मानें तो मैगपाई ऐसा पक्षी है, जो खतरा भांपते ही अटैक कर देता है। ऐसे में लोग जैसे ही इन पक्षियों के घोंसले के नजदीक जा रहे हैं, वैसे ही ये पक्षी अटैक कर देते हैं। ये पक्षी चमकती चीजों पर हमला करते हैं। जैसे ही इंसान इनके घोंसले के नजदीक से गुजरते हैं, ये पक्षी उनके आंख पर अटैक कर देते हैं। ऐसा इस कारण कि इंसान की आंखें चमकती है। हालांकि अभी तक मैगपाई के अटैक के कई मामले सामने आ चुके हैं। सोशल मीडिया पर एक महिला ने इस अटैक का लाइव वीडियो शेयर किया। इसमें एक पक्षी सीधे महिला की आंख फोड़ता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर जैसे ही ये वीडियो शेयर किया गया, लोग डर से कांप गए। कई लोगों ने इसे नए फियर का अनलॉक होना बताया। कई ने महिला के बारे में सवाल किये कि वो ठीक तो है ना? कई लोगों ने इस वीडियो को देखने के बाद हैरानी जताई। उन्होंने लिखा कि महिला खुद को बचा सकती थी। वो सिर्फ वीडियो क्यों बनाती रह गई। वहीं मैगपाई अटैक के और भी कई वीडियो सोशल मीडिया पर देखे जा रहे हैं।

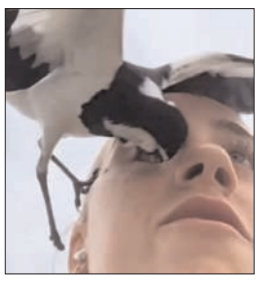

टीम इंडिया ने 2001 में भी किया था दक्षिण अफ्रीका का दौरा, हुआ था भयंकर विवाद

-छह प्लेयर्स पर लगे थे बॉल टेम्परिंग सहित कई गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम तीन टी20आई, तीन वनडे और दो टेस्ट की सीरीज के लिए इसी माह दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने वाली है। लेकिन 2001 का वह दौरा कभी नहीं भुलाया जा सकता है, जब भारतीय टीम के छह प्लेयर्स पर बॉल टेम्परिंग सहित कई गंभीर आरोप लगे थे। हालांकि दोनों टीमों के बीच अब तक 42 टेस्ट खेले गए हैं जिसमें भारत ने 15 में जीत हासिल की है जबकि 17 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि दक्षिण अफ्रीकी मैदान पर भारत का टेस्ट रिकॉर्ड बेहद खराब है और टीम वहां खेले गए 23 टेस्ट में से महज 3 में ही जीत हासिल कर पाई है। 12 टेस्ट में भारतीय टीम को हार मिली है जबकि सात ड्रॉ रहे हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच के क्रिकेट रिश्ते वैसे तो सौहार्दपूर्ण रहे हैं लेकिन वर्ष 2001 में इसमें बड़ा 'भूचाल' आया था। इसे क्रिकेट जगत में 'माइक डेनेस विवाद' के नाम से जाना जाता है।

वर्ष 2001 में दक्षिण अफ्रीका दौरे में भारतीय टीम के छह प्लेयर्स पर बॉल टेम्परिंग सहित कई आरोप लगे थे।

उस के बाद दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान और उस मैच के रैफरी माइक डेनेस ने भारतीय टीम के लगभग आधे प्लेयर्स पर खेलने से प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि बाद में विवाद को बढ़ता देख ज्यादातर प्रतिबंध हटा दिए गए और मामला अच्छे से निपट गया। इस टेस्ट के दौरान जिन प्लेयर्स को मैच रैफरी की कार्रवाई का सामना करना पड़ा था उनमें सचिन तेंदुलकर और टीम के तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली भी शामिल थे। सचिन को बॉल टेम्परिंग के आरोप में एक टेस्ट से बैन की सिफारिश की गई थी जबकि वीरेंद्र सहवाग अधिक अपील के लिए एक टेस्ट से बैन किए गए थे।

हालांकि सचिन पर तो यह आरोप लगा कि गेंदबाजी करने के दौरान उन्होंने गेंद की सीम को नाखून से खरोचा है। भारतीय टीम को नियंत्रित करने में कथित नाकामी के कारण एक टेस्ट और दो वनडे का सस्पेंडेड बैन थोपा गया था।जरूरत से ज्यादा अपील के लिए हरभजन सिंह, शिवसुंदर दास और दीप दासगुप्ता पर भी एक-एक मैच का सस्पेंडेड

बैन लगाया गया था। जाहिर है कि बेवजह की इस कार्रवाई पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से जोरदार प्रतिक्रिया होनी थी और ऐसा हुआ भी। भारतीय टीम ने इस मामले में 'आर या पार' की लड़ाई का मन बना लिया था। वह दौरे के शेष मैचों का बायकॉट करने पर आमादा थी।

रिंकू के आक्रामक और निडर से प्रभावित हूं : श्रीसंत

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। रिंकू सिंह के आक्रामक और निडर दृष्टिकोण की गूंज के बीच, भारतीय पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का मानना है कि खेल के प्रति 26 वर्षीय खिलाड़ी का रवैया 20वीं सदी के प्रतिष्ठित खेल व्यक्तित्व मुहम्मद अली की याद दिलाता है। उन्होंने अपने असाधारण क्षेत्ररक्षण से भारतीय टीम को मात देने के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय दिया, जबकि उन्होंने अपनी उम्मीदें भारतीय युवा कंधों पर केंद्रित कीं। टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम तैयार हो रही है। मैं ईमानदार रहूँगा। ऑस्ट्रेलिया ने हमें पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई तरीके से खेला। लक्ष्य जो 280 से 290 होना चाहिए था, ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने इस 240 तक रोक दिया। श्रीसंत ने कहा, खेल का पूरा परिदृश्य बदल गया। निडर दृष्टिकोण वाले उभरते सितारे रिंकू ने श्रीसंत का ध्यान खींचा और 40 वर्षीय खिलाड़ी ने युवा बल्लेबाज में मोहम्मद अली की झलक देखी और सभी प्रारूपों में उनके लगातार प्रदर्शन और अपने दिल की बात कहने की उनकी क्षमता की सराहना की।

श्रीसंत ने कहा, मुझे रिंकू सिंह का आत्मविश्वास पसंद है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं, उसके लिए लगातार ऐसा कर रहे हैं, चाहे वह क्लब क्रिकेट हो, चाहे वह टीम क्रिकेट हो, चाहे वह फ्रेंचाइजी हो। वह परवाह नहीं करते, बहकते नहीं लेकिन वह अपने दिल की बात कहते हैं और वह हैं मोहम्मद अली मेरे लिए। श्रीसंत, जो एम एस धोनी के नेतृत्व में 2007 टी

20 विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्य थे, ने भी अपने करियर के महत्वपूर्ण क्षणों पर विचार किया, उन बाधाओं और लचीलेपन के बारे में बताया जिसने अंततः क्रिकेट के मैदान में उनकी वापसी का मार्ग प्रशस्त किया।

हालाँकि,39 साल की उम्र में केरल के लिए उनकी वापसी, जहाँ वे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, ने उनके अटूट दृढ़ संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। अब, लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में गुजरात जायंट्स की जर्सी पहनकर और स्टुअर्ट बिन्नी के साथ अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) टी20 के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी करते हुए, श्रीसंत ने भारत के बाहर फ्रेंचाइजी क्रिकेट द्वारा दिए गए अवसरों की सराहना की। एलएलसी उनके लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक मंच रहा है, जिसमें महान सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी प्रदान करते हुए उनके लचीलेपन को स्वीकार किया था, एक ऐसा क्षण जिसे वह संभावित बायोपिक के अंतिम दृश्य के रूप में देखते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम ने सीरीज जीती, सूर्या ने खिलाड़ियों की तारीफ की

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस?ट्रेलिया को 6 रनों से हराकर, पांच टी20 की सीरीज अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के आमंत्रण पर पहले बल्लेबाजी कर भारतीय टीम ने श्रेयस अय्यर के 53 और अक्षर पटेल के 31 रनों की मदद से लड़खड़ाते हुए 20 ओवर्स में 8 विकेट खोकर 160 रन बनाए। माना जा रहा था कि इस छोटे स्कोर को डिफेंड करना 'सूर्या ब्रिगेड' के लिए आसान नहीं होगा लेकिन बॉलर्स ने लगातर विकेट लेकर मैथ्यू वेड की कंगारू टीम को दबाव में रखा।

मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने युवा प्लेयर्स के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की। सूर्या ने कहा, सीरीज जीतकर अच्छा लग रहा है। कप्तान के तौर पर अच्छा फील हो रहा है। अर्शदीप सिंह के प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, पाजी को मैंने जो

बोला था करने के लिए, वहीं उसने किया। मैंने फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बॉलिंग डालते हुए देखा है, इसलिए उसका आखिरी ओवर रखा था। कप्तान ने कहा, सब लोग बोलते हैं कि टी20 क्रिकेट बैट्समैन का गेम है। बैट्समैन रन बनाएंगे, यह बॉलर्स के लिहाज से मुश्किल हैं। मेरे हिसाब ये यही होता है कि बैट्समैन मैच जिताते ही हैं, बॉलर सीरीज जिताते हैं। हर गेम में वे नया नया करते गए। अक्षर ने लगातार दूसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीता।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम पिछले कुछ अर्से के अच्छे प्रदर्शन से प्रेरणा लेकर इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय रिकॉर्ड बेहतर करने के इरादे से बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने टी20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने बांग्लादेश में 2.1 से जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंची।

दूसरी ओर दुनिया की दूसरे नंबर की टीम इंग्लैंड श्रीलंका से 1-2 से मिली पराजय को भुलाकर नये सिरे से शुरूआत करने उतरेगी। दुनिया की चौथे नंबर की टीम भारत का इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखलाओं में रिकॉर्ड खराब रहा है। मेजबान टीम इसे दुरूस्त करने के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड के खिलाफ भारत में नौ मैचों में से भारत ने सिर्फ दो जीते हैं। आखिरी जीत पांच साल पहले मार्च 2018 में मिली थी जब ब्रेबोर्न स्टेडियम पर आठ विकेट से इंग्लैंड को हराया था। इंग्लैंड के खिलाफ अब तक कुल 27 मैचों में से भारत ने सिर्फ सात जीते

हैं। भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार अपनी सरजमीं पर टी20 मैच मार्च 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लखनऊ में जहीता था। उसके बाद से भारत अपने देश में चार मैच हार चुका है और एक टाई रहा। भारत ने घरेलू 50 टी20 मैचों में से सिर्फ 19 जीते हैं, 30 हारे और एक टाई रहा। भारत और इंग्लैंड दोनों ने पिछले टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अगला टूर्नामेंट सितंबर अक्टूबर 2024 में होना है और उसकी तैयारी का यह सुनहरा मौका है। दीप्ति शर्मा ने भारत के लिये 16 मैचों में 19 विकेट लिए हैं जबकि बल्लेबाजी में हरमनप्रीत ने 13 टी20 में 323 रन बनाए हैं। जेमिमा रौड्रिग्स ने 16 मैचों में 342 रन बनाए हैं जबकि स्मृति मंधाना ने 15 मैचों में सर्वाधिक 369 रन का योगदान दिया है। हरमनप्रीत ने बिग बैश लीग में 14 मैचों में 321 रन बनाए। भारत ने तीन नये चेहरों कर्नाटक की स्पिनर श्रेयांका पाटिल, पंजाब की स्पिनर मन्नत कश्यप और बंगाल की स्पिनर साइका इशाक को मौका दिया है। कश्यप इस साल की शुरूआत में आईसीसी अंडर 19 महिला टी20 कप में टीम का हिस्सा थी जबकि इशाक ने पहली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिये 15 विकेट लिए। श्रेयांका ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिये नौ विकेट चटकाए और महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने वाली पहली भारतीय बनी। इंग्लैंड के लिये नेट स्किवेर ब्रंट ने महिला प्रीमियर लीग में 332 रन देने के अलावा दस विकेट लिए थे। उन्होंने आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 271 रन बनाए। डैनी वियाट ने 278 रन बनाये हैं जबकि सोफी एक्सेलेटन ने 16 विकेट लिए।

इंग्लैंड कोच ने की भारतीय टीम की तारीफ, टेस्ट सीरीज खेलना सबसे बड़ा चैलेंज

नई दिल्ली । इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैक्कुलम ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा कि टीम इंडिया के साथ टेस्ट सीरीज खेलना सबसे बड़ा चैलेंज है। बता दें कि भारत को इसी महीने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट खेले जाने हैं। पहला टेस्ट 26 जनवरी से तो वहीं, दूसरा जनवरी 2024 में 3 जनवरी से खेला जाएगा। फिर 25 जनवरी से भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। जिसे देखते हुए इंग्लिश टीम के कोच मैक्कुलम काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि भारत में टेस्ट सीरीज खेलना हमारे लिए अपने आप को टेस्ट करने जैसा होगा। क्योंकि वह सबसे अच्छी टीम है। इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैक्कुलम ने बेंगलुरु में एक इवेंट के दौरान कहा कि हमें भारत के खिलाफ 5 टेस्ट मैच खेलने हैं। ये हमारे लिए बड़ा चैलेंज होगा। मैं इसे लेकर काफी उत्साहित हूं। क्योंकि हम अपने आप को टेस्ट करना चाहते हैं। वो तभी हो पाएगा जब आप मजबूत टीम से भिड़ते हो।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भुवनेश्वर को न लेने पर आरपी सिंह हुए नाराज

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका दौरे के लिए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर को न लेने पर पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह बेहद नाराज हैं। गौरतलब है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी गई है। स्क्वॉड में अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर मुकेश कुमार जैसे गेंदबाजों को मौका मिला है। टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव को दी गई है वहीं, वनडे की कप्तानी केएल राहुल के पास होगी। टीम सेलेक्शन के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह एक तेज गेंदबाज को मौका नहीं मिलने से नाराज हैं। उन्होंने कहा है कि भुवनेश्वर कुमार को मौका जरूर मिलना चाहिए था। आरपी सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, मैं ये देख कर हैरान हूं कि भुवनेश्वर कुमार साउथ अफ्रीका के खिलाफ वाइट बॉल गेम का हिस्सा नहीं हैं। मैंने इस सीजन उनके प्रदर्शन को करीब से देखा है। वह शानदार लय और जोश में दिखाई दे रहे हैं। यहां गौश्रतलब है कि भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए आखिरी मैच 22 नवंबर 2022 को खेला था। यह एक टी20 मैच था जो न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया था। भूवी ने इस मैच में 4 ओवर डालते हुए 35 रन दिए थे।सेलेक्टर्स ने उन्हें इस टी20 सीरीज के बाद फिर कभी मौका नहीं दिया। उन्होंने आखिरी टेस्ट साल 2018 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उनकी वापसी की उम्मीद भी अब काफी कम है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मो. सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर।

जूनियर हॉकी विश्व कप: कोरिया को 4-2 से मात देकर भारत की बेहतरीन शुरुआत, अरिजीत की हैट्रिक

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलेशिया के कुआलालंपुर में हुए भारत बनाम दक्षिण कोरिया मुकाबले में अरिजीत सिंह हुंदल की हैट्रिक की मदद से भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-2 से हरा दिया है। इसके साथ ही भारत ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत कर ली है।

अरिजीत ने 11वें, 16वें और 41वें मिनट में गोल किये। भारत की तरफ से एक अन्य गोल अमनदीप ने 30वें मिनट में किया। दक्षिण कोरिया की तरफ से दोह्युन लिम (38वें) और मिंकवोन किम (45वें) ने गोल किये। भुवनेश्वर में 2021 में खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक के मैच में फ्रांस से हारने वाले भारत ने कोरिया पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा। अरिजीत ने पहले क्वार्टर में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

भारत ने इसके बाद भी दबदबा बनाए रखा। अरिजीत और अमनदीप ने दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल किए, जिससे भारत मध्यांतर तक 3-0 से आगे था। दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में लिम के गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन भारत की तरफ से अरिजीत ने तुरंत ही चौथा गोल

करके अपनी हैट्रिक भी पूरी की। भारत 4-1 की बढ़त हासिल करने के बाद थोड़ा ढीला पड़ गया जिसका फायदा उठाकर किम ने गोल दाग दिया।

दक्षिण कोरिया हालांकि इससे हार का अंतर ही कम कर पाया। भारत पूल सी में अपना अगला मैच स्पेन के खिलाफ खेलेगा। इस ग्रुप की चौथी टीम कनाडा है। भारत ने इससे पहले 2001 और 2016 में खिताब जीता था जबकि 1997 में वह उपविजेता रहा था।

आज टीम को खिलाड़ी के रुप में नहीं एक कप्तान के रुप में रोहित की जरुरत : कैफ

विशाखापत्तनम। विश्व कप 2023 के रोमांचक फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सपनों को चकनाचूर किया और अब क्रिकेट जगत का ध्यान टी20 विश्व कप 2024 पर केंद्रित हो चुका है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि हार के बीच रोहित शर्मा का नेतृत्व पहले से कहीं अधिक चमक रहा है। कैफ ने कहा, टी20 विश्व कप 2024 में टीम का नेतृत्व करने के लिए आपको बल्लेबाज रोहित से ज्यादा कप्तान रोहित की जरूरत है। अब जैसे कि टी20 विश्व कप नजदीक है, सवाल उठता है कि क्या रोहित भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, या कोई नया कप्तान पद संभालेगा? कैफ एक खिलाड़ी और एक नेता दोनों के रूप में रोहित की प्रतिभा को स्वीकार करते हैं, का तर्क है कि मुंबईकर की कप्तानी अपरिहार्य है, खासकर हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में। कैफ ने कहा, रोहित को वहां रहना होगा क्योंकि उनमें नेतृत्व की गुणवत्ता है। उन्होंने वनडे विश्व कप के दौरान लचीलापन और कौशल का प्रदर्शन करने वाली टीम का मार्गदर्शन करने में रोहित की भूमिका के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने विश्व कप में नेतृत्व किया, उन्होंने एक नेता के रूप में शानदार काम किया है। भारत को टी20 में भी उनके अनुभव की जरूरत होगी। विराट कोहली और रोहित के सफेद गेंद वाले क्रिकेट से ब्रेक लेने के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की अनुपस्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। कैफ ने विशेष रूप से पुजारा की चूक के बारे में भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, श्रेयस अय्यर आपके लिए पुजारा की जगह भरना कठिन होगा। मुझे नहीं पता कि पुजारा को क्यों नहीं चुना गया है। आप अपने प्रमुख बल्लेबाज के बिना अफ्रीकी दौरे पर नहीं जा सकते, आप मौजूदा या पिछले फॉर्म पर भरोसा नहीं कर सकते, जिस चीज की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है उसे अनुभव कहा जाता है और भारत को इसकी कमी खलेगी। कैफ ने कहा, उनके गेंदबाजों ने पूरे टूर्नामेंट में संघर्ष किया, वार्नर, स्मिथ, मार्श ने बल्ले से संघर्ष किया, स्टार्क, हेजलवुड लय में नहीं थे, फिर आप कैसे कह सकते हैं कि जो जीतता है वह सर्वश्रेष्ठ टीम है। भारतीय टीम को देखते हुए रोहित ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया। पूरे टूर्नामेंट में विराट ने मजबूत मध्यक्रम के साथ पारी की कमान संभाली। हमारे तेज गेंदबाज शानदार थे, मोहम्मद शमी जो शुरुआती मैच नहीं खेल सके, टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर की सूची में तीन भारतीय खिलाड़ियों के नाम

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी पुरस्कार आने वाली हैं। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों में आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर एक विशेष स्थान रखता है, जो सभी प्रारूपों में एक खिलाड़ी की उत्कृष्टता को सम्मानित करता है। जैसे-जैसे वर्ष 2023 अपने अंत के करीब पहुंच रहा है, प्रशंसकों के बीच उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया है। हर किसी के मन में सवाल है कि 2023 के लिए आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का ताज किस खिलाड़ी को पहना जाएगा।

सबसे पहले नाम हैं, शुभमन गिल का, जो कि 2023 में एक क्रिकेट सनसनी के रूप में उभरे हैं, उन्होंने 45 मैचों में 50.42 की प्रभावशाली औसत के साथ 7 शतकों सहित 2118 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं। उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। वह पुरुषों के वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। सभी प्रारूपों में गिल का लगातार अच्छा प्रदर्शन और प्रत्येक प्रारूप में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में उनका शामिल होना उन्हें इस पुरस्कार का प्रबल दावेदार बनाता है।

इसके बाद डेरिल मिशेल ने बल्ले और गेंद दोनों से अपना कौशल दिखाया है। उन्होंने साल 2023 में 47 मैचों में 42.64 की औसत और छह शतकों के साथ 1919 रन बनाए है। इसके अलावा उन्होंने गेंद से भी महत्वपूर्ण योगदान देकर 24 विकेट हासिल किए। वनडे विश्व कप 2023 में न्यूजीलैंड के लिए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया जोकि उन्हें इस पुरस्कार का दावेदार बना रहा है।

टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 34 मैचों में 66.68 के औसत से 1934 रन बनाए, जिसमें 8 शतक शामिल थे। कोहली के शानदार विश्व कप अभियान ने उन्हें सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गजों के पहले के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए देखा। अपने शानदार रन-स्कोरिंग और नेतृत्व गुणों के साथ कोहली आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर के प्रबल दावेदार बने हुए हैं।

कैमरे पर नहीं दिखाने पर नीरज चोपड़ा ने दी सफाई, मैं बस मैच देखने गया था

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप को देखने नीजर चौपड़ा भी गए थे। लेकिन उन्हें टीवी पर नहीं दिखाए जाने को लेकर काफी चर्चाएं हुईं। अब उन्होंने अपनी सफाई में कहा कि वह केवल मैच देखने गए थे। बता दें कि फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस मुकाबले में आसान जीत दर्ज की। तब वर्ल्ड कप फाइनल देखने के लिए भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा भी पहुंचे थे। विश्व कप के बाद इस बात पर काफी चर्चा हुई कि फाइनल मैच के दौरान उन्हें टीवी पर नहीं दिखाया गया। अब नीरज ने इसपर खुद खुलासा किया है। नीरज चोपड़ा ने मीडिया से एक इंटरव्यू के दौरान कहा, कि जब मैंने डायमंड लीग में पार्टिसिपेट किया था तो उन्होंने मुझे अच्छी तरह से टेलीकास्ट नहीं किया था। मैं अहमदाबाद बस मैच देखने के लिए गया था। मैंने मैच को काफी इंज्वॉय किया। मुझे तब और अच्छा लगता अगर इंडिया फाइनल जीत जाता। मैं ये कभी नहीं चाहता हूं कि कैमरे में मुझे दिखाया जाए। मेरा यह पहला क्रिकेट मैच भी था जिसे मैंने पूरा देखा था।

दीपा करमाकर बोली- ओलंपिक पदक जीतने का सपना नहीं भूली

कोलकाता (एजेंसी)। दीपा करमाकर ने अपने करियर में समान रूप से गौरव और पीड़ा देखी है लेकिन इस स्टार भारतीय जिम्नास्ट ने सोमवार को कहा कि वह अभी पेरिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने के अपने सपने को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं और शायद पदक के साथ वापसी करेंगी। रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रहकर इतिहास रचने वाली दीपा ने तब से अधिक मुश्किल हालात का सामना किया है। दीपा को घुटने की दो एसीएल सर्जरी का सामना करना पड़ा जिसके लिए लिगामेंट प्रत्यारोपण अनिवार्य था और डोप परीक्षण में विफल होने के कारण उन पर 21 महीने का प्रतिबंध लगा लेकिन अब वह वापसी की राह पर हैं।

दीपा ने कहा कि मैं अब पूरी तरह से फिट हूं। मैंने (प्रोडुनोवा) वॉल्ट चोट की संभावना को जानने के बावजूद किया। उन्होंने कहा- लेकिन मैं अपना शत प्रतिशत दे रही हूं और अपने कोच (बिश्वेश्वर नंदी) के मार्गदर्शन में काफी कड़ी मेहनत कर रही हूं ताकि मैं इससे उबर सकूं और एक पदक जीत सकूं, उसके बाद ही मैं जिम्नास्टिक से संन्यास लूंगी।

अक्टूबर में बेल्जियम में विश्व चैंपियनशिप से चूकने के बाद दीपा की पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करने की राह कठिन है लेकिन वह सकारात्मक रहना चाहती हैं और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना अब बहुत कठिन है। मैं प्रशिक्षण में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं।

पिछली बार सितंबर में हंगरी में विश्व चैलेंज कप में हिस्सा लेने वाली दीपा अब अगरतला में नंदी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। हांगझोउ एशियाई खेलों की टीम से भी दीपा का नाम हटा दिया गया क्योंकि वह पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती थीं लेकिन वह उस निराशा से भी आगे बढ़ चुकी हैं।

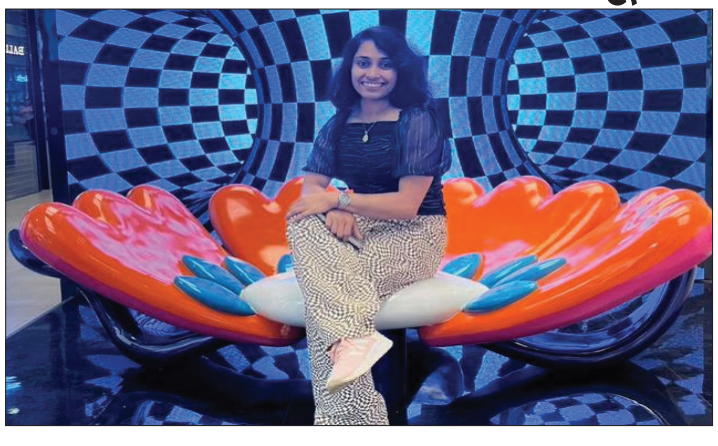

राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म कर्ण में नयनतारा की होगी एंट्री

फिल्मों से ज्यादा अपनी ग्लैमरस तस्वीरों के लिए फेमस दिशा पाटनी के लिए 2024 काफी अहम होने जा रहा है। नए साल में उनकी तीन फिल्में कल्कि 2898 एडी, योद्धा और कंगुवा रिलीज होंगी, लेकिन अहम खबर यह आ रही है कि उन्हें राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म कर्ण से निकाल दिया गया है। उनकी जगह साउथ ही एक और हीरोइन का नाम अब इस फिल्म के लिए चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, महाभारत के बेहद चर्चित पात्र कर्ण पर बन रही फिल्म का दिशा को भी बेसब्री से इंतजार था। हालांकि अब चर्चा है कि फिल्म डायरेक्टर राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने फिल्म के लिए किसी ऐसी हीरोइन की तलाश शुरू कर दी है, जो दक्षिण भारत से हो, लेकिन उसकी पहचान हिंदी पट्टी में भी हो। फिलहाल इसमें शाहरुख खान की फिल्म जवान की हीरोइन नयनतारा का नाम सबसे आगे चल रहा है।

क्या नयनतारा की होगी एंट्री

चर्चा है कि ये फिल्म अगले साल जनवरी तक फ्लोर पर आ जाएगी। अगर नयनतारा इस फिल्म में हुईं तो फिल्म को डबल फायदा मिल सकता है। एक्ट्रेस की हिंदी के साथ साउथ पट्टी में जबरदस्त पॉपुलैरिटी है। हालांकि अभी तक इस बारे में ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है। खबरें तो ये भी आई थीं कि राकेश ओम प्रकाश मेहरा की कर्ण से साउथ एक्टर सूर्या हिंदी डेब्यू कर सकते हैं। वह इस फिल्म में लीड रोल प्ले कर सकते हैं। हालांकि उनकी ओर से भी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

तब्बू ने ठुकराई कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी और तब्बू की कॉमेडी हॉरर फिल्म भूल भुलैया 2 एक बड़ी हिट साबित हुई थी। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। यह अक्षय कुमार और विद्या बालन की 2007 की फिल्म भूल भुलैया का सीक्वल थी। तीसरी किस्त को लेकर हलचल मची हुई है। हालांकि, तब्बू शायद इसका हिस्सा नहीं होंगी। चलिए जानते हैं फिल्म को लेकर क्या नया अपडेट सामने आया है। भूल भुलैया 2 में तब्बू की भूमिका को खूब सराहा गया और फिल्म एक बड़ी व्यावसायिक सफलता साबित हुई। हालांकि, हो सकता है कि उन्होंने इसकी तीसरी किस्त के लिए न कह दिया हो। एक पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, भारी रकम ऑफर होने के बावजूद अभिनेत्री ने भूल भुलैया 3 को ठुकरा दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार अभिनेत्री का कहना है कि मंजुलिका की भूमिका उनके बहुत करीब है, लेकिन वे इसे जल्द ही दोबारा करने के लिए उत्सुक नहीं हैं। कथित तौर पर तब्बू इस भूमिका को दोबारा निभाने से पहले इंतजार करना चाहती हैं। दूसरी ओर निर्माता फिल्म को जल्द से जल्द शुरू करने के इच्छुक हैं।

कार्तिक के साथ तब्बू की जोड़ी

फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन के साथ फ्रेंचाइजी के सीक्वल के बारे में बातचीत शुरू हो चुकी है। फिल्म भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा समर्थित और अनीस बज्मी के जरिए निर्देशित होगी। ऐसे में निर्माता तब्बू को फिर से फिल्म में लाने के लिए बहुत उत्सुक थे, क्योंकि उन्हें लगा कि कार्तिक और तब्बू दोनों एक ऐसी जोड़ी है, जिन्होंने दूसरे भाग के लिए अद्भुत काम किया है और ठीक यही वे तीसरे भाग के साथ भी करेंगे। हालांकि, अब खबर है कि तब्बू ने इस फिल्म को ठुकरा दिया है।

एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स में वेदांग रैना ने दी आवाज

अपकमिंग फिल्म द आर्चीज से अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे वेदांग रैना ने ट्रैक एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स के जरिए अपनी गायकी का हुनर दिखाते हुए सिंगिंग में हाथ आजमाया। द आर्चीज में सुहाना खान, वेदांग रैना, खुशी कपूर, अगस्त्य नंदा, डॉट, युवराज मेंडा और मिहिर आहूजा भी हैं। द आर्चीज न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक गायक के रूप में भी वेदांग की पहली फिल्म है। फिल्म में रेगी मेंटल का किरदार निभाने वाले अभिनेता ने एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स गाने में अपनी आवाज दी है। यह गाना एक ग्रूवी, पेपी नंबर है, जो सचमुच आपके दिल को छू जाएगा। एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स में शंकर, एहसान, लॉय ने म्यूजिक दिया और यह काफी मूड लिफ्टर है। गाने एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स के बारे में बात करते हुए वेदांग ने कहा, मुझे सिंगिंग और म्यूजिक हमेशा से पसंद रहा है, इसलिए फिल्म में अपने किरदार के लिए प्लेबैक करना एक सपने के सच होने जैसा था और मैं इसके लिए बेहद उत्साहित हूं। द आर्चीज म्यूजिकल कॉमेडी फिल्म है। यह 7 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। 1960 के दशक के भारत में स्थापित, आर्ची और गेंग रोमांस, फ्रेंडशिप और रिवरडेल के फ्यूचर को नेविगेट करते हैं।

आयुषी, नीता और अदिति ने आंगन अपनों का पर खुलकर की बात

आगामी शो आंगन अपनों का में किरदार निभाने वाली अभिनेत्री नीता शेट्टी और अदिति राठौड़ ने बताया कि दर्शक एक ऐसी कहानी देखेंगे जो न केवल विशिष्टता को गले लगाती है बल्कि भाईचारे की स्थायी ताकत को भी दिखाती है। आंगन – अपनों का एक मनोरम कहानी है जो न केवल एक पिता और उसकी बेटियों के बीच बिना शर्त बंधन का जश्न मनाती है बल्कि जीवन और विवाह पर शर्मा बहनों के विविध दृष्टिकोण को भी उजागर करती है। आयुषी, सबसे छोटी बेटी पल्लवी शर्मा की भूमिका निभाती हैं, अदिति आज्ञाकारी बेटी तन्वी शर्मा की भूमिका में हैं, और नीता सबसे बड़ी बेटी दीपिका शर्मा की भूमिका निभाती हैं, प्रत्येक अपने पात्रों के साथ कहानी में एक अलग मजा लाती हैं। आयुषी ने कहा, पल्लवी के लिए उसके पिता और बहनें ही उसकी दुनिया हैं। यह देखते हुए कि शादी के बाद उसकी बहन की प्राथमिकताएं नाटकीय रूप से बदल जाती हैं, वह इस तरह के बदलाव की आवश्यकता पर सवाल उठाती है। शादी के बारे में पल्लवी का नजरिया गलत नहीं है, यह बिल्कुल अनोखा है और कई युवा लड़कियों से भी मेल खाता है, जिनकी देखभाल के लिए माता-पिता होते हैं, जिनमें मैं भी शामिल हूं। नीता ने साझा किया, दीपिका एक आधुनिक महिला है जो रूढ़िवादिता को खारिज करती है। वह उन महिलाओं के लिए एक आदर्श है जो अपने घरों को पूरी तरह से प्रबंधित करते हुए काम करने के लिए अपना सब कुछ दे देती हैं। अपने पति की मदद करने, अपनी बहनों के लिए समय निकालने और एक एयर होस्टेस के रूप में आगे बढ़ने की जिम्मेदारियों को निभाते हुए वह एक बहुमुखी सशक्त महिला का प्रतीक हैं। अदिति ने कहा- तन्वी अपनी मुखर और साहसी बहनों की तरह नहीं हैं। पारंपरिक लिंग भूमिकाओं में दृढ़ता से निहित, वह एक पत्नी और मां के रूप में अपनी भूमिका को प्राथमिकता देती हैं और एक समर्पित गृहिणी बनकर संतुष्ट हैं। सबसे छोटी शर्मा बहन पल्लवी की शादी के बारे में एक अनोखी राय है, वह सवाल करती है कि शादी के बंधन में बंधने के बाद महिलाओं को अपनी प्राथमिकताएं क्यों बदलनी पड़ती हैं और अपने माता-पिता को पीछे छोड़ना पड़ता है, जबकि सबसे बड़ी बहन दीपिका घरेलू जिम्मेदारियों और एक समृद्ध करियर के बीच सही संतुलन का प्रतीक है। दूसरी ओर तन्वी आज्ञाकारी बेटी, पत्नी और बहू के रूप में अपनी भूमिका में तीनों में एक अलग गतिशीलता लाती है। लेकिन उनके मतभेदों के बावजूद, शर्मा बहनों का बंधन लचीला बना हुआ है, जो आधुनिक संदर्भ में पारिवारिक बंधनों के सार को चित्रित करता है।

शो पुष्पा इम्पॉसिबल में अश्विन की भूमिका निभाना चुनौतीपूर्ण

शो पुष्पा इम्पॉसिबल में अश्विन की भूमिका निभा रहे अभिनेता नवीन पंडिता ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि यह काफी चुनौतीपूर्ण है। पुष्पा इम्पॉसिबल एक दृढ़ चरित्र पुष्पा (करुणा पांडे) की कहानी है, जो जीवन की चुनौतियों का सामना करती है। पिछले कुछ एपिसोड में, पुष्पा को अपने दो बेटों, चिराग (दर्शन गुर्जर) और अश्विन (नवीन पंडिता) के बीच उलझा हुआ देखा जा सकता है। जैसे ही चिराग ने टेंडर घोटाले में अश्विन की संलिप्तता का खुलासा किया, उसने सलाह मांगी कि क्या उसे अपने भाई के बारे में रिपोर्ट करनी चाहिए या नहीं। नवीन ने कहा, हालिया कहानी ने वास्तव में दो भाइयों, चिराग और अश्विन के बीच नाटक को बढ़ा दिया है। मेरा किरदार अश्विन भावनाओं के तूफान के बीच में है, और उसके परिवार के साथ चीजें और भी तीव्र होने वाली हैं। उन्होंने आगे कहा, इस भूमिका को निभाना काफी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि मुझे एक ऐसे व्यक्ति की जटिल भावनाओं को दिखाना है जो सिर्फ अपने परिवार के लिए सर्वश्रेष्ठ चाहता था। अश्विन के लिए यह एक आसान यात्रा नहीं है और दर्शक भावनाओं के उतार-चढ़ाव की उम्मीद कर सकते हैं। पुष्पा इम्पॉसिबल सोनी सब पर प्रसारित होता है।

रश्मिका मंदाना के पास करियर चुनने का नहीं था कोई ऑप्शन

कन्नड़ और तमिल फिल्मों की खूबसूरत और प्रतिभाशाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने बहुत काम समय में ही हिंदी फिल्म जगत में अपनी जगह बना ली। पुष्पा और गुडबाय की ये एक्ट्रेस इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म एनिमल को लेकर। हाल ही में रश्मिका सोशल मीडिया पर वायरल अपने डीपफेक वीडियो को लेकर भी काफी चर्चा में रही हैं, जिसकी जांच चल रही है।

आज से तीन साल पहले आई पुष्पा ने रातों-रात आपको बॉलिवुड में फेमस कर दिया। बीते तीन सालों के सफर को कैसे देखती हैं आप?

सच कहूं तो यह बहुत ही खूबसूरत एहसास है। पुष्पा मेरा सबसे पसंदीदा और प्यारा प्रोजेक्ट था। श्रीवल्ली के तौर पर शूटिंग करने में मुझे बहुत मजा आया। मेरे नजदीकी और दूर के परिवार वालों को मुझे इस फिल्म देखना बहुत पसंद आया। मैं आज भी कहीं जाती हूं तो लोग मुझे मेरे किरदार से जानते हैं शानवी, लिली, श्रीवल्ली और अब गीतांजलि (एनिमल) तो यह बहुत ही खूबसूरत अनुभव हैं और सच बताऊं तो अपने किरदारों के नाम से जाने जाना ही सबसे कमाल का अनुभव है। अब फिल्म के दूसरे भाग की शूटिंग और प्रॉडक्शन बड़े पैमाने पर शुरू हो गया है। ये आने वाली फिल्म पिछली वाली पुष्पा से बहुत बड़ी होने वाली है। मैं भी इसी फिल्म के इतंजार में हूं और बहुत ही उत्साहित हूं।

कभी सोचा था कि आप इतनी फेमस हो जाएंगी?

मैंने ये कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक आ पाऊंगी, ये लगा कि मैं ये करने में सक्षम हूं। लेकिन मुझे यह भी लगता है कि इसी वजह से मैं आज यहां हूं। एक पंक्ति है और मैं उस पर बहुत विश्वास करती हूं या यूं कहें कि मैं उसी पर चलती हूं।

सायकॉलजी, जर्नलिज्म और इंग्लिश लिटरेचर की स्टूडेंट रश्मिका फिल्मों की हीरोइन कैसे बन गईं? क्या आप हमेशा से हीरोइन बनना चाहती थी?

चलिए आज मैं आपको सच बताती हूं कि मेरे पास चुनने के लिए कोई और विकल्प नहीं था। मैं 11वीं और 12वीं में भी आर्ट की छात्रा थी, तो जब मैं साहित्य, मनोविज्ञान और पत्रकारिता की पढ़ाई करने लगी तब मुझे समझ में आया कि यह करने में तो मुझे बहुत मजा आ रहा है। हीरोइन बनना मेरे सपनों से भी परे था। मैंने सोचा था कि मेरे ग्रैजुएशन की पढ़ाई के बाद मैं घर जाकर अपने पापा के बिजनेस में मदद करूंगी, मगर किस्मत ने मुझे कहीं और ही पहुंचा दिया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह इंटरव्यू करूंगी और मुझे ऐसे सवाल पूछे जाएंगे। शायद जिंदगी ऐसी ही होती है, आपको नहीं पता होता है कि आगे क्या होने वाला है। लेकिन जो मिला वो बहुत ही खूबसूरत है और मैं बहुत खुश हूं।

आपकी पहली कमाई क्या थी?

पता है मैंने यह बात आजतक किसी से नहीं कही है। मेरे स्कूल में एक नियम था कि आप अपने जेबखर्च से पैसे इकट्ठा करते हैं और अपनी क्लास टीचर को देते हैं और जो भी सबसे ज्यादा पैसे इकट्ठा करता था, उसको अवॉर्ड मिलता था। वो पैसे समाज कल्याण के लिए दिए जाते थे तो मैं हमेशा अपने मम्मी और पापा के जेब से 5-10 चुरा कर अपने बेड के नीचे बचा कर रखती थी ताकि मैं वो प्राइज जीत सकूं। वो पहली दफा था जब मेरा पैसे से रिश्ता जुड़ा, क्योंकि मेरी आदत नहीं थी कि मैं अपनी मम्मी पापा से पैसे मांगू या आइस क्रीम जैसी कोई चीज मांगू। मेरी पहली तनख्वाह 25 हजार रुपए थी जो मुझे चेक के तौर पर मिली थी।

हीरोइन बनकर फेमस हो जाने के बाद आप सबसे ज्यादा क्या मिस करती हैं?

मैं अपने काम की वजह से हैदराबाद बाद शिफ्ट हो गई हूं और मेरा परिवार मैसूर रहता है तो परिवार से दूर रहना और दोस्तों से दूर रहना एक ऐसी चीज है जो मुझे बहुत याद आती है। मैं उन्हें बहुत मिस करती हूं।

परिवार आपके लिए कितनी अहमियत रखता है? आप परिवार में किसके करीब हैं?

परिवार मेरे लिए हर तरह से अहमियत रखता है। यह हमेशा पहले स्थान पर आता है। परिवार ही तो होता है, जिसके साथ आप पले-बढ़े होते हैं। वह आपके साथ वर्तमान में भी होता है और भविष्य में भी आपका साथ निभाता है। मैं अपने परिवार में किसके करीब हूं, ये एक ऐसा पहलू है, जिसे मैं उजागर नहीं करती। मैं अपने परिवार और व्यक्तिगत जीवन को अपने तक सीमित रखना चाहती हूं। आम तौर पर आप लोगों ने देखा ही होगा कि मैं अपने परिवार और दोस्तों से जुड़ी पोस्ट भी सोशल मीडिया पर साझा कम ही करती हूं, क्योंकि ये सभी लोग मेरे दिल के बेहद करीब हैं।

द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर में अक्षय कुमार के अपोजिट होंगी अनन्या!

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों करण जौहर की आगामी बायोपिक द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर की शूटिंग कर रहे हैं। यह फिल्म वकील और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सी शंकरन नायर के जीवन पर आधारित है। इसके अलावा, उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के पीछे की सच्चाई के लिए भी लड़ाई लड़ी। अक्षय कुमार सी शंकरन नायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि अनन्या पांडे और आर माधवन भी फिल्म में अभिनय करेंगे।

कथित तौर पर, अनन्या पांडे और अक्षय कुमार को हाल ही में आईआईटी रूड़की में देखा गया था। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, यह शेड्यूल कम से कम 20 दिनों तक चलेगा। अगला शेड्यूल अलीबाग में शुरू होगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा जा रहा है कि यह नायर के परपोते रघु पलाट और उनकी पत्नी पुष्पा पलाट द्वारा लिखी गई किताब द केस दैट शुक द एम्पायर का रूपांतरण है। द केस दैट शुक द एम्पायर पुस्तक पंजाब के तत्कालीन उपराज्यपाल और 1919 में निहत्थे नागरिकों पर क्रूर हमले के प्रमुख योजनाकारों में से एक माइकल फ्रांसिस ओडायर के खिलाफ नायर की ऐतिहासिक कानूनी लड़ाई का वर्णन करती है। अक्षय कुमार के अलावा अनन्या पांडे और आर माधवन के भी फिल्म से जुड़ने की खबरें हैं, जिसने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है। काम के मोर्चे पर, अक्षय कुमार को आखिरी बार मिशन रानीगंज में देखा गया था, जो इसी वर्ष अक्तूबर में रिलीज हुई थी। यह फिल्म आईआईटी धनबाद के खनन इंजीनियर जसवंत सिंह गिल पर आधारित थी, जिन्होंने 1989 में रानीगंज कोलफील्ड्स में फंसे 65 खनिकों को बचाया था। इस बीच, करण जौहर की आखिरी निर्देशित परियोजना, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी थी। फिलहाल वह अपने लोकप्रिय सेलिब्रिटी चैट शो कॉफी विद करण के 8वें सीजन को होस्ट करते नजर आ रहे हैं।